राष्ट्रीय शिखर

खबरों की स्वतंत्रता

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर, नई दिल्ली, देहरादून और लखनऊ से एक साथ प्रसारित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष - 01, अंक - 194 | गाजियाबाद / गुरूवार 16 अक्टूबर 2025 | PRGI No. - UPHIN/25/A0086 | पृष्ठ -12, मूल्य - 04 रूपए

यमराज का टिकट चाहिए तो छेड़खानी... 04

अब दिल्ली की सत्ता में भूकंप लाएंगी... 11

गाजा से लौटी मोहब्बत... भाव विभोर हो गया प्रेमी

- 738 दिन बाद कैद से रिहा होते ही गर्लफ्रेंड को लगा लिया गले
- इजरायली बंधक की दिल छूने वाली कहानी, आंखों में आए आंसू

तेल अवीव (एजेंसी)। करीब दो साल। या कहिए 738 दिन या फिर 17,712 घंटे... इतना लंबा इंतजार किया इसाइली कपल नोआ अर्जमानी और अविनातान और ने एक-दूसरे को गले लगाने के लिए। इजरायल और हमास के बीच हुए युद्धविराम समझौते के तहत जब सोमवार को अविनातान को दो साल की कैद के बाद रिहा किया गया, तो वह सीधे अपनी साथी नोआ की बाहों में जा समाए। 7 अक्टूबर 2023 को जब दोनों नोवा म्यूजिक फेस्टीवल में जिंदगी का जश्न मनाने गए थे, तभी मौत और आतंक के साये में गाजा की अंधेरी सुरंगों में कैद हो गए थे। नोआ 245 दिन की कैद के बाद पिछले साल जून में बचाई गई थी। उन्होंने लिखा था, हजारों युवा दौड़ रहे थे, हम सभी गिड़गिड़ा रहे थे कि हमें मार न दिया जाए। 7 अक्टूबर को मैंने आखिरी बार अपने साथी को देखा था।

कैद में, मैं जहां भी जाती, अविनातान के बारे में पूछती। मुझे नहीं पता था कि उसका अपहरण हुआ था या उसकी हत्या हुई थी, लेकिन मैं जवाब जानने से डरती थी। चैनल-12 ने बताया कि रिहा किए गए एक अन्य बंधक एलकाना बोहबोट ने अपना अधिकतर समय एक सुरंग में बेड़ियों से बंधे बिताया, जहां न तो उन्हें टाइम का पता होता और न ही उस जगह की कोई जानकारी होती। इस दौरान बोहबोट ने अपनी शादी की तारीख याद रखते हुए जब नहाने की इच्छा जाहिर की तो हमास के लोगो ने उनके अनुरोध को ठुकरा दिया।

हालांकि बाद में उन्हें इसकी इजाजत मिल गई। उनकी बेड़िया खोली गई और उन्हें नहलाया गया। हमास की कैद से रिहा 25 वर्षीय मतान की मां ने बताया कि हमास के लड़ाकों ने उन्हें शुरुआती महीनों में बहुत यातनाएं दी। उन्हें अकेले रखा गया, पर मतान ने टूटने से इनकार कर दिया। इस दौरान उन्हें बहुत भयंकर मानसिक यातनाओं से गुजरना पड़ा।

'महाभारत' के 'कर्ण' पंकज धीर का निधन

- 'अर्जुन' फिरोज खान बोले- दोस्त खो दिया

मुंबई (एजेंसी)। 'महाभारत' में कर्ण के किरदार से मशहूर हुए अभिनेता पंकज धीर का निधन हो गया है। 15 अक्टूबर, बुधवार को सुबह 11.30 बजे 68 साल के अभिनेता का निधन हो गया। निधन की वजह अभी तक सामने नहीं आई है, मगर उनके जाने से उनके फैंस को गहरा आघात लगा है। महाभारत में अर्जुन का किरदार निभाने वाले अभिनेता फिरोज खान ने निधन की पुष्टि करते हुए गहरा दुख जाहिर किया है। फिरोज, पंकज धीर

के करीबी दोस्त थे। उन्होंने कहा कि हां ये सच है कि वो अब इस दुनिया में नहीं रहे। व्यक्तिगत रूप से मैंने बहुत अच्छे दोस्त को खो दिया वो बहुत प्यारे इंसान थे। मैं अभी तक सदमे में हूं मुझे नहीं पता क्या बोलना चाहिए। वो वाकई बहुत अच्छे थे और इससे ज्यादा फिलहाल मैं कुछ नहीं बोल सकता हूं। पंकज धीर कथित तौर पर कैंसर से लड़ रहे थे। वो इससे उबर भी गए थे लेकिन कुछ महीने पहले कैंसर दोबारा शरीर में फैल गया और उन्हें आईसीयू में भर्ती कराना पड़ा था। इसके बाद उनकी बड़ी सर्जरी हुई।

मिग-29 में अब लगेगा 'स्वदेशी' का दम

150 किलो मीटर दूर से भी दुश्मन के फाइटर जेट के लिए लाएगा तबाही

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय नौसेना को इसके मिग-29के और मिग-29केयूबी फाइटर जेट बेड़े के लिए स्वदेशी रडार सिस्टम का प्रस्ताव मिला है। भारत के विमान वाहक युद्धपोतों पर तैनात इन फाइटर जेट में अभी जो रडार हैं, उनके मुकाबले स्वदेशी रडार कहीं ज्यादा एडवांस हैं और मॉडर्न वॉरफेयर में दुश्मनों के फाइटर जेट को दूर से ही छक्के छुड़ाने में मददगार साबित हो सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय नौसेना के विमान वाहक युद्धपोतों पर तैनात फाइटर जेट में दशकों पहले जो रडार लगाकर दिए गए थे,

वह उतने सक्षम नहीं थे। अब इनकी जगह भारतीय नौसेना के मिग-29के और मिग-29केयूबी फाइटर जेट में स्वदेशी रडार लगाए जाने की बात चल रही है।

भारत के प्रमुख युद्धपोतों पर तैनात हैं फाइटर जेट

रिपोर्ट के अनुसार 2004 में जब खरीद का सौदा हुआ था, तब रडार को लेकर एमटीबीएफ 150 उड़ान घंटे की आवश्यकता बताई गई थी। किसी फाइटर जेट की संचलानात्मक तैयारी रखने के लिए यह एक जरूरी आवश्यकता है। ये फाइटर जेट भारत के प्रमुख विमान वाहक युद्धपोतों आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रांत पर तैनात हैं। लेकिन, रिपोर्ट से पता चलता है उन पर लगे रडारों का जरूरत से कम क्षमता का है। इस रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि इसको लेकर भारत ने संबंधित कंपनी को 2018 में ही औपचारिक शिकायत दर्ज करा दी थी और इसकी लगातार नाकामी और मरम्मत में देरी की बात भी पहुंचा दी गई। हालांकि, इसके बाद विदेशी कंपनी ने इस समस्या को दुरुस्त करने की कोशिश भी की, लेकिन उसका संतोषजनक समाधान नहीं मिल पाया। आखिरकार भारतीय नौसेना ने आधिकारिक तौर पर उस विदेशी रडार को दिया एयरवर्दिनेस सर्टिफिकेट वापस ले लिया।

नौसेना के लिए सामने आया स्वदेशी समाधान

इस संकट के बीच एक संभावित स्वदेशी समाधान सामने आ रहा है। चेन्नई की एक की एक डेटा पैटर्न्स (इंडिया) लिमिटेड नाम की कंपनी ने एसएच 900 रडार विकसित की है, जो कि एक अत्याधुनिक एक्टिव इलेक्ट्रोनिकली स्कैन्ड एरे रडार है। यह पुराने मेकेनिकल रडारों की तुलना में तेजी से कई टारगेट को एकसाथ ट्रैक करने में सक्षम है और जैमिंग की कोशिशों से भी सख्ती से निपट सकते हैं। एसएच 900 में एडवांस गैलियम नाइट्राइड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है, जो रडार को ज्यादा बेहतर रेंज, पावर एफिशिएंट और हीट रेसिस्टेंस बनाते हैं। इसे 150 किलोमीटर से भी ज्यादा दूर तक फाइटर जेट जितने बड़े टारगेट को पहचानने के लिए डिजाइन किया गया है, जो एक साथ 20 टारगेट पर नजर रख सकते हैं। डेटा पैटर्न्स ने भारतीय नौसेना को मिग-29के फाइटर जेट में एसएच 900 रडार लगाने का प्रस्ताव भी दिया है।

हिजाब पर विवाद के बाद केरल में फिर खुला स्कूल

- शिकायतकर्ता छात्रा अनुपस्थित रही, शिक्षा मंत्री ने दिया दखल

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। कोच्चि के पल्लुरुति में एक चर्च द्वारा संचालित स्कूल एक छात्रा के हिजाब पहनने को लेकर विवाद के कारण दो दिन बंद रहने के बाद बुधवार को फिर से खुल गया। स्कूल के सूत्रों ने बताया कि आठवीं कक्षा की छात्रा स्वास्थ्य कारणों से अनुपस्थित रही। उसके

माता-पिता ने उस पर हिजाब पहनने का दबाव डाला था। विवाद के मद्देनजर सेंट रीटा पब्लिक स्कूल के प्रबंधन ने सोमवार और मंगलवार को छुट्टी घोषित कर दी थी। बुधवार सुबह स्कूल परिसर में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों को तैनात किया गया और मीडिया कर्मियों को परिसर के अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गयी। राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने छात्रा के हिजाब पहनने के अधिकार को दोहराया और कहा,छात्रा हिजाब पहनकर कक्षाओं में तब तक उपस्थित हो सकती है।

हिंदी पर बैन लगाने वाला बिल लाएगी डीएमके सरकार

- हिंदी फिल्म-गाने और होर्डिंग्स-बोर्ड पर भी लगाएगी रोक
- सीएम स्टालिन बजट से रुपए का सिंबल भी बदल चुके

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में सीएम एमके स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार राज्य में हिंदी भाषा के इस्तेमाल पर बैन लगाने वाला बिल बुधवार को विधानसभा में पेश कर सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार पूरे तमिलनाडु में हिंदी होर्डिंग्स, बोर्ड, फिल्मों और गानों पर बैन लगाना चाहती है। सरकार ने इस बिल पर चर्चा के लिए मंगलवार रात कानूनी विशेषज्ञों के साथ एक इमरजेंसी मीटिंग बुलाई थी। तमिलनाडु विधानसभा का विशेष सत्र 14 अक्टूबर से शुरू हुआ है। यह 17 अक्टूबर को खत्म होगा। इसमें अनुपूरक बजट अनुमान भी पेश किए जाने की उम्मीद है। तमिलनाडु की स्टालिन सरकार और केंद्र के बीच लंबे समय से राज्य में हिंदी भाषा के

इस्तेमाल को लेकर तकरार चल रही है। इस साल मार्च में सीएम स्टालिन ने स्टेट बजट 2025-26 के सिंबल से रुपए का सिंबल रु हटाकर तमिल अक्षर रु (तमिल भाषा में रुपए को दर्शाने वाले 'रुबाई' का पहला अक्षर) लगा दिया था। सीएम स्टालिन केंद्र सरकार की 3 भाषा फार्मूले का विरोध करते रहे हैं। उन्होंने कई बार भाजपा पर राज्य के लोगों पर हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा था कि राज्य की दो-भाषा नीति (तमिल और अंग्रेजी) से शिक्षा, कौशल विकास और रोजगार को फायदा हुआ हुआ है। राज्यों और स्कूलों को 3 भाषाएं चुनने की आजादी थ्री लैंग्वेज पॉलिसी भारत की एक शिक्षा नीति है।

धर्मांतरण पर नकेल कसने की तैयारी में छत्तीसगढ़ सरकार

- अगले विधानसभा सत्र में लाएगी कठोर कानून,बन गया प्लान

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ सरकार धर्मांतरण के खिलाफ विधेयक लाने की तैयारी कर रही है। गृह मंत्री विजय शर्मा ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार अगले विधानसभा सत्र में अवैध धर्मांतरण के खिलाफ एक विधेयक लाएगी। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कानून में 'चंगाई सभा' (धर्मांतरण विरोधी सभाओं) से निपटने के

प्रावधान भी शामिल होंगे। पत्रकारों से बात करते हुए विजय शर्मा ने कहा, अगले विधानसभा सत्र में हम एक ऐसा अधिनियम लाएंगे जो मेरा मानना है कि सभी राज्य-स्तरीय कानूनों (धर्मांतरण विरोधी) से एक कदम आगे होगा क्योंकि हमने इन सभी कानूनों का अध्ययन करने के बाद इसका ड्राफ्ट तैयार किया है। साथ ही, चंगाई सभा जैसे आयोजन, जिनके बारे में हम सभी जानते हैं कि ये लोगों को भ्रमित करने के लिए किए जाते हैं।

मंदिर के चढ़ावे की राशि से नहीं बनेंगी सड़कें

हाईकोर्ट ने दिया बड़ा फैसला-धन देवता का है, सरकार का नहीं

शिमला (एजेंसी)। हिमाचल सरकार अब मंदिरों में चढ़ावे का पैसा सरकारी योजनाओं पर खर्च नहीं कर पाएगी। हाईकोर्ट ने दान की गई धनराशि का दुरुपयोग रोकने के लिए मंगलवार को एक जनहित याचिका का निपटारा करते हुए यह महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। जस्टिस विवेक सिंह ठाकुर और जस्टिस राकेश कैंथला की खंडपीठ ने कहा- दान की राशि सड़कों, पुलों, सार्वजनिक भवनों के निर्माण पर खर्च नहीं होगी। जो काम सरकारों द्वारा कराए जाते हैं और मंदिर से जुड़े नहीं है, उन पर मंदिरों का बजट खर्च नहीं होगा। कोर्ट ने आगे कहा- दान की रकम से मंदिर कमिश्नर व मंदिर अधिकारी को वाहन भी नहीं खरीदे जा सकेंगे। मंदिरों में आने वाले वीवीआईपी के लिए उपहार खरीदने (स्मृति चिन्ह, तस्वीरें, मंदिर की तस्वीर) पर भी कोर्ट ने रोक लगाई है। इसी तरह किसी भी सरकारी कल्याणकारी योजना, निजी व्यवसायों या उद्योगों में निवेश, दुकानें, मॉल या होटल चलाने के लिए इस राशि का उपयोग वर्जित किया है। कश्मीर चंद शांड्याल ने हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की। याचिकाकर्ता ने प्रतिवादी प्राधिकारियों को हिंदू सार्वजनिक धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ निधि अधिनियम, 1984 का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देशों की मांग की थी। प्रार्थी ने दान राशि का विशेष रूप से बजट तैयार करने, खातों के रखरखाव और व्यय करने से संबंधित प्रावधानों की अनुपालना का अदालत से आग्रह किया था।

अमित शाह से मुलाकात के बाद उपेंद्र कुशवाहा के बदले तेवर

- पटना पहुंचते ही बोले-बिहार में जरूर बनेगी एनडीए की सरकार

पटना (एजेंसी)। जीतन राम मांझी के बाद अब उपेंद्र कुशवाहा भी एनडीए में घमासान छोड़ शांति के रास्ते पर आते दिख रहे हैं। इसके पहले उपेंद्र कुशवाहा ने दिल्ली से निकलते समय कहा था कि एनडीए में सब कुछ ठीक नहीं है। उनके इस बयान के बाद कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे, जिनमें एनडीए छोड़ने का संभावित फैसला भी था। हालांकि अंत में ऐसी पटकथा नहीं लिखी गई। बुधवार को उपेंद्र कुशवाहा की बंद कमरे में केंद्रीय राज्य मंत्री नित्यानंद राय के

साथ गृहमंत्री अमित शाह के साथ बातचीत हुई। इस बातचीत के बाद उपेंद्र कुशवाहा के तेवर काफी बदले हुए दिखे। अब उनकी बातों में गर्मी की जगह नरमी ने ले ली थी। उपेंद्र कुशवाहा ने कहा कि हमने गृह मंत्री से मुलाकात की और इस मुद्दे पर चर्चा हुई। इस चर्चा के बाद,अब हमें उम्मीद है कि आगे कोई मुश्किल नहीं आएगी और बिहार में एनडीए की सरकार जरूर बनेगी।

धूमल, अनंत और अमरेंद्र...

बिहार में बाहुबलियों के रथ पर सवार जेडीयू

मौजूदा मंत्रियों पर भी भरोसा,लिस्ट के अंदर की बात

पटना (एजेंसी)। सीएम नीतिश कुमार की पार्टी जेडीयू (जनता दल यूनाइटेड) ने बुधवार को बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपने 57 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर दी। इस लिस्ट में चिराग पासवान की डिमांडेड सीटों पर सीधी चोट मारी गई। लेकिन इसके अलावा जदयू के उम्मीदवारों की लिस्ट में और भी कुछ खास है। पहले तो जद (यू) ने चिराग पासवान के दावे वाली पांच सीटों पर भी अपने प्रत्याशी उतारे हैं। वहीं जदयू की लिस्ट में तीन बाहुबली भी हैं। इसको राजनीति की भाषा में कहें तो जदयू के उम्मीदवारों की सूची में 3 प्रभावशाली और विवादित छवि वाले नेताओं को उम्मीदवार बनाया गया है, जबकि 10 अनुसूचित जाति (एससी) प्रत्याशियों को टिकट देकर पार्टी ने सामाजिक समीकरण पर ध्यान केंद्रित किया है। पार्टी की ओर से जारी सूची के अनुसार, मोकामा से अनंत सिंह, एकमा से धुमल सिंह और कुचाएकोट से अमरेंद्र पांडे को टिकट दिया गया है। ये तीनों अपने-अपने क्षेत्रों में प्रभावशाली माने जाते हैं। उल्लेखनीय है कि अनंत सिंह ने मंगलवार को ही नामांकन दाखिल कर लिया था। सरायरंजन सीट से मौजूदा मंत्री विजय कुमार चौधरी के बेटे के चुनाव लड़ने की चर्चा थी, लेकिन पार्टी ने इन अटकलों पर विराम लगाते हुए एक बार फिर विजय चौधरी पर भरोसा जताया है। इसी तरह प्रेम मुखिया को भी पार्टी ने हिलसा सीट से दोबारा प्रत्याशी बनाया है।

18 विधायकों को मिला फिर से मौका, 2 के कट गए टिकट

सूची में 18 मौजूदा विधायकों को दोबारा मौका दिया गया है, जबकि दो विधायकों के टिकट काटे गए हैं। जद(यू) ने चिराग पासवान के दावे वाली पांच सीटों–सोनबरसा, अलौली, राजगीर, एकमा और मोरवा भी अपने उम्मीदवार घोषित किए हैं। मंत्री महेश्वर हजारी का टिकट कटने की अटकलों को पार्टी ने खारिज करते हुए उन्हें फिर से कल्याणपुर से प्रत्याशी बनाया है। उल्लेखनीय है कि हजारी के बेटे ने इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के टिकट पर समस्तीपुर (सुरक्षित) सीट से चुनाव लड़ा था, लेकिन उन्हें चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की उम्मीदवार शांभवी चौधरी के हाथों हार का सामना करना पड़ा था।

न्यायालय का हरित पटाखों पर फैसला दिवाली पर लोगों की भावनाओं का सम्मान करता है : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को हरित पटाखों पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह दिवाली पर लोगों की भावनाओं का सम्मान करता है और पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक संतुलित दृष्टिकोण को भी दर्शाता है।

उनकी यह टिप्पणी शीर्ष अदालत द्वारा 18 से 21 अक्टूबर तक दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में हरित पटाखों की बिक्री और उन्हें फोड़ने की अनुमति देने के बाद आई है।

गुप्ता ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली सरकार उसके विशेष आग्रह पर राजधानी में हरित पटाखों के उपयोग की अनुमति प्रदान करने के लिए माननीय उच्चतम न्यायालय का आभार व्यक्त करती है।

उन्होंने कहा, ''यह निर्णय दीपावली जैसे पवित्र पर्व पर जनभावनाओं और उत्साह का सम्मान करता है, साथ ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। दिल्ली सरकार जन भावनाओं का सम्मान करते हुए स्वच्छ और हरित दिल्ली के संकल्प के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। हमारा लक्ष्य है कि त्योहारों की रौनक बरकरार रहे और पर्यावरण की सुरक्षा भी सुनिश्चित हो।''

लोगों से हरित पटाखों के साथ उत्सव और स्थिरता के सामंजस्य का जश्न मनाने के लिए एक साथ आने का आग्रह करते हुए उन्होंने ''हरित और खुशहाल दिल्ली'' के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में काम करने पर जोर दिया।

दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा ने भी आदेश का स्वागत किया और कहा कि लोग कई वर्षों के बाद पारंपरिक रूप से दिवाली का त्योहार मनाएंगे।

मिश्रा ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली में सरकार बदलने के साथ ही ''हिंदू त्योहारों पर प्रतिबंध समाप्त हो गया है।''

उन्होंने कहा, ''जय श्री राम। सरकार में बदलाव के साथ वर्षों के बाद दिल्लीवासी पारंपरिक तरीके से दिवाली मनाएंगे। दिवाली पर हरित पटाखों की अनुमति देने का उच्चतम न्यायालय का फैसला स्वागत योग्य है। अदालत के सामने जनता की आवाज उठाने के लिए मुख्यमंत्री गुप्ता रेखा और दिल्ली सरकार का आभार।''

उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को दिवाली के लिए दिल्ली-एनसीआर में हरित पटाखों की बिक्री और उन्हें फोड़ने की अनुमति दे दी।

केंद्र और दिल्ली सरकार के संयुक्त अनुरोध को स्वीकार करते हुए प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने हरित पटाखों पर प्रतिबंध में ढील दी।

दिल्ली में जिला मजिस्ट्रेट हरित पटाखों की बिक्री के लिए स्थान तय करेंगे : पर्यावरण मंत्री सिरसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने दिवाली पर राष्ट्रीय राजधानी में हरित पटाखों के इस्तेमाल की अनुमति देने वाले उच्चतम न्यायालय के फैसले का बुधवार को स्वागत किया और कहा कि जिला मजिस्ट्रेट पटाखों की बिक्री के लिए स्थान निर्धारित करेंगे।

यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए सिरसा ने कहा कि विनिर्माताओं को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी प्रतिबंधित पटाखे दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के बाजारों में प्रवेश न करें और उन्होंने निवासियों से केवल हरित पटाखों का उपयोग करने की अपील की।

उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले पर दोपहर तीन बजे पटाखा विनिर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं के साथ बैठक करेगी। इसके बाद अपराह्न चार बजे दिल्ली नगर निगम, दिल्ली पुलिस और दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति जैसे सभी हितधारक विभागों के साथ एक और बैठक होगी।

सिरसा ने कहा कि दिल्ली में प्रतिबंधित पटाखों की बिक्री को रोकने और शीर्ष अदालत के निर्देशों का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कड़ी निगरानी की जाएगी। मंत्री ने कहा कि फिलहाल दिल्ली में किसी के पास हरित पटाखे बेचने का लाइसेंस नहीं है और जिला मजिस्ट्रेट लाइसेंस जारी करेंगे।

केंद्र और दिल्ली सरकार के संयुक्त अनुरोध को स्वीकार करते हुए उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को हरित पटाखों पर प्रतिबंध में ढील दी। उसने केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और एनसीआर के राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) को दिवाली के दौरान प्रदूषण स्तर की निगरानी करने और उसके समक्ष रिपोर्ट दाखिल करने को कहा।

भाजपा की वोट चोरी लोकतंत्र पर कुठाराघात : देवेन्द्र यादव

–करोल बाग में हस्ताक्षर अभियान के दौरान कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र पर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने देशवासियों को लोकतंत्र के अंतर्गत सरकार चुनने का जो मूल अधिकार ÷वोट का अधिकार÷ प्रदान किया था, उस पर भाजपा द्वारा की जा रही वोट चोरी सीधा-सीधा 140 करोड़ जनता के अधिकारों पर कुठाराघात है। उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र की नींव पर प्रहार है, जिसे देशवासी कभी स्वीकार नहीं करेंगे।

श्री यादव बुधवार को करोल बाग जिला के नारायणा क्षेत्र में आयोजित भाजपा की कथित वोट चोरी के विरुद्ध कांग्रेस के हस्ताक्षर अभियान के दौरान जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन करोल बाग जिला कांग्रेस अध्यक्ष मदन खोरवाल के नेतृत्व में किया गया। हस्ताक्षर अभियान में भारी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने भाग लेकर भाजपा की नीतियों के प्रति आक्रोश प्रकट किया।

इस अवसर पर पूर्व केन्द्रीय मंत्री कृष्णा तीरथ, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के दिल्ली प्रभारी सचिव सुखविन्दर सिंह डैनी, पूर्व विधायक हरी शंकर गुप्ता, लोकसभा आब्र्जवर एडवोकेट सुनील कुमार, दिल्ली महिला कांग्रेस अध्यक्ष पुष्पा सिंह, हरनाम सिंह, चरणजीत राय, नरेश शर्मा नीटू, सुनील बजाज, ईश्वर बागड़ी, विनीत यादव, राहुल धानक, संचिता ब्रहम यादव, संदीप तंवर, वीर चतरथ, अवधेश तंवर, सतेन्द्र शर्मा, सुरेश कुमार तथा यजुपति उपाध्याय सहित अनेक वरिष्ठ कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि भाजपा सत्ता में बने रहने के लिए हर स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों को रौंद रही है। बहुमत खिसकता देख वह चुनाव आयोग के साथ मिलीभगत कर वोट चोरी की साजिश रच रही है। चाहे राज्य हो या केंद्र, भाजपा ने बार-बार जनादेश को अपहृत करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री राहुल गांधी ने भाजपा की इस साजिश को देश के सामने उजागर किया है और उनके नेतृत्व में चल रहे हस्ताक्षर अभियान को जनता का अपार समर्थन मिल रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा और आरएसएस की विचारधारा देश के सामाजिक ताने-बाने को तोड़ने का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आज देश में दलितों, पिछड़ों और वंचित वर्गों के साथ लगातार अन्याय हो रहा है। सुप्रीम कोर्ट में मुख्य न्यायाधीश पर हुए हमले की घटना, एक आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या तथा रायबरेली में हरीओम वाल्मीकि की मॉब लिंचिंग जैसी घटनाएँ इस बात का प्रमाण हैं कि भाजपा की सोच लोकतंत्र और सामाजिक न्याय दोनों के विपरीत है।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए श्री यादव ने कहा कि प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता की जिम्मेदारी है कि वह अपने क्षेत्र में मतदाताओं के वोट चोरी न होने दें। उन्होंने कहा कि भाजपा की चाल यह है कि विपक्षी मतदाताओं के वोटों को स्थानांतरित कर दिया जाए या किसी अन्य के नाम से डाल दिया जाए।

जब मतदाता मतदान केंद्र पहुँचता है, तो उसे पता चलता है कि उसका वोट पहले ही पड़ चुका है।

उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे बूथ स्तर पर जागरूकता फैलाएं, मतदाता सूची की जांच करें और जनता को भाजपा की इस ÷वोट चोरी÷ नीति से अवगत कराएँ। श्री यादव ने अंत में कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतंत्र के प्रहरी हैं। भाजपा की इस कुटिल राजनीति का सामना सशक्त संगठन और जनसमर्थन से किया जाएगा। जनता के मताधिकार की रक्षा के लिए कांग्रेस हर स्तर पर संघर्ष जारी रखेगी।

जैनाचार्य लोकेशजी ने फ़िल्म ग्लोबल अवॉर्ड 2025 में दी युवाओं को प्रेरणा

–राज्यपाल शिव प्रकाश शुक्ला और आचार्य लोकेशजी ने देवी चित्रलेखा जी को किया सम्मानित

नई दिल्ली (एजेंसी)। अहिंसा विश्व भारती और विश्व शांति केंद्र के संस्थापक जैनाचार्य लोकेशजी ने दिल्ली के ली मेरिडियन होटल में आयोजित तीसरे फ़िल्म ग्लोबल अवॉर्ड 2025 को संबोधित किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि आज भारत के युवा हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं – चाहे वह अंतरिक्ष हो, विज्ञान हो या फ़िल्म जगत। उन्होंने कहा कि ÷भारत अपनी युवा शक्ति के बल पर विश्व में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है।÷

कार्यक्रम में जैनाचार्य लोकेशजी ने प्रख्यात कथावाचक देवी चित्रलेखा जी को सम्मानित किया और कहा कि वे आज के युवाओं के लिए एक प्रेरणास्रोत हैं, जो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार कर रही हैं।

इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल शिव प्रकाश शुक्ला जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने फ़िल्म और टीवी जगत की अनेक विशिष्ट हस्तियों को सम्मानित किया। राज्यपाल ने कहा कि ÷युवा शक्ति देश की सबसे बड़ी ताकत है, और इन्हीं के प्रयासों से भारत विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है।÷ उन्होंने युवाओं से हर क्षेत्र में समर्पण और निष्ठा के साथ कार्य करने का आह्वान किया और कार्यक्रम के आयोजक राजवीर शर्मा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम का आयोजन फिल्मजायंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से राजवीर शर्मा के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में किया गया था। आयोजन में पारस मेहता सह-आयोजक के रूप में शामिल रहे। दोनों ने सभी अतिथियों का शाल अर्पण

और प्रतीक चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। इस अवसर पर फ़िल्म जगत की कई नामचीन हस्तियों के साथ-साथ कई आईपीएस और आईआरएस अधिकारी भी सम्मानित किए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रसिद्ध एंकर सिमरन आहूजा ने किया।

गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस पर दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी ने लॉन्च किया विशेष ऐप

नई दिल्ली। गुरु तेग बहादुर साहिब जी के 350वें शहीदी दिवस को समर्पित कार्यक्रमों की श्रृंखला में एक ऐतिहासिक पहल के तहत दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने सोमवार को एक विशेष मोबाइल ऐप लॉन्च किया। यह ऐप संगत को गुरु साहिब के जीवन, शिक्षाओं और शहादत से जुड़े इतिहास से अवगत कराने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। यह ऐप डीएसजीएमसी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका, महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों, बीबी रंजीत कौर और को-चेयरमैन अमरजीत सिंह फतेह नगर द्वारा गुरु तेग बहादुर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में आयोजित विशेष कीर्तन समागम के दौरान लॉन्च किया गया। इस अवसर पर कॉलेज की निदेशक रमिंदर कौर रंधावा भी उपस्थित थीं। सरदार कालका, काहलों और रंजीत कौर ने बताया कि यह ऐप गुरु तेग बहादुर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी के स्टाफ और विद्यार्थियों द्वारा विकसित किया गया है। उन्होंने कहा, 卐यह हमारे लिए गर्व की बात है कि यह सेवा बाहरी पेशेवरों से नहीं, बल्कि गुरु साहिब के नाम पर स्थापित शैक्षणिक संस्थान के छात्रों ने की है।'

हरित पटाखों को उच्चतम न्यायालय की मंजूरी: भाजपा ने कहा कि पार्टी सही साबित हुई

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (दिल्ली-एनसीआर) में हरित पटाखों की बिक्री और उपयोग को मंजूरी दिए जाने से पार्टी का यह रुख सही साबित हुआ है कि पिछली 'आप' (आम आदमी पार्टी) सरकार ने अदालत में ऐसे तर्क पेश किए थे जिनके कारण पटाखों पर प्रतिबंध लगा।

भाजपा ने आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व वाली 'आप' सरकार की सनातन धर्म के प्रति मंशा बेईमान थी। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को कुछ शर्तों के साथ राजधानी में हरित पटाखों पर लगे प्रतिबंध में ढील दी। अदालत ने कहा कि हरित पटाखों की बिक्री 18 से 21 अक्टूबर तक ही करने की अनुमति होगी और उनका उपयोग दीवाली से एक दिन पहले और दीवाली के दिन सुबह छह बजे से सात बजे तक और रात आठ बजे से 10 बजे तक सीमित रहेगा।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि शीर्ष अदालत का यह फैसला उनकी पार्टी के रुख को सही साबित करता है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा, 'हम लंबे समय से कह रहे हैं कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ऐसे तर्क पेश किए जिनके कारण उच्चतम न्यायालय ने पटाखों पर प्रतिबंध लगा दिया। दिल्ली की जनता ने अब सही सरकार चुनी है। वायु प्रदूषण के कई कारण हैं और वर्तमान सरकार उन्हें सुलझाने के लिए काम कर रही है। यह सनातनियों की जीत है।'

भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि यह अदालत का आदेश वर्तमान दिल्ली सरकार द्वारा की गई 'सकारात्मक सिफारिश' के कारण संभव हो पाया। मनोज तिवारी ने आरोप लगाया, 'पहले 'आप' सरकार अदालत को नकारात्मक सिफारिशें देती थी और हरित पटाखों पर भी प्रतिबंध लगाना चाहती थी। 'आप' की मंशा सनातन धर्म और उसके त्योहारों के प्रति बेईमान थी।'

दिल्ली के कला एवं संस्कृति मंत्री कपिल मिश्रा ने इस फैसले को 'बदलाव का प्रतिबिंब' बताया। कपिल मिश्रा ने कहा, 'सरकार बदलने के बाद हिंदू त्योहारों पर प्रतिबंध रुक गया है। पिछली सरकार ने दीवाली मनाने के अधिकार की रक्षा के लिए कभी अदालत का रुख नहीं किया। हमने जनता के विचार प्रस्तुत किए और अब त्योहार को हरित पटाखों के साथ पारंपरिक तरीके से मनाया जा सकता है।'

इसी तरह की भावना व्यक्त करते हुए दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहा कि इस फैसले ने दीवाली समारोह के 'गौरव को बहाल' किया है। प्रवेश वर्मा ने कहा, 'सालों से दिल्ली के लोगों को यह महसूस कराया गया था कि दीवाली मनाना अपराध है। शीर्ष अदालत का यह आदेश हमारी परंपराओं को जिम्मेदारी से मनाने की रोशनी,

गौरव और स्वतंत्रता वापस लाता है।'

पटाखों पर प्रतिबंध में ढील देते हुए आज भारत के प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा, 'हमें एक संतुलित दृष्टिकोण अपनाना होगा, इसे संयम से अनुमति देनी होगी जबकि पर्यावरण से कोई समझौता नहीं करना होगा।'

'आप' नेता और दिल्ली के पूर्व पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने उम्मीद जताई कि भाजपा सरकार वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए काम करना जारी रखेगी। गोपाल राय ने कहा, 'हमने प्रदूषण कम करने की पूरी कोशिश की। दीवाली के दौरान हरित पटाखों की अनुमति देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के साथ, हमें उम्मीद है कि दिल्ली सरकार नियमों का पालन करेगी और त्योहार के दौरान वायु गुणवत्ता में सुधार की दिशा में काम करना जारी रखेगी।'

महिला पर शादी का दबाव बनाने के लिए उसके बेटे का अपहरण करने वाला व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की महिला द्वारा शादी से मना किए जाने पर उसके चार साल के बेटे का उसके घर के पास से अपहरण करने के आरोप में एक व्यक्ति को लखनऊ से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह घटना रविवार को हुई। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या निवासी फूल विक्रेता सुधाकर सिंह (24) बच्चे को साथ में लेकर सुहेलदेव एक्सप्रेस में यात्रा कर रहा था और लखनऊ रेलवे स्टेशन पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) हेमंत तिवारी ने कहा, ''12 अक्टूबर को अमर कॉलोनी थाने में पीसीआर (पुलिस नियंत्रण कक्ष) के जरिए सूचना मिली कि एक बच्चे का अपहरण किया गया है। बच्चा अपने घर के बाहर खेल रहा था तभी आरोपी उसे उठाकर ले गया।'' अधिकारी ने बताया कि जांच के दौरान पता लगा कि बच्चे की मां लगभग एक साल से सोशल मीडिया के ज़रिए सिंह के संपर्क में थी और आरोपी ने उसे धमकी दी थी कि अगर उसने (महिला) उससे शादी करने से इनकार कर दिया तो वह उसके बच्चे का अपहरण कर लेगा। पुलिस ने बताया कि घटना के दिन बच्चे के पिता ने अपराह्न करीब एक बजे आरोपी को अपने घर के पास देखा लेकिन वह भाग गया। महिला ने उसी दिन शाम करीब साढ़े चार बजे अपने पति को बताया कि उनका बेटा लापता हो गया है और उसे शक है कि सिंह ने उसका अपहरण कर लिया है। बच्चे के पिता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने बताया कि शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया। तकनीकी निगरानी और खुफिया जानकारी से आरोपी की गतिविधियों का पता लगाया गया। पुलिस ने बताया कि घटना के आठ घंटे के भीतर ही सिंह को लखनऊ में पकड़ लिया गया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ के दौरान सिंह ने स्वीकार किया कि उसने बच्चे का अपहरण उसकी मां पर शादी के लिए दबाव बनाने के मकसद से किया था।

दिल्ली में वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब', पांच केंद्रों में एक्यूआई 300 के ऊपर दर्ज

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पांच निगरानी केंद्रों ने बुधवार को वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज की और वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) का स्तर 300 से ऊपर चला गया। दिल्ली में 40 वायु गुणवत्ता निगरानी केंद्र हैं, जिनमें से 38 के आंकड़े उपलब्ध हैं। आंकड़ों के अनुसार इनमें से पांच केंद्रों पर एक्यूआई 'बेहद खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया, जिसमें आनंद विहार में सबसे अधिक एक्यूआई (345) दर्ज किया गया, इसके बाद डीयू नॉर्थ कैंपस (307), सीआरआरआई मथुरा रोड (307), द्वारका सेक्टर 8 (314) और वजीरपुर (325) का स्थान रहा। बुधवार को 20 केंद्रों ने एक्यूआई 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया, जबकि 13 केंद्रों ने 'मध्यम' श्रेणी में एक्यूआई दर्ज किया। डिसीजन सपोर्ट सिस्टम (डीएसएस) के आंकड़ों के अनुसार मंगलवार को दिल्ली का एक्यूआई 201 दर्ज किया गया जो 'खराब' श्रेणी में आता है। परिवहन उत्सर्जन प्रदूषण में सबसे बड़ा योगदानकर्ता रहा, जो कुल उत्सर्जन का 19.8 प्रतिशत था। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा', 51 से 100 के बीच को 'संतोषजनक', 101 से 200 के बीच को 'मध्यम', 201 से 300 के बीच को 'खराब', 301 से 400 के बीच को 'बहुत खराब' और 401 से 500 के बीच को 'गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार बुधवार को राजधानी में न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो सामान्य से 1.3 डिग्री कम है। आईएमडी ने बताया कि सुबह साढ़े आठ बजे सापेक्षिक आर्द्रता 89 प्रतिशत थी।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कुमार सानू के व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की शाहदरा साइबर सेल ने वॉटसऐप के ज़रिए चल रहे एक अंतरराष्ट्रीय निवेश ठगी रैकेट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जिसके तार चीन स्थित नेटवर्क से जुड़े पाए गए नेटवर्क का हिस्सा है, जो भारत में फर्जी निवेश योजनाओं के जरिए आम लोगों को निशाना बना रहा था। पुलिस ने कहा कि यह रैकेट अब तक करीब 50 लाख रुपए से अधिक की धोखाधड़ी कर चुका है। फिलहाल आरोपी से पूछताछ जारी है और पुलिस उसके अन्य सहयोगियों की पहचान, पैसे के लेनदेन और नेटवर्क के अंतरराष्ट्रीय कनेक्शन की गहराई से जांच कर रही है।

दिल्ली के संजय गांधी अस्पताल की छत पर चढ़ा व्यक्ति, बचाव अभियान जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को नशे में धुत एक व्यक्ति कथित तौर पर दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में स्थित संजय गांधी अस्पताल की छत पर चढ़ गया और कूदने का प्रयास कर रहा है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, 'संजय गांधी अस्पताल की छत से एक व्यक्ति के कूदने की कोशिश करने की सूचना मिली थी। मंगोलपुरी पुलिस और अग्निशमन अधिकारियों की एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। उसे सुरक्षित नीचे उतारने के प्रयास जारी हैं।' कथित तौर पर वह व्यक्ति सुबह छह मंजिला अस्पताल की छत पर चढ़ गया, जिससे मरीजों, आगंतुकों और कर्मचारियों में दहशत फैल गई। इस घटना को देखने वालों की भारी भीड़ जमा हो गई, सैकड़ों लोग अस्पताल परिसर के बाहर इकट्ठा हो गए। पुलिस ने कहा कि भीड़ को नियंत्रित करने और सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने के लिए इलाके की घेराबंदी कर ली गई है और बचाव अभियान जारी है। अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है।

हादसों के शिकार लोगों के परिजनों को बिधूड़ी ने सौंपे अनुग्रह राशि के चैक

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण दिल्ली से भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने पिछले दिनों दो हादसों के शिकार हुए दो व्यक्तियों के परिजनों को आज 10-10 लाख रुपए की अनुग्रह राशि के चैक वितरित किए। इनमें एक व्यक्ति की मृत्यु सरिता विहार अंडरपास में डूबने से और दूसरे की मृत्यु कालकाजी में भारी बारिश के बाद अचानक पेड़ गिरने से हुई थी। बिधूड़ी ने एक सादे समारोह में सरिता विहार के अंडरपास में भरे पानी में 28 जून 2024 को डूबे 60 वर्षीय दिग्विजय सिंह चौधरी की पत्नी श्रीमती विनिता चौधरी को 10 लाख रुपए का चैक भेंट किया। इसी तरह कालकाजी में 14 अगस्त 2025 को एक पेड़ गिरने से 48 वर्ष के श्री सुधीर कुमार का निधन हो गया था। वह उस समय अपनी बेटी के साथ बाइक पर जा रहे थे कि उन पर पेड़ गिर गया और उनकी मृत्यु हो गई। बिधूड़ी ने उनकी पत्नी सुनीता देवी को भी अनुग्रह राशि का एक लाख रुपए का चैक सौंपा। उनकी अनुग्रह राशि के रूप में 10 लाख रुपए ही मंजूर हुए हैं लेकिन कुछ कागजी औपचारिकताओं के पूरा होने पर बाकी राशि अगले कुछ दिनों में दी जाएगी। बिधूड़ी ने कहा कि हम इस तरह हादसों के शिकार इन परिजनों का दुख कम नहीं कर सकते क्योंकि इन परिवारों की जो क्षति हुई है, उसकी कभी भरपाई नहीं की जा सकती लेकिन उनके जीवन की कुछ मुश्किलें अवश्य कम कर सकते हैं। बिधूड़ी तथा उपस्थित सभी लोगों ने मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के प्रति आभार व्यक्त किया जिनके प्रयासों से इन परिवारों तक यह अनुग्रह राशि पहुंच सकी है। कार्यक्रम में दिल्ली सरकार की ओर से दक्षिण—पूर्वी जिले के डीएम श्री सरवन बागरिया और कालकाजी के एसडीएम श्री अनुज कुमार भारती भी उपस्थित रहे।

दिवाली से पहले दिल्ली पुलिस और अग्निशमन अधिकारी समन्वय बैठक करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 15 अक्टूबर (वेब वार्ता)। दिल्ली पुलिस और दिल्ली अग्निशमन सेवा दिवाली से पहले राष्ट्रीय राजधानी में सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों को मजबूत करने के लिए एक उच्च स्तरीय समन्वय बैठक आयोजित करेगी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि बैठक में त्योहारों के दौरान सुचारू यातायात, प्रभावी अग्नि सुरक्षा व्यवस्था और समग्र सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तीनों विभागों के बीच समन्वय को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। उन्होंने बताया, 'आकस्मिक योजनाओं, लोकप्रिय बाजारों में भीड़ प्रबंधन और संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बलों की तैनाती के बारे में चर्चा की जाएगी।' अधिकारी ने कहा कि दिवाली के दौरान दिल्ली में बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर भारी भीड़ होती है 'हमारा उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, अप्रिय घटनाओं को रोकना और यातायात का प्रभावी प्रबंधन करना है।' अधिकारी ने बताया कि प्रमुख क्षेत्रों की निगरानी और किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कदम उठाने के लिए संयुक्त टीम बनाई गई हैं। तैयारी के तौर पर, दिल्ली पुलिस ने शहर भर में पैदल गश्त तेज कर दी है, खासकर बाजारों, धार्मिक स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों पर। संबंधित जिलों के वरिष्ठ अधिकारी व्यक्तिगत रूप से इन गश्तों की निगरानी कर रहे हैं ताकि एक मजबूत उपस्थिति बनाए रखी जा सके और नागरिकों में विश्वास पैदा किया जा सके। अधिकारी ने कहा कि सघन पैदल गश्त का उद्देश्य न केवल संभावित अपराधियों को रोकना है, बल्कि सामुदायिक सहभागिता को भी बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर गश्त से जनता को आश्वस्ति मिलती है और अपराध को रोकने में मदद मिलती है। इसके अलावा, दिल्ली पुलिस ने आपात स्थिति से निपटने में पुलिस की तैयारी का आकलन करने के लिए कई प्रमुख स्थानों पर 'मॉक ड्रिल' भी शुरू कर दी है। अधिकारी ने बताया कि निगरानी और भीड़ पर निगरानी बढ़ाने के लिए प्रमुख बाजारों सहित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर मचान स्थापित की जा रही हैं। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'इसका उद्देश्य बड़ी संख्या में लोगों के एकत्रित होने पर निगरानी रखना तथा किसी भी गड़बड़ी या संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करना है।' दिल्ली यातायात पुलिस ने विशेष रूप से खरीदारी क्षेत्रों और मंदिरों के आसपास वाहनों की आवाजाही में अपेक्षित वृद्धि को प्रबंधित करने के लिए एक विस्तृत योजना तैयार की है। यातायात जाम वाले स्थानों पर विशेष चौकियां स्थापित की गई हैं और निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए तीन शिफ्ट में कर्मियों को तैनात किया जा रहा है।

केजरीवाल, आतिशी ने गोवा के मंत्री रवि नाइक के निधन पर शोक व्यक्त किया

पणजी/नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और पार्टी की वरिष्ठ नेता आतिशी ने बुधवार को गोवा के कृषि मंत्री रवि नाइक के निधन पर शोक व्यक्त किया और कहा कि उन्होंने अपने जीवन के चार दशक जनसेवा में समर्पित कर दिए। सूत्रों ने बताया कि 79 वर्षीय नाइक को पणजी से 30 किलोमीटर दूर उनके गृहनगर पोंडा में दिल का दौरा पड़ा। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री को पोंडा शहर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां मंगलवार रात करीब एक बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। आम आदमी पार्टी की गोवा इकाई के अध्यक्ष अमित पालेकर ने पोंडा स्थित नाइक के आवास पर जाकर उन्हें श्रद्धांजलि दी। केजरीवाल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री और कृषि मंत्री श्री रवि नाइक जी के निधन से दुखी हूं। उनके परिवार और समर्थकों के प्रति संवेदना। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करे। ओम शांति।' गोवा की पार्टी प्रभारी आतिशी ने भी 'एक्स' पर नाइक को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा, 'वरिष्ठ मंत्री और गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री श्री रवि नाइक जी के निधन से गहरा दु:ख हुआ है। उन्होंने अपने जीवन के चार दशक से अधिक समय सार्वजनिक सेवा में समर्पित कर दिए। ईश्वर उनके परिवार और समर्थकों को इस कठिन समय में शक्ति प्रदान करें। ओम शांति।' नाइक सात बार विधायक रहे (छह बार पोंडा विधानसभा क्षेत्र से और एक बार मरकाइम विधानसभा क्षेत्र से) और उन्होंने वर्षों तक महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी), कांग्रेस और भाजपा सहित कई दलों का प्रतिनिधित्व किया। वह दो बार तटीय राज्य के मुख्यमंत्री रहे। वह पहली बार जनवरी 1991 से मई 1993 तक मुख्यमंत्री रहे। साल 1994 में, वह गोवा के सबसे कम समय तक मुख्यमंत्री रहे। उनका कार्यकाल उस वर्ष 2 अप्रैल से 8 अप्रैल तक, केवल छह दिन तक रहा। नाइक 1998 में कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में उत्तरी गोवा से सांसद भी रहे।

दिल्ली में जहरीली हवा पर काबू पाने में नाकाम रही रेखा गुप्ता सरकार : देवेन्द्र यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण को लेकर भाजपा सरकार पर कड़ा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में हवा के ज़हरीली होने और एक्यूआई 200 के पार जाने के बाद ग्रेप-1 लागू किया जाना मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सरकार की नाकामी का सबूत है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में आनंद विहार और अन्य व्यस्त क्षेत्रों में एक्यूआई 300 से ऊपर दर्ज किया गया है, जो आने वाले दिनों में लोगों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने पिछले आठ महीनों में प्रदूषण नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया और अब स्थिति नियंत्रण से बाहर हो रही है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सर्दियों में बढ़ता प्रदूषण हर साल दिल्लीवासियों के लिए संकट बन जाता है, लेकिन भाजपा सरकार भी आम आदमी पार्टी की तरह केवल बयानबाजी में लगी हुई है। उन्होंने पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा पर भी तंज कसते हुए कहा कि 'जब सरकार खुद जनता से सुझाव मांग रही है, तो यह साफ है कि उनके पास कोई योजना नहीं है।'

42 दिन बाद डीएम के आदेश पर कब्र से निकाला गया विवाहिता का शव, बहन की तहरीर पर पुलिस ने की कार्रवाई

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) जिलाधिकारी के आदेश पर नायब तहसीलदार अजब सिंह ने पुलिस बल के साथ मिलकर 42 दिन बाद विवाहिता शाजिया परवीन का शव कब्र से निकालकर पंचनामा भरवाया और पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया। यह कार्रवाई पीड़ित परिवार की शिकायत के आधार पर की गई। जानकारी के अनुसार मृतका की बहन नाजिया परवीन ने पुलिस को तहरीर में बताया कि उनकी बहन का आठ वर्ष पूर्व मोहल्ला पहाड़ी दरवाजा निवासी अजहरुद्दीन के साथ मुस्लिम रीति रिवाज के अनुसार निकाह हुआ था। निकाह के समय दान स्वरूप सामान दिया गया था, लेकिन शादी के बाद अजहरुद्दीन और उसके परिवार द्वारा लगातार दहेज की मांग और मानसिक-शारीरिक प्रताड़ना की जाती रही। तहरीर में नाजिया परवीन ने यह भी बताया कि शाजिया परवीन की मौत 2 सितंबर 2025 को संदिग्ध परिस्थितियों में हुई। इसके बाद मृतका के पति और उसके परिजन पुलिस की नजर से बचने के लिए मोहल्ले के कुछ लोगों की मदद से शाजिया का शव बढ़ापुर रोड स्थित कब्रिस्तान में दफना दिया। जिलाधिकारी के आदेश पर नायब तहसीलदार अजब सिंह ने पुलिस फोर्स के साथ पीड़ित परिवार की निशानदेही पर मोहल्ला छिप्पीपाड़ा, नाबीना मदरसे के पास स्थित कब्रिस्तान में जाकर शव को बाहर निकाला। शव का पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेजा गया। इस मामले में पुलिस जांच जारी है और परिवार का कहना है कि न्याय सुनिश्चित होने तक मामले पर नजर रखी जाएगी।

माइक्रो ओवन रिपेयर के दौरान करंट की चपेट में मिस्त्री की मौत, परिवार में मातम

नगीना/बिजनौर (शिखर समाचार) नगीना में एक दर्दनाक हादसा उस समय घटित हुआ जब फ्रिज, वाशिंग मशीन और एसी रिपेयर करने वाले सेंटर में काम कर रहे एक युवक की बिजली का करंट लगने से मौत हो गई। घटना से मृतक के परिवार में गहरा शोक और मोहल्ले में चिंता की लहर दौड़ गई। स्थानीय मोहल्ला सरायमीर निवासी अब्दुल रज्जाद, उम्र 24 वर्ष, नगर पालिका परिषद कार्यालय के सामने स्थित फ्रेंड्स कूलिंग्स रिपेयर सेंटर में मिस्त्री के रूप में कार्यरत थे। बुधवार को वह दुकान में माइक्रो ओवन की रिपेयर कर रहे थे। अचानक माइक्रो ओवन की प्लेट को छूते ही उन्हें जोरदार बिजली का झटका लगा, जिससे वह करंट की चपेट में आ गए। दुकान के मालिक शेख तंजीम अहमद ने तत्काल ही अब्दुल रज्जाद को उठाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही परिवार और मोहल्ले में मातम छा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि अब्दुल रज्जाद बेहद मेहनती और संवेदनशील स्वभाव के युवक थे, और उनकी अचानक मौत से सभी गहरे सदमे में हैं।

नूरपुर इलाके में नाबालिग से गैग रेप, आरोपी पुलिस हिरासत में

बिजनौर (शिखर समाचार) नूरपुर थाना क्षेत्र के एक ग्राम में एक नाबालिग छात्रा के साथ गैंगरेप का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। आरोपियों में दो नाबालिग हैं। पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर तीनों आरोपियों के विरुद्ध मामला दर्ज कर हिरासत में ले लिया है। छात्रा मंगलवार को जंगल में पशुओं गोबर डालने गई थी। वहां पहले से घात लगाये बैठे तीन आरोपियों ने उसे दबोच लिया और बारी-बारी से उसके साथ दुष्कर्म किया। छात्रा के चिल्लाने पर आसपास खेतों में काम कर रहीं महिलाएं दौड़ीं ,जिन्हें देखकर आरोपी भाग गये। पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में ले लिया। सूचना मिलने पर एएसपी ग्रामीण प्रकाश कुमार सिंह, सीओ देशदीपक सिंह व प्रभारी निरीक्षक जयभगवान सिंह ने पीड़िता के परिजनों से घटना के बारे में जानकारी ली। घटना में गांव के ही एक युवक व दो नाबालिग को नामजद किया गया है।

साइबर ठगी के पैसे की रिकवरी के लिए महिला ने रचा मकान मालिक के घर में चोरी का षड्यंत्र, गिरफ्तार

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। साइबर ठगी का शिकार हुई महिला हेमा सिंह ने पैसों की रिकवरी के लिए मकान मालिक के घर में ही चोरी का षड्यंत्र रच दिया। हेमा ने मौका मिलते ही मकान मालिक प्रमोद के घर से लाखों की नगदी और जेवरात चोरी किया। थाना वेव सिटी पुलिस ने महिला को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया और उसकी निशानदेही पर 1 पीली धातु का गले का हार, 6 जोड़ी सफेद धातु पायल, 4 बिछुए सफेद धातु, 1 सफेद धातु का मंगलसूत्र, 2 सफेद धातु के सिक्के, 1 सफेद धातु की अंगूठी और 1 लाख 60 हजार रुपए नगद बरामद किए। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि शंकर विहार कॉलोनी लाल कुआं निवासी प्रमोद ने अपने घर में हुई चोरी का मुकदमा थाना वेव सिटी पर लिखवाया था। चोरी का खुलासा करते हुए उसी के मकान की किराएदार हेमा सिंह को गिरफ्तार किया गया है। हेमा सिंह के पास से चोरी किए गए माल की 100% बरामदगी की गई है। पुलिस पूछताछ में हेमा सिंह ने बताया कि वह प्रमोद के घर में लगभग 10 सालों से किराए पर रह रही है। उसने प्रमोद की पत्नी को अलमारी में गहने और पैसे रखते हुए देख लिया था। मौका मिलते ही उसने फ्रिज पर से कमरे की चाबी उठा ली थी और उसके बाद चोरी की वारदात को अंजाम दिया था।

राष्ट्रीय शिखर
खबरों की स्वतंत्रता
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

आवश्यकता है

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र गाजियाबाद से प्रकाशित राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र को आवश्यकता है दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद व पश्चिमी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले और तहसीलों में संवाददाताओं और विज्ञापन प्रतिनिधियों की आकर्षक कमीशन, आवेदन पत्र के साथ मिले या संपर्क करें:-

राष्ट्रीय शिखर संपादकीय सिटी कार्यालय :-
64 नवयुग मार्केट,फर्स्ट फ्लोर, गाजियाबाद।
rashtriyashikhar@gmail.com

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के कार्यों की समीक्षा बैठक में मेरठ मंडलायुक्त के निर्देश

गाजियाबाद (शिखर समाचार) मेरठ मंडलायुक्त डॉ. हर्षिकेश भास्कर यशोद ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने प्राधिकरण की प्रमुख योजनाओं और परियोजनाओं की प्रगति पर गहन चर्चा की तथा संबंधित अधिकारियों को कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए।बैठक में हरनंदीपुरम योजना में किसानों से भूमि क्रय की धीमी गति पर नाराजगी जताते हुए मंडलायुक्त ने कहा कि योजना से जुड़े अधिकारी स्थल पर रहकर किसानों से निरंतर संपर्क बनाए रखें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि भूमि क्रय प्रक्रिया में किसी भी स्थिति में बिचौलियों को शामिल न होने दिया जाए। साथ ही, भूमि क्रय की एक तय टाइमलाइन बनाकर कार्यवाही को गति देने के

निर्देश दिए गए। तुलसी निकेतन रिडवलपमेंट योजना की समीक्षा के दौरान मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि एनबीसीसी के साथ शीघ्र एमओयू किया जाए और प्रोजेक्ट की निश्चित समय-सीमा तय की जाए, ताकि कार्य समय पर पूर्ण हो सके। एलीवेटेड रोड पर इंदिरापुरम और वसुंधरा के पास प्रस्तावित स्लिप रोड स्थल का निरीक्षण करते हुए उन्होंने कहा कि ट्रैफिक स्टडी कराकर कार्य को आगे बढ़ाया जाए, जिससे क्षेत्र की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाया जा सके। बैठक के दौरान मधुबन बापूधाम योजना के नए लेआउट पर चर्चा हुई। मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि जिन किसानों को भूखंड दिए जाने हैं, उन्हें तय समय-सीमा में आवंटन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही यह भी समीक्षा की गई कि भूखंड वितरण के बाद प्राधिकरण के पास कितनी भूमि शेष रहेगी। प्राधिकरण सचिव ने जानकारी दी कि लगभग 4 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति के विक्रय की योजना तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत चरणबद्ध तरीके से आवासीय और व्यावसायिक भूखंड विकसित कर आवंटित किए जाएंगे। बैठक में मधुबन बापूधाम में प्रस्तावित आरओबी निर्माण, राजनगर एक्सटेंशन में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, सैदपुर हुसैनपुर/डीलना में औद्योगिक टाउनशिप, बुनकर मार्ट, कन्वेंशन सेंटर, उत्सव भवन, पहल पोर्टल, और प्रधानमंत्री आवास योजना (PMAY) की भी समीक्षा की गई। मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि सभी अधूरे कार्यों को शीघ्र पूरा किया जाए तथा आवंटियों को कब्जा देने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि पीएमएवाई के भवनों के रखरखाव शुल्क (मेंटेनेंस चार्ज) तय किए जाएं ताकि भविष्य में किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न न हो। आवंटियों को चाबी दिए जाने के समय उन्हें भवनों की वस्तुस्थिति की पूरी जानकारी दी जाए। समीक्षा बैठक में कोयल एन्क्लेव में बन रहे रामायण थीम पार्क, इंदिरापुरम के वेस्ट टू वंडर पार्क, विजय नगर के संविधान वाटिका पार्क और मधुबन बापूधाम में विकसित किए जाने वाले विकसित भारत पार्क पर भी चर्चा की गई। इसके साथ ही टीओडी जोन और जोनिंग प्लान से संबंधित बिंदुओं पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की दीपावली नीलामी में रिकॉर्ड सफलता

गाजियाबाद (शिखर समाचार) दीपावली के शुभ अवसर पर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण द्वारा आयोजित संपत्ति नीलामी में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। प्राधिकरण ने कुल 129 संपत्तियों की नीलामी प्रक्रिया सम्पन्न कराई, जिसमें 15 प्रमुख संपत्तियों से लगभग ₹98.50 करोड़ की आय होने की संभावना जताई गई है। नीलामी का आयोजन हिन्दी भवन लोहिया नगर गाजियाबाद में किया गया, जहाँ बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने भाग लिया। पारदर्शी प्रक्रिया के तहत उच्चतम बोली लगाने वालों को संपत्तियाँ आवंटित की गईं। कोयल एन्क्लेव योजना के दो ग्रुप हाउसिंग भूखंडों की नीलामी से ₹44.02 करोड़ की आय हुई। वहीं, इन्द्रप्रस्थ योजना पॉकेट बी के एक औद्योगिक भूखंड से ₹1.71 करोड़ और पॉकेट एच के एक वाणिज्यिक भूखंड से ₹1.36 करोड़ की प्राप्ति हुई। इन्दिरापुरम योजना में भी नीलामी सफल रही शक्तिखंड-2 के दो आवासीय भूखंडों से ₹19.80 करोड़, शक्तिखंड-3 के तीन

आवासीय भूखंडों से ₹11.12 करोड़, इन्दिरापुरम विस्तार योजना ब्लॉक-ए के दो भूखंडों से ₹17.33 करोड़, ज्ञानखंड-3 के दो दुकान भूखंडों से ₹1.37 करोड़ तथा कौशांबी योजना ब्लॉक-ए के दो आवासीय भूखंडों से ₹1.76 करोड़ की आय हुई। वरिष्ठ अधिकारियों ने बताया कि नीलामी प्रक्रिया पूरी तरह निष्पक्ष, पारदर्शी और नियमों के अनुरूप सम्पन्न की गई। प्राप्त राशि का उपयोग आगामी विकास परियोजनाओं, आधारभूत संरचना निर्माण तथा नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण में किया जाएगा। कार्यक्रम के समापन पर प्राधिकरण ने सभी प्रतिभागियों और नागरिकों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

हिंडन छठ घाट पर चल रही तैयारियों का नगर आयुक्त ने अधिकारियों के साथ किया निरीक्षण

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने सिंचाई विभाग तथा नगर निगम अधिकारियों के साथ छठ घाटों का निरीक्षण किया, जिसमें मुख्य छठ घाट हिंडन पर चल रहे कार्यों का भी जायजा लिया गया। मौके पर जेसीबी से हिंडन छठ घाट की सफाई का कार्य जोरों से चल रहा था। नगर आयुक्त ने सिंचाई विभाग के अधिकारी चावल सिंह और अभियंता को छठ पर्व से 2 दिन पूर्व पानी की उचित व्यवस्था हिंडन घाट पर करने के निर्देश दिए।मौके पर उपस्थित प्रभारी प्रकाश आश कुमार को प्रकाश व्यवस्था के साथ-साथ आकर्षक लाइटों को लगाने के लिए भी निर्देश दिए गए। निर्माण विभाग नरेंद्र कुमार चौधरी को हिंडन छठ घाट पर रंगाई पुताई का कार्य कराने के साथ मरम्मत करने के लिए भी निर्देशित किया गया तथा घाटों पर बनने वाली छठ प्रतिमा के लिए अलग से स्थान निर्धारित करने के लिए आदेशित किया। नगर स्वास्थ्य अधिकारी को

अभियान के रूप में सफाई व्यवस्था सभी घाटों पर करने के निर्देश दिए गए। श्रद्धालुओं की आवश्यकता को देखते हुए बैठने की व्यवस्था, स्नान की व्यवस्था, चेंजिंग रूम की व्यवस्था, पेयजल की व्यवस्था समय रहते करने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने बताया कि दीपावली पर्व के साथ-साथ छठ पर्व की तैयारी भी निगम जोरों पर कर रहा है, जिसमें सभी विभागीय अधिकारियों के साथ हिंडन छठ घाट का स्थलीय निरीक्षण किया गया। सिंचाई विभाग की टीम को भी तेजी से कार्य करने के लिए निर्देश दिए गए है। श्रद्धालुओं की आवश्यकता को देखते हुए गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी समस्त सुविधाओ को ध्यान में रखते हुए कार्य करने के लिए कहा गया है। हिंडन छठ घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होते है तथा रात्रि में अधिकांश श्रद्धालु हिंडन छठ घाट पर रहते है। सभी के लिए लेजर लाइट शो का आयोजन इस बार भी किया जा रहा है तथा भक्ति भाव से पूर्ण संगीतमय रात्रि के लिए अलग से तैयारी निगम कर रहा है।

त्यौहारों पर लॉ एंड आर्डर मेंटेन करने के लिए पुलिस आयुक्त ने किया फ्लैग मार्च, आम जनता से लिया फीडबैक

> **पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने बताया कि आगामी त्यौहारों को लेकर गाजियाबाद में पुलिस अलर्ट मोड पर है। लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करने के लिए लगातार क्षेत्र में फ्लैग मार्च किया जा रहा है। फ्लैग मार्च के माध्यम से लोगों में सुरक्षा का भाव उत्पन्न किया जा रहा है। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में फ्लैग मार्च निकालने से आम जनता के साथ पुलिस कर्मियों का उत्साहवर्धन भी होता है।**

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी त्यौहारों पर गाजियाबाद में लॉ एंड आर्डर मेंटेन करने के लिए पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ ने पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च किया। पुलिस आयुक्त ने अंबेडकर रोड, थाना कोतवाली नगर और थाना सिहानी गेट क्षेत्र के संवेदनशील इलाकों में फ्लैग मार्च निकालते हुए लोगों से लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन रखने की अपील की। इस दौरान उन्होंने व्यापारियों और आम जनता से पुलिस के कार्यों का फीडबैक लेते हुए सतर्क रहने की अपील भी की। पुलिस आयुक्त ने बाजार व सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस टीम तैनात करते हुए महिला सुरक्षा के लिए एंटी रोमियो स्क्वायड की सक्रियता बढ़ाने के निर्देश दिए। इसके अलावा ट्रैफिक के सुचारू संचालन के लिए ट्रैफिक विभाग टीम को अलर्ट रहते हुए कार्य करने के आदेश दिए। इसके अतिरिक्त पुलिस विभाग को व्यापारियों व क्षेत्र के गणमान्य लोगों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के निर्देश दिए गए। पुलिस आयुक्त ने पुलिस अधिकारियों को डॉग स्क्वाड, ड्रोन कैमरा आदि का प्रयोग करते हुए निरंतर चेकिंग करने के आदेश भी दिए। वहीं सीसीटीवी कैमरा को चालू रखते हुए मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। इस दौरान उनके साथ डीसीपी सिटी धवल जायसवाल, डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन, एसीपी कोतवाली रितेश कुमार त्रिपाठी, एसीपी नंदग्राम उपासना पाण्डेय, एसीपी ट्रैफिक जियाउद्दीन अहमद, थाना अध्यक्ष कोतवाली मनोज कुमार, थाना अध्यक्ष सिहानी गेट सचिन कुमार शाहिद ट्रैफिक व पुलिस टीम मौजूद रही।

मोबाइल रिकवरी अभियान : गाजियाबाद सिटी जोन पुलिस ने 150 मोबाइल किए बरामद, स्वामियों को किए सपुर्द

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। लूट, चोरी व गुमशुदा मोबाइल को बरामद करने के लिए गाजियाबाद में पुलिस ने मोबाइल रिकवरी अभियान चलाया हुआ है। अभियान के तहत नगर जोन के सभी थानों व सर्विलांस टीम ने 150 मोबाइल बरामद किए। बरामद मोबाइलों की कीमत लगभग 35 लाख रुपए है। पुलिस ने मोबाइल रिकवर करने के बाद उनके स्वामियों को वापस लौटा दिए है। डीसीपी सिटी धवल जायसवाल ने बताया कि सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर्ड पोर्टल पर मोबाइल चोरी, स्नैचिंग व मोबाइल खोने की शिकायतें प्राप्त हुई थी। नगर जोन पुलिस ने सर्विलांस व मैन्युअल इनपुट के आधार पर बरामद किए, जिसके लिए तकनीकी एविडेंस का गहन विश्लेषण किया गया था। उन्होंने बताया कि पुलिस ने 150 मोबाइल फोन बरामद किए है, जिनकी अनुमानित लागत 35 लाख रुपए है। बरामद किए गए मोबाइल फोनों को उनके स्वामियों को सपुर्द कर दिए गए है। थाना कोतवाली नगर ने 40, थाना विजयनगर ने 40, थाना सिहानी गेट ने - 15, थाना नंदग्राम ने - 17, थाना कविनगर ने 14, थाना मधुबन बापूधाम ने 18 और थाना साइबर ने 6 मोबाइल बरामद किए।

गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा को लेकर आरपीएफ अलर्ट, हेल्प डेस्क की हुई शुरूआत

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। आगामी त्यौहारों के कारण गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर भीड़ बढ़नी शुरू हो गई है, जिसको लेकर आरपीएफ पुलिस अलर्ट मोड़ पर है और वहां पर कड़े इंतजाम कर दिए है। रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा के लिए पहली बार आरपीएफ ने हेल्प डेस्क की सुविधा शुरू की है, जिससे यात्रियों को ट्रेन व प्लेटफार्म से संबंधित पूर्ण जानकारी उपलब्ध कराई जा सके। रेलवे स्टेशन के चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे से निगरानी रखते हुए क्यूआरटी टीम भी तैनात की गई है। इतना ही नहीं रेलवे स्टेशन पर डॉग स्क्वॉड के माध्यम से चेकिंग अभियान चलाकर लगातार संदिग्ध लोगों की तलाशी ली जा रही है। एएससी आरपीएफ शंकर सिंह ने बताया कि गाजियाबाद रेलवे स्टेशन काफी बड़ा है और यहां पर लगभग सभी ट्रेन रूकती है। त्यौहारों को लेकर अलग से 16 ट्रेन चलाई गई है। ऐसे में रेलवे स्टेशन पर ज्यादा तादाद में लोगों के पहुंचने की संभावना है। लोगों की सुरक्षा को लेकर बाहर से लगभग 70 आरपीएफ के जवानों को बुलाया गया है। उन्होंने बताया कि गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुरक्षा को लेकर क्यूआरटी टीम बनाई गई है, जो ट्रेन के प्लेटफार्म पर पहुंचते ही ट्रेन के पास पहुंचकर यात्रियों को उतारने व चढ़ने में मदद करेंगे। यात्रियों की सुरक्षा के लिए सीसीटीवी कैमरे से चप्पे -चप्पे पर नजर रखते हुए डॉग स्क्वॉड के माध्यम से प्लेटफार्म और रेलवे स्टेशन के आसपास सख्त चेकिंग की जा रही है। इसके अलावा हेल्प डेस्क की शुरूआत पहली बार आरपीएफ ने गाजियाबाद रेलवे स्टेशन पर की है, जिसके माध्यम से यात्रियों को ट्रेन से संबंधित पूरी जानकारी दी जा सकेगी।

वायु प्रदूषण : एंटी स्मोक गन से गाजियाबाद नगर निगम कर रहा पानी का छिड़काव

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण के कारण ग्रेप को लागू कर दिया गया है। ग्रेप को लागू करने के बाद गाजियाबाद में वायु गुणवत्ता को सुधारने के लिए नगर निगम ने एंटी स्मोक गन से पानी का छिड़काव करना शुरू कर दिया है। इसके अलावा धुआं ना करने, खुले में कचरा ना जलाने, तंदूर का इस्तेमाल ना करने तथा वायु गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए अपील भी की जा रही है। नगर निगम के पांचो जोन में 45 वॉटर स्प्रिंकलर के माध्यम से पानी का छिड़काव कराया जा रहा है। 15 मल्टीफंक्शन एंटी स्मोक

गण है, जिसमें वॉटर स्प्रिंकलर, एंटी स्मोक गण तथा वाटर कैनन के फांगसन है। नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह ने बताया कि लगातार वायु गुणवत्ता सुधार के लिए गाजियाबाद नगर निगम स्वास्थ्य विभाग कार्य कर रहा है। रोस्टर के तहत उपकरणों के माध्यम से पानी का छिड़काव हो रहा है, वही स्वास्थ्य विभाग टीम प्लास्टिक मुक्त अभियान का कार्य भी कर रही है। शहर की हवा में सुधार लाने के लिए हर संभव प्रयास गाजियाबाद नगर निगम कर रहा है। शहर की सड़कों को धूल मुक्त बनाने के लिए रोड स्वीपिंग मशीन का इस्तेमाल किया जा रहा है। मुख्य मार्गों के साथ-साथ आंतरिक गलियों में भी खुले में धुआं व अनावश्यक आग लगने नहीं लगाने के लिए सफाई मित्र लोगों को जागरुक कर रहे है। कविनगर, मोहन नगर, वसुंधरा, विजयनगर तथा सिटी के साथ-साथ इंदिरापुरम क्षेत्र में वायु गुणवत्ता सुधार का लिए उपकरणों के माध्यम से पानी का छिड़काव किया गया।

पूर्व राष्ट्रपति से डॉ. आर पी चड्ढा एवं अर्पित चड्ढा की शिष्टाचार भेंट

मुरादनगर (शिखर समाचार)। आईटीएस के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चड्ढा ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर डॉ. चड्ढा एवं अर्पित चड्ढा ने पूर्व राष्ट्रपति को दीपावली के पावन पर्व की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अर्पित चड्ढा ने उन्हें संस्थान की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए चलाए जा रहे नवाचारों की जानकारी दी। राम नाथ कोविंद ने आईटीएस ग्रुप द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की और संस्थान को निरंतर प्रगति एवं उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। अर्पित चड्ढा ने बताया कि माननीय कोविंद जी अत्यंत सरल, विनम्र, दूरदर्शी एवं समानता में विश्वास रखने वाले व्यक्तित्व हैं। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति का आभार व्यक्त किया।

यमराज का टिकट चाहिए तो छेड़खानी करके देख लो: योगी

दंगाइयों के आगे झुकने वाले नहीं, रंग में भंग डाला तो जेल में ठूसेंगे

लखनऊ। 'अगर बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया तो तय मानिए यमराज अगले चौराहे पर खड़े मिलेंगे। अगर किसी को यमराज का टिकट कटवाना है तो बेटी के साथ खिलवाड़ करके देख ले। यह सिर्फ यूपी सरकार ही कर सकती है। अगर कोई भी त्योहार में रंग में भंग डालने का प्रयास करेगा तो जेल की सलाखें उसका इंतजार कर रही होंगी, चाहे वह कोई भी हो, उसे अंदर डालने में देर नहीं लगेगी। उसे जेल में ठूंसने में देरी नहीं की जाएगी। अब दंगाइयों के आगे झुकने वाली सरकार नहीं है।' ये बातें उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान कहीं। उन्होंने यह भी कहा- त्योहारों और उत्सवों को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाया जाना चाहिए। पिछले 8 साल में यूपी में किसी भी समुदाय के जितने भी त्योहार मनाए गए हैं, सभी शांतिपूर्ण रहे। उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि यह वह सरकार है, जो जिस भाषा में समझता है, उसे उस भाषा में समझाना जानती है। योगी ने कहा- पहले की सरकारें अपने परिवार के बारे में सोचती थीं। घूम फिर के चाचा-भतीजा और महाभारत के सभी रिश्ते आते थे। एक ही परिवार के लोग फायदा उठाते थे। डकैती डालते थे। उत्पात की उमंग को गुंडागर्दी की भेंट चढ़ाते थे। नौजवानों की नौकरी में डकैती पड़ती थी। विकास के पैसों में छीनाझपटी होती है। परिणाम होता था कि प्रदेश त्योहार नहीं मना पाता था। हर जिले में इनके द्वारा पाले गए गुंडे अराजकता फैलाते थे। माफियागिरी करते थे। इन दंगाइयों के सामने इनका मुख्यमंत्री

नाक रगड़ कर इन्हें दंगा करने की छूट देते थे। लेकिन, भाजपा सरकार पूरे प्रदेश को परिवार मानकर काम कर रही है। सीएम ने कहा कि पहले की सरकारों के समय महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं थीं। बेटियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है। 2014 से पहले गरीब महिलाओं को लकड़ी और कोयले में खाना पकाना पड़ता था, जिससे उनकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता था। उन्हें जिंदगी भर इलाज करवाना पड़ता था। महिलाएं खांसते-खांसते दम तोड़ देती थीं। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद गरीबों को मुफ्त गैस कनेक्शन दिए गए, जिससे महिलाओं का जीवन आसान हुआ। उत्तर प्रदेश की सरकार ने 2021 में तय किया कि साल भर में 2 सिलेंडर मुफ्त में देने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर नारी गरिमा की मुहिम बन गया है। योगी ने कहा- साल में दो बार फ्री गैस सिलेंडर मुहैया कराए जाएंगे। हम होली और दीपावली के उत्सव को और उत्साहपूर्ण बनाने के लिए निःशुल्क रसोई गैस के सिलेंडर देने का काम करेंगे। प्रदेश वासियों से एक अपील यह भी है कि दिवाली पर जो भी खरीदें, स्वदेशी खरीदें। घर पर जलाए जाने वाले दीपक भी वही होने चाहिए, जो हमारे यहां बनाए गए हो। सजावट का समान भी देश में ही तैयार किया गया हो। प्रदेशवासियों से एक अपील यह भी है कि पर्व और त्योहार के समय किसी एक गरीब की सहायता जरूर करें। इससे पहले, सीएम योगी ने बुधवार को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत 1,500 करोड़ रुपए की धनराशि से यूपी के 1.86 करोड़ पात्र परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी बांटी। योगी ने कहा- लोक-कल्याणकारी सरकार का दायित्व बनता है कि वह शासन की योजनाओं का फायदा ईमानदारी के साथ जरूरतमंदों, गरीबों और वंचितों तक पहुंचाए। जब अच्छी सरकार आती है तो लोकमंगल की कामना के साथ सबके हित के बारे में सोचती है। पिछले महीने बरेली में हुए बवाल के बाद से ही योगी ने उपद्रवियों पर काफी सख्त रुख अपना रखा है। 'आई लव मोहम्मद' को लेकर हुए बवाल पर योगी ने कहा था- अराजकता कतई स्वीकार नहीं है। बिना मांगे जहन्नुम का टिकट कटवा देंगे। लातों के भूत बातों से नहीं मानते। इनको लगता है कि सरकार अब भी झुककर काम करेगी। लेकिन, अब दुस्साहस करोगे तो वैसे ही पिटोगे, जैसे बरेली में पीटे गए थे। इन मूर्खों को पता नहीं कि आस्था को प्यार नहीं, सम्मान दिया जाता है। जिन बच्चों के हाथों में कलम होनी चाहिए, उनके हाथों में 'आई लव मोहम्मद' का पोस्टर देकर अराजकता फैला रहे हैं। उनकी जिंदगी तो बर्बाद है ही, उन बच्चों की भी बर्बाद कर रहे।

संक्षिप्त डायरी

कायस्थ महासभा के वीरेंद्र श्रीवास्तव बने जिलाध्यक्ष, ब्रजेश महामंत्री

संवाददाता

कुशीनगर। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की कुशीनगर जिला ईकाई का गठन में अधिवक्ता वीरेंद्र कुमार श्रीवास्तव को जिलाध्यक्ष व ब्रजेश श्रीवास्तव को महामंत्री बनाया गया है। प्रदेश महामंत्री ज्ञान प्रकाश अस्थाना की देख रेख में मंगलवार की रात सम्पन्न चुनाव में विनोद श्रीवास्तव वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष, श्रीप्रकाश श्रीवास्तव अमिताभ शंकर श्रीवास्तव, संजीव श्रीवास्तव, धीरेन्द्र मोहन सहाय, अष्टभुजा श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष, परमानन्द श्रीवास्तव कोषाध्यक्ष, रत्नेश श्रीवास्तव संगठन मंत्री, अभिषेक श्रीवास्तव, विकास श्रीवास्तव, नवनीत श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, अमन श्रीवास्तव जिलामंत्री, अतुल श्रीवास्तव वैवाहिक प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष बनाए गए हैं। संरक्षक मंडल के सदस्य ज्ञानेंद्र श्रीवास्तव, संतोष श्रीवास्तव, डॉ. नित्यानंद, डॉ. रामजीलाल, आलोक श्रीवास्तव, रविन्द्र श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, श्रीप्रकाश श्रीवास्तव ने नियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए निष्ठा व समर्पण भाव से समाज के विकास के लिए कार्य करने की अपेक्षा की है।

बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश प्रयागराज की प्रत्याशी एड ज्योति सिंह राणा का सोनभद्र में प्रचार प्रसार

संवाददाता

सोनभद्र। डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन सोनभद्र के डी बी ए सचिवालय में पूर्व अध्यक्षगण श्याम बिहारी यादव एडवोकेट एवं हीरालाल पटेल एडवोकेट के द्वारा बार काउंसिल आफ उत्तर प्रदेश प्रयागराज के प्रत्याशी ज्योति सिंह राणा कानपुर का स्वागत किया गया ! बार काउंसिल ऑफ उत्तर प्रदेश प्रयागराज की उम्मीदवार एडवोकेट ज्योति सिंह राणा कानपुर ने कहा कि आगामी होने वाले बार कौंसिल चुनाव को लेकर आज यहां सोनभद्र में आई हूं ! ज्योति सिंह राणा ने बताया की मैं एकीकृत बार एसोसिएशन कानपुर में पूर्व मंत्री रह चुकी हूं और अधिवक्ताओं की समस्याओं को पूर्ण रूप से वाकीब हूं मैं आप लोगों की बात बार काउंसिल में पूरी मजबूती के साथ उठाऊंगी और जनपद न्यायालय सोनभद्र कचहरी में डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अधिवक्ता पवन कुमार सिंह के साथ भ्रमण कर अधिवक्ताओं से अपने लिए प्रथम वरीयता का मत देने का अनुरोध किया। जिला न्यायालय में भ्रमण के दौरान दिन काफी संख्या में अधिवक्ताओं की मौजूदगी बनी रही। इस अवसर पर राजेश कुमार यादव, प्रदीप कुमार मौर्य, रियाज खान, बीपी सिंह, राजेश कुमार मौर्य, विनीत श्रीवास्तव, कामता प्रसाद यादव, टीटू गुप्ता,नवीन कुमार पांडेय, दशरथ यादव, शाहनवाज आलम खान आदि लोग साथ उपस्थित रहे !

पशु प्रदर्शनी में छाए जोरावर और बलवान, लाखों की कमाई करने वाले सांड-भैंसे को देखने उमड़ी भीड़

मेरठ। मोदीपुरम स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल कृषि विश्वविद्यालय में चल रहे तीन दिवसीय किसान मेले की पशु प्रदर्शनी में इस बार सांड जोरावर और भैंसा बलवान चर्चा में रहे। दोनों को देखने के लिए किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। इनकी कीमत और कमाई सुनकर लोग हैरान रह गए। जोरावर की उम्र चार साल है और वजन करीब 16 क्विंटल। उसके सीमन से हर महीने लगभग चार लाख रुपये की कमाई होती है। सालभर में यह आंकड़ा 55 से 60 लाख रुपये तक पहुंच जाता है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र जिले के सुनरिया गांव निवासी पशुपालक नसीब ने बताया कि जोरावर संकर नस्ल के सीमन से तैयार गाय का बछड़ा है। यह होल्स्टीन फ्रीजियन संकर नस्ल का सांड है। उन्होंने बताया कि जोरावर की मां भी रिकॉर्डधारी रही है और वह रोजाना 67 लीटर दूध देती है। इस प्रदर्शनी में हुई प्रतियोगिता में जोरावर को सांड श्रेणी में चैंपियन घोषित किया गया। वहीं, भैंसा बलवान की बात करें तो वह पूर्व चैंपियन युवराज का बेटा है। बीबीनगर निवासी बलवान की कीमत करीब साढ़े सात करोड़ रुपये बताई जा रही है। उसकी उम्र छह साल है और सीमन के जरिए वह भी अपने मालिक को लाखों की आय दिलाता है। मेले में हरियाणा, पंजाब, मुजफ्फरनगर, गुरुग्राम और अन्य जिलों से भी पशुपालक अपने पशु लेकर पहुंचे। किसान प्रदर्शनी में जोरावर और बलवान को देखने के लिए उत्साहित नजर आए।

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने छह आरोपियों को किया गिरफ्तार

बरेली। जिले में आंवला थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले छह शातिरों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि आरोपियों से चोरी की आठ बाइक बरामद हुई हैं। इसमें से एक बाइक अभी तीन दिन पहले आंवला के मोहल्ला गंज पुरैना ढाल से चोरी की गई थी। आरोपियों ने पुलिस की नजर से बचने के लिए बाइकों को मनौना गांव में बंद पड़े ईंट भट्ठे में छिपाया था। बुधवार दोपहर को थाना परिसर में क्षेत्राधिकारी नितिन कुमार ने बताया कि पुलिस को गश्त के दौरान मुखबिर से बाइक चोरों के गिरोह के मूवमेंट की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने आंवला-बिसौली रोड पर चेकिंग शुरू की। इसी दौरान आंवला की ओर से तीन बाइकों पर सवार छह लोग आते दिखाई दिए। तीनों बाइकों को रोककर पूछताछ के बाद ई-चालान ऐप पर जांच की गई तो बाइकें चोरी की निकली। सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों ने तीनों बाइकों को मुरादाबाद, बरेली व शाहजहांपुर से चोरी करने की बात स्वीकार की। इसके बाद आरोपियों की निशानदेही पर मनौना गांव के पास बंद पड़े ईंट भट्ठे से चोरी की पांच और बाइक भी बरामद हुईं। आरोपियों ने बताया कि इन बाइकों के बिक्री के बाद छिपाई गई बाइकों को भी ग्राहक खोजकर बेच देते। जो पैसा मिलता है। आपस में बांट लेते थे। पकड़े गए आरोपियों में आकाश, महेंद्र निवासी लक्ष्मणपुर, थाना आंवला, मुकेश व कमरूददीन हरदासपुर थाना सिरौली, असलम व सलमान निवासी गांव रूद्रपुर थाना खीरी शामिल हैं। आरोपियों पर पहले से कई मामले दर्ज हैं।

25 टीबी रोगियों को दिया पोषण पोटली

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। सीएमओ कुशीनगर डॉ चंद्रप्रकाश के निर्देश पर कसया सीएचसी पर आयोजित एकीकृत निक्षय दिवस पर 25 टीबी रोगियों को दिया पोषण पोटली दी गई। सीएचसी के अंर्तगत सभी आयुष्मान आरोग्य सेन्टरों पर लगभग 355 व्यक्तियों के टीबी की स्क्रीनिंग हुई। जिसमें 31सम्भावित व्यक्तियों के बलगम नमूने जाँच के लिये एकत्रित किये गये। चिन्हित 5 नये टीबी रोगियों की दवा शुरू की गयी। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी एवं जिला क्षयरोग अधिकारी डॉ एसएन त्रिपाठी ने कहा कि जनपद में क्षयरोगियो को निक्षय मित्रों के सहयोग से लगातार प्रोटीनयुक्त आहार उपलब्ध कराया जा रहा है। डॉ त्रिपाठी ने गोद लेने वाले जनपद के प्राइवेट अल्ट्रासाउंड संचालको के प्रति धन्यबाद भी ज्ञापित किया। गोद लेने में सीएमओ डॉ चंद्रप्रकाश, डीटीओ डॉ एसएन त्रिपाठी, अधीक्षक डॉ मार्कण्डेय चतुर्वेदी, एसटीएस शाहिद अंसारी, एसटीएलएस आशुतोष कुमार मिश्र द्वारा एक-एक मरीज तथा प्राइवेट अल्ट्रासाउंड के संचालको द्वारा 20 टीबी रोगियों को गोद लिया गया। संचालन निक्षय मित्र नोडल आशुतोष मिश्र, अतिथियों का स्वागत डॉ गौतम जी गौरव एवं आभार ज्ञापन एसटीएस शाहिद अंसारी ने किया। इस दौरान फार्मासिस्ट अभिषेक पाण्डेय, लेखाकार राकेश कुमार पांडेय, डीईओ सौरव श्रीवास्तव, ट्रीटमेंट सपोर्टर अशोक गुप्ता, सैम्पल ट्रांसपोर्टर धनश्याम प्रसाद, सन्तोष कुमार उपस्थित रहे।

राहत : एडवोकेट अपूर्व हजेला की दलीलों पर हाईकोर्ट ने आगरा में दर्ज एफआईआर पर कहा, विवाद असल में सिविल प्रकृति का, गिरफ्तारी पर रोक

इलाहाबाद (शिखर समाचार) हाई कोर्ट ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए रूपम कांतिलाल संघवी और मितुल नवनीत मेहता को बड़ी राहत दी है। एडवोकेट अपूर्व हजेला की पैरवी में दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति जे.जे. मुनीर और न्यायमूर्ति संजीव कुमार की खंडपीठ ने कहा कि याचीगण के खिलाफ दर्ज एफआईआर का विवाद मूलतः सिविल प्रकृति का है, जिसमें आपराधिक मामला बनता नहीं दिखता।

अपूर्व हजेला ने अदालत के समक्ष दलील दी कि आगरा के सदर बाजार थाना क्षेत्र में दर्ज केस क्राइम नंबर 516/2025 की एफआईआर दरअसल व्यापारिक लेनदेन से जुड़ा एक भुगतान विवाद है, न कि कोई आपराधिक कृत्य। उन्होंने बताया कि माल की आपूर्ति के बाद भुगतान को लेकर मतभेद हुआ, जिसका उपाय

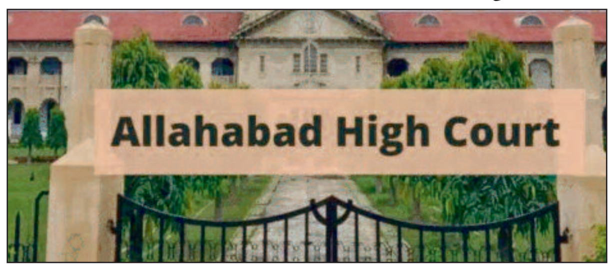

सिविल कोर्ट में वसूली के मुकदमे के रूप में किया जा सकता है। अदालत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए माना कि एफआईआर की सामग्री से प्रथम दृष्टया यह स्पष्ट होता है कि विवाद वस्तुओं के मूल्य भुगतान को लेकर है और यह एक सिविल प्रकृति का मामला है। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि ऐसे मामलों को आपराधिक रंग देकर दर्ज करना कानून की भावना के विपरीत है। खंडपीठ ने पुलिस कमिश्नर आगरा और सदर बाजार थाना प्रभारी को नोटिस जारी करते हुए व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करने का आदेश करते हुए यह बताने को कहा कि आखिरकार इस तरह के सिविल विवाद को आपराधिक प्रकरण के रूप में दर्ज करने की क्या आवश्यकता पड़ी। अदालत ने दोनों से दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है और अगली सुनवाई 4 नवम्बर 2025 को तय की है।

सुनवाई के दौरान अदालत ने याचीगण के पक्ष में अंतरिम राहत देते हुए आदेश दिया कि रूपम कांतिलाल संघवी और मितुल नवनीत मेहता की गिरफ्तारी आगामी आदेशों तक नहीं की जाएगी। यह आदेश अदालत ने क्रिमिनल मिस. रिट पिटीशन नंबर 22554/2025 में पारित किया है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि यह निर्देश 48 घंटे के भीतर पुलिस कमिश्नर आगरा, सहायक पुलिस आयुक्त सदर, आगरा कमिश्नरेट तथा सदर बाजार थाना प्रभारी को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट के माध्यम से भेजा जाए ताकि आदेश का अनुपालन समय पर सुनिश्चित हो सके। अपूर्व हजेला ने सुनवाई के बाद कहा कि यह आदेश न्याय व्यवस्था में विश्वास को मजबूत करने वाला है और यह स्पष्ट संदेश देता है कि व्यापारिक लेनदेन को जबरन आपराधिक मामले का रूप नहीं दिया जा सकता। अदालत ने मामले की गंभीरता को समझते हुए उचित दिशा में न्यायिक दखल दिया है। हाई कोर्ट का यह आदेश उन व्यापारिक विवादों के लिए भी मिसाल बन सकता है, जिनमें सिविल प्रकृति के मामलों को अनावश्यक रूप से आपराधिक धाराओं में परिवर्तित किया जाता है।

हर महीने दो लाख हिंदुओं का धर्मांतरण: गोपाल राय का दावा, उठे गंभीर सवाल

चेन्नई (शिखर समाचार) विश्व हिंदू रक्षा परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल राय ने एम आर पैलेस माधावराम में आयोजित एक बैठक में दावा किया कि देश में हर माह करीब दो लाख हिंदुओं को धर्म परिवर्तन के तहत ईसाई या मुस्लिम बनाया जा रहा है। राय ने इसे एक संगठित साजिश करार देते हुए लव जिहाद, लैंड जिहाद और शिक्षा जिहाद जैसे तरीकों का हवाला दिया। गोपाल राय ने बताया कि हाल ही में छांगुर बाबा प्रकरण के बाद पांच राज्यों कर्नाटक, मध्यप्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश से धर्मांतरण के पीड़ित उनसे संपर्क कर चुके हैं। उनका कहना है कि इन लोगों को धोखे, लालच, प्यार में फंसाकर और कई बार डराकर धर्म बदलने के लिए मजबूर किया गया।

विशेष रूप से तमिलनाडु में ईसाई मिशनरियों पर निशाना साधते हुए राय ने कहा कि हिंदू बहुल क्षेत्रों में ये मिशनरी प्रार्थना सभाओं के माध्यम से लोगों को आकर्षित कर उन्हें शिक्षा, नौकरी और चिकित्सा जैसी सुविधाओं का लालच देते हैं और धर्मांतरण करवाते हैं। गोपाल राय ने यह भी दावा किया कि मुस्लिम धार्मिक ग्रंथों में लिखा है कि ईसा मसीह मुसलमानों के साथ मिलकर काफिरों के खिलाफ जिहाद करेंगे और वर्तमान परिस्थितियों में यह लग रहा है कि दोनों समुदाय अलग-अलग तरीकों से हिंदुओं के खिलाफ जिहाद कर रहे हैं। उन्होंने इसे न केवल धार्मिक असंतुलन की साजिश बताया बल्कि भारत की सांस्कृतिक जड़ों को खोखला करने का प्रयास भी करार दिया। राय ने केंद्र और राज्य सरकारों से तुरंत कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि यदि यह रोक नहीं गया तो भारत की पहचान खतरे में पड़ सकती है। उन्होंने हिंदू समाज से अपील की कि वे संगठित हों और इस सुनियोजित साजिश का मुकाबला करें। उनका कहना है कि धर्मांतरण रोकना अब केवल कानून का मुद्दा नहीं, बल्कि राष्ट्र रक्षा का विषय बन गया है।

श्रीकृष्ण-सुदामा की मित्रता का भावपूर्ण वर्णन सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

संवाददाता

कुशीनगर। फाजिलनगर क्षेत्र के दुबे पट्टी में आयोजित श्रीकृष्ण भागवत कथा में वृंदावन से पधारे प्रसिद्ध कथा वाचक अजय कृष्ण शास्त्री जी ने सुदामा-कृष्ण प्रसंग का अत्यंत भावुकता से वर्णन किया। बताया कि कैसे भगवान ने नंगे पैर दौड़कर सुदामा का स्वागत किया, उनके चरणों को अपने आँसुओं से धोया और उन्हें गले लगाया। कथा वाचक ने कहा कि यह प्रसंग हमें यह सिखाता है कि सच्ची मित्रता किसी भी भौतिक वैभव से कहीं अधिक मूल्यवान होती है। भगवान अपने भक्तों की सच्ची भावना को समझते हैं और सदा उनका कल्याण करते हैं।।अजय कृष्ण शास्त्री जी ने आगे सत्संग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि सत्संग मानव जीवन को दिशा देने वाला एक दिव्य साधन है। इसके माध्यम से न केवल पापों का नाश होता है, बल्कि सत्कर्मों की प्रेरणा भी मिलती है। सत्संग से जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और मनुष्य मोक्ष की ओर अग्रसर होता है। कथा आयोजन में महंत पुजारी गोस्वामी जी, युगल किशोर गुप्ता, श्रीनिवास यादव, शंभू गुप्ता, किशोर गुप्ता, शिव गुप्ता, वीरेंद्र गुप्ता, केशवर यादव, संजय यादव, लाल बहादुर यादव, नीरज गुप्ता, रामप्रीत खरवार, बिगु, राकेश यादव, मुन्ना गुप्ता मौजूद रहे।

मेरठ रेंज में पटाखा माफिया पर पुलिस की कार्रवाई, करोड़ों का अवैध सामान बरामद

मेरठ (शिखर समाचार) त्योहारी सीजन के मद्देनजर मेरठ पुलिस परिक्षेत्र ने अवैध पटाखों के भंडारण और कारोबार के खिलाफ बड़ा ऑपरेशन चलाया है। इस कार्रवाई में रेंज की विभिन्न पुलिस टीमों ने अब तक 37 मुकदमे दर्ज कर 53 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। करोड़ों रुपये की अवैध विस्फोटक सामग्री भी जब्त की गई है।

पुलिस उपमहानिरीक्षक कलानिधि नैथानी ने बताया कि पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर यह अभियान चलाया गया। उन्होंने जनता से अपील की कि अग्नि सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए केवल अधिकृत और आबादी से दूर स्थित दुकानों से ही पटाखे खरीदें। किसी भी आपात स्थिति में तुरंत 112 या 101 हेल्पलाइन पर संपर्क करें।

सख्त निगरानी और तैयारियाँ

इस अभियान के तहत पुलिस प्रशासन ने कई अहम दिशा-निर्देश जारी किए हैं जिसमें विस्फोटक नियमावली-2008 के प्रावधानों का सख्ती से पालन सुनिश्चित किया जा रहा है। आबादी वाले इलाकों में किसी भी तरह के विस्फोटकों के भंडारण पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा।

पटाखा दुकानों के लिए जिला प्रशासन द्वारा चिन्हित सुरक्षित स्थानों का ही उपयोग किया जाएगा। अवैध भंडारण की जानकारी मिलने पर डॉग स्क्वाड और बम निरोधक दस्ते की मदद ली जाएगी साथ ही रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड जैसे स्थानों पर विशेष चौकसी अभियान चलाया जाएगा।

अग्नि सुरक्षा की तैयारियाँ

अग्नि दुर्घटनाओं से निपटने के लिए भी पूरी तैयारी की गई है। अग्निशमन विभाग की गाड़ियाँ हर समय तैयार रहेंगी। त्योहारों के दौरान शहर के महत्वपूर्ण जगहों पर अग्निशमन वाहन तैनात रहेंगे। स्थानीय अस्पतालों के बर्न वार्ड में भी जरूरी इंतजाम सुनिश्चित किए गए हैं। पुलिस प्रमुख नैथानी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि किसी थाना क्षेत्र में आबादी वाले इलाके में अवैध विस्फोटक पाए गए या कोई गंभीर घटना घटी, तो संबंधित थाना प्रभारी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिंभावली शुगर मिल के कर्मचारियों का धरना प्रर्दशन छठे दिन भी जारी

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) सिंभावली शुगर मिल के कर्मचारियों का बकाया भुगतान को लेकर चल रहा अनिश्चितकालीन धरना प्रर्दशन छठे दिन भी जारी रहा। कर्मचारियों के बीच विधायक हरेन्द्र सिंह तेवतिया पहुंचे ओर कर्मचारीयो की मांगो को जायज बताते हुए मिल प्रबंधन के सीजीएम आदि से वार्ता की। जिसके बाद बृहस्पतिवार की सांय तक समस्या के हल करने का आश्वासन मिला। लेकिन कर्मचारियों ने मांग पुरी होने तक धरना जारी रखने का निर्णय लिया है।

सिंभावली शुगर मिल के कर्मचारियों ने मिल प्रबंधन पर कर्मचारियों के ओवर टाईम आदि का बकाया भुगतान नही करने का आरोप लगाते हुऐ छः दिन पूर्व मिल परिसर में अनिश्चितकालीन धरना प्रर्दशन शुरू किया था जो बुद्धवार को छठे दिन भी जारी रहा। मिलप्रबंधन की मनमर्जी की नीतियों के कारण इस वर्ष अप्रैल व मई माह में भी मिल कर्मचारी अपनी मांगो को लेकर धरना प्रर्दशन कर चुके हैं लेकिन उस समय कर्मचारियों की

हडताल को विधायक हरेन्द्र सिंह तेवतिया ने मिल प्रबंधको सीजीएम करन सिंह, केपी राणा, दिनेश शर्मा आदि एवं आईआरपी के बैंक रिसीवर से वार्ता करके मांगो के शीघ्र पुरा करने के आश्वासन पर समाप्त करा दिया था। कर्मचारी नेताओ ने बताया कि दो सप्ताह से उनकी बकाया भुगतान की मांग को लेकर प्रबंधको से बात चल रही थी लेकिन जब उन्हें कोरे आश्वासन के अलावा कुछ नही मिला तो कर्मचारियों ने हडताल का निर्णय लिया है। मंगलवार को कर्मचारियों के बीच वार्ता करने मिल के सीजीएम करन सिंह पहुंचे थे ओर वार्ता भी की लेकिन कर्मचारियों की मांगों को हल करने का कोई ठोस आश्वासन नही दे पाये। बुद्धवार को विधायक हरेन्द्र तेवतिया अपने समर्थको अनिल गोयल, देवेन्द्र प्रधान आदि को साथ लेकर धरना स्थल पर पहुंचे ओर कर्मचारियो की मांगो को सही बताते हुऐ इनका साथ देने का वायदा किया। जिसके बाद मिल प्रबंधन से वार्ता की गई जिसमें बृहस्पतिवार की सायं तक समस्या के हल करने का आश्वासन मिला। लेकिन कर्मचारियों ने बृहस्पतिवार की सांय तक मांग पुरी होने तक धरना जारी रखने का निर्णय लिया। धरने प्रर्दशन में परविंदर चौधरी, सुनील चौधरी, इंद्रपाल सिंह, बलदेव, कृष्णपाल पवन कुमार, टेकचंद, मांगेराम, नीरजपाल, पवन त्यागी, राजू सिंह मंजीत, सतवीर सिंह आदि शामिल रहे।

दीपावली पर उज्ज्वला लाभार्थियों को मिली बड़ी सौगात, 1500 करोड़ की सब्सिडी से 1.86 करोड़ परिवारों को मिला लाभ

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) दीपावली के पर्व के अवसर पर प्रदेश के उज्ज्वला योजना के पात्र परिवारों को विशेष राहत दी गई। इस अवसर पर लखनऊ के लोक भवन में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में आयोजित राज्यस्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 1500 करोड़ की राशि के माध्यम से 1.86 करोड़ लाभार्थियों को गैस सिलेंडर रिफिल सब्सिडी का लाभ प्रदान किया गया। इसी क्रम में गौतमबुद्ध नगर कलेक्ट्रेट के एनआईसी सभागार में जिलाधिकारी मेधा रूपम की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान लखनऊ में संपन्न राज्यस्तरीय

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण एलईडी स्क्रीन पर किया गया, जिसे लाभार्थियों और अधिकारियों ने बड़े ध्यान से देखा।

कार्यक्रम में जिलाधिकारी ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक वितरित कर योजना का लाभ सीधे पहुँचाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना ने माताओं और बहनों के जीवन में सुविधा, सम्मान और सुरक्षा की भावना को मजबूती दी है। दीपावली के शुभ अवसर पर यह सब्सिडी उनके जीवन में खुशियों और राहत का संदेश लेकर आई है। प्रभारी जिला पूर्ति

अधिकारी स्मृति गौतम ने जानकारी दी कि योजना के तहत प्रथम चरण में अक्टूबर से दिसंबर 2025 तक और द्वितीय चरण में जनवरी से मार्च 2026 तक निशुल्क सिलेंडर रिफिल प्रदान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज 25 लाभार्थियों को ₹550.5 की प्रतीकात्मक चेक राशि वितरित की गई। 14.2 किलो वाले सिलेंडर की वास्तविक कीमत 850.5 है, जिसमें 550.5 राज्य सरकार और 300 केंद्र सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में दी जाती है। कार्यक्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, प्रभारी जिला पूर्ति अधिकारी स्मृति गौतम, आपूर्ति विभाग के निरीक्षक और अनेक लाभार्थी महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान लाभार्थियों ने सब्सिडी प्राप्ति को बड़े उत्साह और हर्ष के साथ स्वीकार किया। इस पहल से जनपद के उज्ज्वला लाभार्थियों को दीपावली के पर्व पर जीवन और खर्चों में सीधी राहत मिली है। योजना ने न केवल घरों में ऊर्जा की सुविधा सुनिश्चित की है, बल्कि गरीब परिवारों को वित्तीय सहारा भी दिया है। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने लाभार्थियों को योजना की सभी सुविधाओं और रिफिल प्रक्रिया की जानकारी भी दी, जिससे भविष्य में किसी भी दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े।

शारदा विश्वविद्यालय में बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र का शुभारंभ, एमएसएमई के नवाचार को मिलेगा नया आयाम

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। शारदा विश्वविद्यालय ने एमएसएमई मंत्रालय की ह्यनवीन बौद्धिक संपदा (आईपीआर) योजना के तहत शारदा-आईपीएफसी (Intellectual Property Facilitation Centre) की स्थापना कर बौद्धिक संपदा संरक्षण के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। यह सुविधा केंद्र एमएसएमई सेक्टर से जुड़े उद्यमों, शोधकताओं और नवप्रवर्तकों को पेटेंट, कॉपीराइट, ट्रेडमार्क, डिजाइन और भौगोलिक संकेतों जैसी बौद्धिक संपदाओं के पंजीकरण, संरक्षण और व्यावसायिक उपयोग में समग्र सहायता प्रदान करेगा। कार्यक्रम के दौरान कुलपति प्रो. सिबाराम खारा ने शारदा-आईपीएफसी की आधिकारिक वेबसाइट का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि यह पहल विश्वविद्यालय की नवाचार और अनुसंधान संस्कृति को नई दिशा देगी। उनके अनुसार, यह केंद्र न केवल छात्रों और शिक्षकों को बौद्धिक संपदा की गहराई समझने का अवसर देगा बल्कि उद्यमशीलता की

भावना को भी प्रोत्साहित करेगा।

डीन रिसर्च डॉ. भुवनेश कुमार ने बताया कि शारदा-आईपीएफसी स्थानीय और क्षेत्रीय एमएसएमई इकाइयों के लिए एक सेतु की तरह कार्य करेगा। यह उन्हें उनके नवाचारों की सुरक्षा के साथ-साथ उद्योग जगत में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त दिलाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि यह केंद्र विश्वविद्यालय में इनोवेशन इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। भारत सरकार के राष्ट्रीय अनुसंधान विकास निगम (एनआरडीसी) के वरिष्ठ प्रबंधक डॉ. संजीव कुमार मजूमदार ने कहा कि बौद्धिक संपदा सुविधा केंद्र उद्यमियों के लिए एक उपयोगी मंच बनेगा, जहां उन्हें अपने आविष्कारों और तकनीकी विचारों को सुरक्षित रखने से लेकर उनके व्यावहारिक उपयोग तक की संपूर्ण मार्गदर्शन सेवा मिलेगी। उन्होंने आईपीएफसी की अवधारणा को उद्योग, शिक्षा और अनुसंधान के समन्वय का उत्कृष्ट उदाहरण बताया। कार्यक्रम में प्रो वाइस चांसलर डॉ. परमानंद, डॉ. अमित सहगल, डॉ. मोहित साहनी, प्रो. अविनाश कुमार, डॉ. मधुकर देशमुख सहित विश्वविद्यालय के कई फैकल्टी सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर सभी ने सामूहिक रूप से यह विश्वास व्यक्त किया कि शारदा-आईपीएफसी आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय स्तर पर बौद्धिक संपदा और नवाचार को नई पहचान देगा।

लॉयड इंस्टीट्यूट में गूंजी लोकतंत्र की आवाज, युवा संसद में छात्रों ने रखे तीखे और सार्थक विचार

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नॉलेज पार्क स्थित लॉयड इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के सभागार में उस वक्त माहौल जोश और तर्कों से भर उठा, जब मंच पर छात्रों ने देश के ताजा मुद्दों पर खुलकर अपनी राय रखी। युवा संसद प्रतियोगिता के इस आयोजन ने संस्थान में लोकतंत्र की असली भावना को सजीव कर दिया।

कार्यक्रम में तीन अहम विषयों पर चर्चा हुई सुप्रीम कोर्ट का आवारा कुत्तों पर हालिया फैसला, जीएसटी सुधारों की दिशा और देश में आईआईटी-आईआईएम जैसे संस्थानों की संख्या बढ़ाने की जरूरत। प्रतिभागियों ने इन विषयों पर गंभीरता के साथ अपनी बात रखी और विरोधी पक्ष की दलीलों का तर्कों से जवाब दिया। पूरे आयोजन के दौरान सभागार कई बार तालियों से गूंज उठा।

कार्यक्रम की संयोजक प्रोफेसर काकोली राव ने बताया कि युवा संसद का उद्देश्य छात्रों में वैचारिक जागरूकता बढ़ाना और उन्हें राष्ट्रीय विमर्श से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि आज का युवा सिर्फ भविष्य का नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान का सजग प्रतिनिधि है। उसकी सोच और सक्रियता ही आने वाले भारत की दिशा तय करेगी। मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे वरिष्ठ पत्रकार और वार्ड पार्षद संजय सिंह ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की नींव आज के युवाओं के कंधों पर है। उन्होंने कहा कि जब छात्र देश की नीतियों, कानूनों और सामाजिक चुनौतियों को समझेंगे, तभी भारत

आत्मनिर्भर और सशक्त राष्ट्र के रूप में खड़ा होगा। युवा संसद में अभिषेक विजेता और स्नेहा उपविजेता घोषित हुए। निर्णायक मंडल ने दोनों के वक्तृत्व कौशल और विषय पर पकड़ की सराहना की। संस्थान के निदेशक प्रोफेसर राजीव अग्रवाल ने कहा कि कंप्यूटर साइंस विभाग द्वारा आयोजित यह पहल विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सोच से जोड़ने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व क्षमता और संवाद कौशल विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर प्रोफेसर पियूष गर्ग, प्रोफेसर ए.एल.एन. राव, प्रोफेसर दीपिका और डॉ. हर्षिता सहित बड़ी संख्या में शिक्षक व छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम ने जहां युवाओं के भीतर आत्मविश्वास जगाया, वहीं उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में सोचने की दिशा भी दी। चर्चा, तर्क और जोश से सजे इस आयोजन ने साबित कर दिया कि जब अवसर और मंच सही हो, तो देश का युवा अपनी आवाज से लोकतंत्र को और सशक्त बना सकता है।

अवैध कूड़ा निस्तारण पर ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की कड़ी कार्रवाई, चार ट्रैक्टर ट्रालियों पर दो लाख का जुमार्ना

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार) शहर में स्वच्छता व्यवस्था को मजबूत बनाने के प्रयासों के तहत अधिकारियों ने अवैध कूड़ा फेंकने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। कल यानी 14 अक्टूबर को म्यू इलाके में अवैध कचरा फेंकते हुए तीन ट्रैक्टर ट्रालियों को कड़ी कार्रवाई के तहत रोक लिया गया। इसके अगले दिन 15 अक्टूबर को सेल्टर 12 के पास एक और ट्रैक्टर ट्राली को इसी तरह अवैध कूड़ा फेंकते हुए पकड़ लिया गया। महाप्रबंधक स्वास्थ्य आर भारती ने बताया कि चारों ट्रैक्टर ट्रालियों को जब्त किया गया है। चारों पर पचास-पचास हजार रुपये का जुमार्ना लगाया गया, जिससे कुल जुमार्ना राशि दो लाख रुपये बनी। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई लोगों को स्वच्छता के प्रति जिम्मेदार बनाने और अवैध कूड़ा निस्तारण रोकने के उद्देश्य से की गई है।

इस कार्रवाई के बाद प्रशासन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी किसी को अवैध कूड़ा फेंकने की छूट नहीं दी जाएगी और जो भी नियमों का उल्लंघन करेगा, उसके खिलाफ तुरंत कठोर कदम उठाए जाएंगे। इससे नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने और शहर में साफ-सफाई बनाए रखने की उम्मीद जताई जा रही है।

मिशन शक्ति 5.0 के तहत ग्रेटर नोएडा में महिला जनसुनवाई और पोषण पंचायत का सफल आयोजन

ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत आज गौतम बुद्ध नगर के ब्लॉक बिसरख में महिला जनसुनवाई एवं पोषण पंचायत का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला कार्यक्रम अधिकारी तरुण कुमार ने संभाला। इस आयोजन में उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला ने अध्यक्षता करते हुए महिलाओं की समस्याओं को सीधे सुना और उनका समाधान सुनिश्चित करने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

इस अवसर पर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाली नौ महिलाओं ने घरेलू हिंसा, भरण-पोषण, स्वास्थ्य, रोजगार, पोषण और पारिवारिक विवाद जैसी समस्याएं साझा कीं। डॉ. मीनाक्षी भराला ने इन शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों से त्वरित कार्रवाई करने को कहा। उन्होंने महिलाओं को भरोसा दिलाया कि उनकी समस्याओं को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और हर स्तर पर उनका समाधान किया जाएगा।

सिर्फ. जनसुनवाई ही नहीं, बल्कि

पोषण पंचायत का भी आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय पोषण माह के अंतर्गत स्वस्थ नारी सशक्त परिवार, विकसित भारत का आधार विषय पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान महिलाओं को संतुलित आहार, कुपोषण की रोकथाम, गर्भवती महिलाओं और बच्चों की देखभाल, एवं स्वास्थ्य संबंधी अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां दी गई। कार्यक्रम में जिला प्रोबेशन अधिकारी मनोज पुष्कर, बाल विकास परियोजना अधिकारी इफ्तिखार अहमद, संरक्षण अधिकारी विभा त्रिपाठी, वन स्टॉप सेंटर प्रबंधक रिंकी रानी, समस्त मुख्य सेविकाएं पूनम, विनोद, प्रीति, अनीता, ऋतु, वंदना, अर्चना तथा पुलिस विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मंच पर उपस्थित अधिकारियों ने महिलाओं को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं और सुरक्षा सेवाओं की जानकारी दी। इसमें 112 पुलिस हेल्पलाइन, 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन, 181 महिला हेल्पलाइन और अन्य महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबर शामिल थे।

डॉ. मीनाक्षी भराला ने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने सभी महिलाओं से अपील की कि वे किसी भी प्रकार की समस्या होने पर न डरें और सीधे प्रशासन से संपर्क करें। साथ ही उन्होंने महिलाओं से कहा कि राज्य और केंद्र द्वारा संचालित योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाकर अपने जीवन और परिवार को सशक्त बनाएं। कार्यक्रम का आयोजन इस दृष्टि से महत्वपूर्ण रहा कि इससे महिलाओं को न सिर्फ अपनी समस्याओं को साझा करने का मंच मिला, बल्कि पोषण और स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रदान की गईं। इससे स्थानीय महिलाओं में जागरूकता बढ़ी और उनकी भागीदारी सुनिश्चित हुई।

उज्ज्वला योजना : लाभार्थियों को किया गया चेक वितरित

गाजियाबाद (शिखर समाचार)। दिवाली के अवसर पर उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क गैस सिलेंडर वितरण करने का आदेश उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिया था। गाजियाबाद में उज्ज्वला गैस के लाभार्थियों को विधायक संजीव शर्मा और सीडीओ अभिनव गोपाल ने चेक वितरित किया। इतना ही नहीं मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का लाइव प्रसारण भी दुर्गावती देवी सभागार विकास भवन में किया गया। विधायक संजीव शर्मा ने अपने सम्बोधन में सभी जनपदवासियों को दीपावली सहित सभी त्यौहारों की शुभकामना देते हुए कहा कि हमारी सरकारी कहने में नहीं करने में विश्वास रखती है। मोदी-योगी जो कहते है, वह करके दिखाते है। सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं को धरातल पर शतप्रतिशत उतारने हेतु समय-समय पर विभिन्न कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। पात्र लोगों को

जागरूकता करते हुए योजना का लाभ दिया जा रहा है। वहीं आवेदन करवा कर नये लाभार्थियों को भी योजनाओं से जोड़ा जा रहा है। लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस योजना के माध्यम से उन्हें रसोई गैस की सुविधा निःशुल्क प्राप्त हो रही है, जिससे उनके जीवन में सुविधा एवं खुशहाली आई है। कार्यक्रम में उपस्थित 150 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक का वितरण किया गया, जिसमें से 10 लाभार्थियों अफसाना, प्रीति सागर, रानी ठाकुर, गीता देवी, मधु, राधा, विपन्न देवी, प्रीति सिंह, गायत्री व दीपा सैनी को शहर विधायक ने प्रतीकात्मक चैक वितरित किये गये। इस अवसर पर एडीएम एल/ए विवेक मिश्र, जिला पूर्ति अधिकारी अमित तिवारी, विभाग के अन्य अधिकारी/कर्मचारी, गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में लाभार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल आयोजन अधिकारियों के सहयोग एवं जनसहभागिता से संपन्न हुआ। मंच संचालन डॉ.पूनम शर्मा ने किया।

कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध मे आंतरिक समिति की बैठक वेयर वेल इंडिया कंपनी में हुई सम्पन

नोएडा (शिखर समाचार)। कार्यस्थल पर महिला कर्मचारियो के यौन उत्पीड़न कानून 2013 के सम्बन्ध में आंतरिक समिति की बैठक वेयर वेल इंडिया नोएडा की कंपनी में सम्पन हुई, जिसमे एसएमई गुरुकुल फाउंडेशन एनजीओ की तरफ से रीचा कंचन ने कंपनी की सभी महिला और पुरुषो को कानून के बारे जानकारी दी। कार्यस्थल पर आंतरिक शिकायत समीती के सदस्यों को समझाया की यदि किसी महिला कर्मचारी को इस प्रकार की कोई शिकायत है तो वह घटना घटित होने के तीन माह के अंदर अपनी लिखित शिकायत समिति के समक्ष प्रस्तुत करेगी। समिति का दायित्व होगा की वह तत्काल इस सम्बन्ध मे आवश्यक बैठक बुलाकर प्राप्त शिकायत पत्र में उल्लिखित बिन्दुओ पर छानबीन करके, उसका समाधान करने का प्रयास करेगी और यदि समिति का

प्रयास विफल हो जाता हो तो तत्काल इस शिकायत के सम्बन्ध मे प्रबंधक / प्रबंधन के उच्चाधिकारी को संपर्क करके उसका समाधान का प्रयास कराया जायेगा और यदि समस्या का समाधान नहीं हो तो प्रबंधक / प्रतिष्ठान के उच्चाधिकारी इस सम्बन्ध मे आवश्यक कार्यवाही लागू सेवा शर्तो / स्थायी आदेश के प्राविधानों के अनुसार समुचित कार्यवाही करेगा। यह भी आवश्यक होगा की इस प्रकार की शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण क्षेत्र के जिला अधिकारी के कार्यालय में प्रत्येक वर्ष की 15 जनवरी तक जमा करना अनिवार्य है अन्यथा कंपनी के ऊपर दंड के भी प्रावधान है और मिनिस्ट्री ऑफ महिला एव बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार की (SHE BOX PORTAL) पर रजिस्ट्रेशन करवाना और शिकायतों के निस्तारण तथा बैठकों की वार्षिक विवरण अपलोड करना अनिवार्य है।

सिंभावली पुलिस ने मिशन शक्ति 5 .0 के अंर्तगत गांव हिम्मतपुर के जूनियर विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम चलाया

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) सिंभावली पुलिस ने मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत महिलाओ एवं बालिकाओ के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही महत्वपूर्ण योजनाओ के विषय गांव हिम्मतपुर के जूनियर विद्यालय में जानकारीयां दी। पुलिस टीम ने क्षेत्र के अन्य स्थानों पर भी मिशन शक्ति 5.0 अंतर्गत कार्यक्रमो को आयोजन किया। थाना सिंभावली क्षेत्र में पुलिस ने मिशन शक्ति 5.0के अंतर्गत महिलाओ / बालिकाओ के लिए सरकार द्वारा चलायी जा रही महत्वपूर्ण योजनाओ के विषय में गांव हिम्मतपुर के जूनियर विद्यालय आयोजित कार्यशाला में विभिन्न जानकारीयां दी। कार्यक्रम में एसएसआई वासुदेव सिंह, महिला उपनिरीक्षक मोहिनी, रीना चाहर एवं कांस्टेबिल आकाशदीप ने महिलाओ एवं किशोरीयों को सरकार की विभिन्न हेल्पलाईनों जैसे 1090, 1098, 112, 108, 181, 102 एवं साईबर क्राइम हेल्पलाईन 1930 आदि की जानकारी दी।

मेरठ के मुण्डाली निवासी हिस्ट्रीशीटर सरताज का शव सिंभावली क्षेत्र में मिला

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) सिंभावली क्षेत्र में अज्ञात व्यक्ति का शव पडा मिला। जिसको पुलिस ने कब्जे में लेकर शिनाख्त का प्रयास किया तो मृतक की पहचान जनपद मेरठ के मुण्डाली थाना अंर्तगत गांव जिसौरा निवासी हिस्ट्रीशीटर सरताज के रूप में हुई है। थाना सिंभावली अंतर्गत हाईवे के पास सुनसान स्थान पर एक अज्ञात व्यक्ति के शव पडे होने की सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर कई दिन पुराने शव को कब्जे में लेते हुऐ शव की शिनाख्त का प्रयास किया तो शव की पहचान जनपद मेरठ के थाना मुण्डाली अंर्तगत गांव जिसौरा निवासी हिस्ट्रीशीटर सरताज 46 वर्ष पुत्र शौकिन के रूप में हुई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ ही मामले की जांच शुरू कर दी है। सिंभावली थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक सरताज पर 50 से अधिक मुकदमें विभिन्न धाराओ में दर्ज हैं।

भाकियू टिकैत की युवा विंग का किसानो की विभिन्न समस्याओं को लेकर गढ तहसील परिसर में धरना प्रर्दशन

गढ़मुक्तेश्वर (शिखर समाचार) भाकियू टिकैत की युवा विंग का किसानो की विभिन्न समस्याओं को लेकर गढ तहसील परिसर में धरना प्रर्दशन हुआ। जिसमें पहुंचे एसडीएम से वार्ता करके किसानो की समस्याओं एवं मांगो के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा गया। भाकियू टिकैत की युवा विंग के जिलाध्यक्ष ज्ञानेश्वर त्यागी व जिला महासचिव कुलदीप राठी के नेतृत्व में विभिन्न समस्याओ जैसे बकाया गन्ना भुगतान, आवारा पशु, बिजली विभाग का उत्पीडन, तहसील संबंधी समस्याएँ आदि को लेकर गढ तहसील परिसर में दो दिन चले धरने प्रर्दशन में क्षेत्र के सैकडो किसानो पहुंचे। बुद्धवार को गढ एसडीएम श्रीराम यादव धरना प्रर्दशन कर रहे किसानो से वार्ता करने पहुंचे ओर उन्हें समस्याओं के हल कराने का आश्वासन दिया। जिसके बाद किसानो नेताओ ने अपनी मांगो के संबंध में एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। इस दौरान एक राजस्व कर्मचारी के तहसील संबंधी कार्य को करने के लिए लिये गए अवैध धन लेने की शिकायत की जांच तहसीदार को सौंपी गई। किसानो के धरने प्रर्दशन में हरीश त्यागी, मोनू गुर्जर, अय्यूब प्रधान, इमरान त्यागी, गुलाब, अमित चौधरी, निशांत त्यागी, कलुआ, शकील, नितिन, गजेन्द्र त्यागी, बॉबी, राशीद आदि सहित सैकडो किसान शामिल रहे।

प्रतिबंधित पटाखों की तस्करी में दुकानदार गिरफ्तार, लाखों के पटाखे बरामद

दादरी/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नगर के जारचा रोड स्थित एक दुकान से प्रतिबंधित और अवैध पटाखे बेचते हुए दुकानदार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। मौके से पुलिस ने करीब एक लाख रुपए मूल्य के भारी मात्रा में पटाखे बरामद किए। पुलिस के प्रभारी निदेशक अरविंद कुमार ने बताया कि आरोपी नदीम परिवार के सदस्य हैं और गौतमपुरी मोहल्ले में अंबेडकर भवन के पास निवास करते हैं। वह नगर के जारचा रोड पर दुकान संचालित कर रहे थे। 15 अक्टूबर को सुबह सूचना मिलने पर पुलिस ने अचानक दुकान पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान पुलिस ने 75 पैकेट अनार बम, 32 पैकेट 25 शॉट इकाई शॉट, 400 पैकेट कलर कलर्स, 15 पैकेट रॉकेट बम, मशरूम बम, 290 पैकेट सर पेंटिस और 240 पैकेट टॉय गन सहित अन्य कई प्रकार के पटाखे बरामद किए। गिरफ्तार किए गए दुकानदार के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। इस घटना के बाद शहर में अन्य दुकानदारों में भी पुलिस की सतर्कता को लेकर खलबली मची हुई है।

नगला श्रीगोपाल में दो हमलावरों ने घर में घुसकर किया बर्बर हमला, घायल व्यक्ति अस्पताल में भर्ती

रबूपुरा/ग्रेटर नोएडा (शिखर समाचार)। नगला श्रीगोपाल गांव में शुक्रवार को एक चौंकाने वाली घटना हुई, जिसने पूरे मोहल्ले को हिला कर रख दिया। स्थानीय निवासी सुरेंद्र के घर में दो सगे भाई अचानक घुस आए और न सिर्फ गाली-गलौच शुरू कर दी बल्कि विरोध करने पर उन पर लात-घूंसों और डंडों से हमला कर दिया। मौके पर शोर-शराबा सुनकर कुछ लोग जमा हुए, तब हमलावरों ने जान से मारने की धमकी दी और घटनास्थल से फरार हो गए। इस हमले में गंभीर रूप से घायल सुरेंद्र को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर के आधार पर आरोपियों गोलू और भूरा के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि इलाके में सुरक्षा बढ़ाने और आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

बीजेपी कार्यालय में युवा शक्ति के युवाओं को सम्मानित किया

नोएडा (शिखर समाचार)। डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जी की जयंती के अवसर पर ग्रेटर नोएडा स्थित भारतीय जनता पार्टी कार्यालय में युवा शक्ति के युवाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वाईएसएस फाउंडेशन को समाज और राष्ट्र निर्माण में उनके उत्कृष्ट सामाजिक कल्याण कार्यों एवं युवाओं के प्रति समर्पण के लिए विशेष सम्मान प्रदान किया गया। वाईएसएस फाउंडेशन एक गैर-लाभकारी संस्था है जो शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी के क्षेत्र में निरंतर कार्यरत है। संस्था का उद्देश्य युवाओं, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के जीवन स्तर को सशक्त बनाना है।कार्यक्रम में दुर्गा प्रसाद दूबे, कुशाग्र, उदय, तुषार और विवेक अखिलेश जैसे युवा स्वयंसेवक उपस्थित रहे, जिन्होंने शिक्षा, अनुशासन और सेवा के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संदेश दिया।कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने डॉ. कलाम जी के सपनों को याद करते हुए कहा कि वे चाहते थे हर बच्चा शिक्षित, आत्मनिर्भर और राष्ट्र निर्माण में सक्रिय हो।

संपादकीय

जाति पूर्वाग्रह की दीवार तोड़ना ही सच्चे भारत की पहचान

भारत एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है जहाँ सामाजिक समानता के आदर्श और जाति आधारित भेदभाव की हकीकत आमने-सामने खड़ी दिखाई दे रही है। संविधान ने हमें समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का वचन दिया था, लेकिन समाज के अनेक हिस्सों में आज भी जातिगत पूर्वाग्रह की जड़ें इतनी गहरी हैं कि वे हमारे लोकतंत्र की आत्मा को चोट पहुँचा रही हैं। यह विषय कोई बीता हुआ इतिहास नहीं, बल्कि जीवित और ताजा सच्चाई है जो हर गाँव, हर कस्बे, हर दफ्तर और हर विश्वविद्यालय में सांस ले रही है। जाति आधारित भेदभाव अब केवल ग्रामीण भारत की समस्या नहीं रह गया, बल्कि यह आधुनिक शहरी समाज में भी धीरे-धीरे नए रूपों में पनप रहा है।

पिछले कुछ समय में देश के विभिन्न हिस्सों से ऐसी घटनाएँ सामने आई हैं जो हमारे सामाजिक विवेक को झकझोरती हैं। कहीं किसी छात्र को उसकी जाति के कारण प्रताड़ित कर आत्महत्या के लिए विवश होना पड़ा, तो कहीं किसी अधिकारी को अपमानित किया गया क्योंकि वह निचली जाति से था। इन घटनाओं का मतलब सिर्फ व्यक्तिगत अपमान नहीं है, बल्कि यह हमारे सामाजिक ढांचे की नैतिक पराजय है। एक ओर भारत तकनीकी और आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में अग्रसर है, वहीं दूसरी ओर समाज के भीतर जाति की दीवारें हमारी प्रगति के रास्ते में कांटे की तरह चुभ रही हैं। जाति पूर्वाग्रह का सबसे घातक प्रभाव यह है कि यह व्यक्ति की योग्यता को कम कर देता है। जब किसी छात्र या कर्मचारी को उसके परिश्रम के बजाय उसकी जाति के आधार पर आँका जाता है, तो समाज की मूल प्रतिस्पर्धा की भावना खत्म हो जाती है। ऐसे में प्रतिभा और परिश्रम की बजाय पहचान और वंश प्रमुख हो जाते हैं। यह न केवल अन्याय है, बल्कि राष्ट्रीय क्षमता का भी ह्रास है। एक राष्ट्र तभी प्रगति कर सकता है जब हर नागरिक को समान अवसर मिले, चाहे उसका जन्म किसी भी समुदाय में हुआ हो।

आज की पीढ़ी को यह समझना होगा कि जाति का यह रोग केवल कानूनी उपायों से खत्म नहीं होगा। संविधान ने तो समानता की गारंटी दी है, लेकिन समाज का मनोविज्ञान अभी भी पिछली सदियों की जकड़ में है। बच्चों के दिमाग में यह पूर्वाग्रह बहुत कम उम्र में ही भर दिया जाता है। यही कारण है कि शिक्षा प्रणाली को अब सामाजिक चेतना का वाहक बनना होगा। स्कूल और कॉलेजों में केवल किताबें नहीं, बल्कि समानता और मानवीय गरिमा के संस्कार भी सिखाए जाने चाहिए। शिक्षकों को यह जिम्मेदारी उठानी होगी कि वे अपने कक्षा-कक्ष में किसी भी प्रकार के भेदभाव को जगह न दें, चाहे वह मजाक में ही क्यों न हो। मीडिया को भी अपनी भूमिका ईमानदारी से निभानी होगी। आज के समय में सोशल मीडिया के माध्यम से नफरत और भेदभाव के संदेश तेजी से फैलते हैं। ऐसे में पत्रकारिता को समाज में संवाद और संवेदना का माध्यम बनना चाहिए, न कि विभाजन का। हर समाचार संस्था की यह नैतिक जिम्मेदारी है कि वह जाति से जुड़ी घटनाओं को केवल सनसनीखेज बनाकर न दिखाए, बल्कि उन्हें सामाजिक सुधार के दृष्टिकोण से प्रस्तुत करे। साहित्यकारों, कलाकारों और लेखकों को भी इस विषय पर बेबाकी से बोलना होगा, क्योंकि सामाजिक सोच को सबसे गहराई से कला ही प्रभावित करती है। राजनीतिक दलों की भूमिका भी कम अहम नहीं है। अक्सर चुनावों में जातिगत समीकरणों को भुनाने के लिए राजनीतिक दल इन विभाजनों को और गहरा कर देते हैं। यह प्रवृत्ति लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी विडंबना है। सत्ता प्राप्ति के लिए जाति को हथियार बनाना समाज के भविष्य से खिलवाड़ है। राजनीति का उद्देश्य समाज को जोड़ना होना चाहिए, न कि तोड़ना। राजनीतिक दलों को अब समय की पुकार सुननी चाहिए और ऐसे उम्मीदवारों को आगे लाना चाहिए जो जाति नहीं, नीति के आधार पर राजनीति करें।

~ मौलिक चिंतन ~

केवल भावनाओं से काम लेंगे, तो ठोकर खा सकते हैं, और केवल तर्क पर अड़े रहे, तो संबंध टूट सकते हैं।

~~~~~~~~

©
विनय संकोची

देशद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट सख्त: लोकतंत्र की जड़ों की रक्षा की दिशा में बड़ा कदम

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने देशद्रोह कानून पर जो सख्त रुख अपनाया है, वह भारतीय लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 124ए यानी राजद्रोह कानून से संबंधित याचिकाओं को पाँच जजों की संविधान पीठ को भेजने का जो निर्णय लिया है, वह केवल एक कानूनी औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी की सबसे महत्वपूर्ण परीक्षा है। राजद्रोह कानून की उत्पत्ति औपनिवेशिक शासन में हुई थी। अंग्रेजों ने 1870 में इसे इसलिए बनाया था ताकि भारत में स्वतंत्रता की आवाज उठाने वाले क्रांतिकारियों, पत्रकारों और बुद्धिजीवियों को कुचल सके। इस कानून के तहत राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और बाल गंगाधर तिलक जैसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी अभियुक्त बनाए गए थे। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में उम्मीद जागी थी कि इस काले कानून को समाप्त कर दिया जाएगा, लेकिन अफसोस कि यह आज तक जीवित है, और कई बार तो यह उस रूप में भी नजर आया, जो लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है। आजादी के बाद से ही यह कानून सरकारों के हाथों में एक ऐसा औजार बन गया, जिसका इस्तेमाल विरोधी विचारों को कुचलने में हुआ। चाहे पत्रकार हों, मानवाधिकार कार्यकर्ता या आम नागरिक हों, किसी भी असहमतिपूर्ण आवाज को 'राष्ट्रविरोधी' कहकर निशाना बनाया जा सकता था। इसी मनमाने इस्तेमाल पर 2022 में सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगाई थी। अदालत ने केंद्र सरकार से पूछा था कि जब यह कानून औपनिवेशिक मानसिकता का प्रतीक है, तो इसे क्यों बनाए रखा जाए। लेकिन सरकार ने अब 'भारतीय न्याय संहिता' (बीएनएस) के जरिए उसी कानून को नए नाम और थोड़े बदले हुए शब्दों में फिर से पेश कर दिया। अब इसे भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाला अपराध कहा गया है। हालांकि 'राजद्रोह' शब्द हटा दिया गया, लेकिन इसकी भावना लगभग वैसी ही बनी हुई है। यानी जो व्यक्ति सत्ता की आलोचना करे या सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए, उसे अब भी आसानी से देशविरोधी करार दिया जा सकता है।

मुख्य न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ ने अदालत में कहा, कि कानून का दुरुपयोग ऐसा है जैसे किसी को एक लकड़ी काटने की अनुमति देना, और वह धीरे-धीरे पूरा जंगल काट दे। यह टिप्पणी बेहद प्रतीकात्मक है, यह दिखाती है कि यदि नागरिकों की आवाज पर नियंत्रण रखने की कानूनी छूट दी जाए, तो धीरे-धीरे लोकतंत्र का पूरा ढांचा खोखला हो जाता है। अदालत ने यह भी साफ किया कि नए कानून आने से पुराने मामलों पर कोई असर नहीं पड़ेगा; यानी उन मामलों में न्यायिक जांच जारी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट की यह सख्ती न केवल संविधान के अनुच्छेद 19 (अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता) की रक्षा के लिए आवश्यक है, बल्कि यह एक चेतावनी भी है कि लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं, बल्कि असहमति को सम्मान देने से जीवित रहता है। लोकतांत्रिक समाज में असहमति को अपराध नहीं, बल्कि सुधार की प्रक्रिया का हिस्सा माना जाना चाहिए। यह फैसला मोदी सरकार ही नहीं, बल्कि आने वाली सभी सरकारों के लिए भी एक संदेश है, कि नागरिकों की आवाज को कुचलने वाले औपनिवेशिक कानूनों की समीक्षा अब टाली नहीं जा सकती। संसद को चाहिए कि वह इस दिशा में गंभीरता से विचार करे और ऐसा ढांचा बनाए जिसमें देश की अखंडता की रक्षा हो, लेकिन नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कोई खतरा न आए। राजद्रोह कानून पर सुप्रीम कोर्ट का यह रुख लोकतंत्र की आत्मा को बचाने की दिशा में एक निर्णायक कदम है। यह केवल एक कानूनी बहस नहीं, बल्कि उस संघर्ष का हिस्सा है जिसमें नागरिक अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए खड़े हैं। आज आवश्यकता इस बात की है कि सत्ता, कानून और न्यायपालिका, तीनों यह समझें कि असहमति को दबाने से राष्ट्र मजबूत नहीं होता, बल्कि कमजोर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने यह दिखा दिया है कि संविधान की मूल भावना 'हम भारत के लोग' आज भी सर्वोपरि है। देशद्रोह कानून पर पुनर्विचार केवल एक कानूनी सुधार नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र के भविष्य को सुरक्षित करने की ऐतिहासिक पहल है। यही वह क्षण है जब न्यायपालिका ने साबित किया है कि वह न केवल कानून की व्याख्या करती है, बल्कि स्वतंत्रता और न्याय की मशाल भी जलाए रखती है।

जब अनाज के ढेर में छुप जाए इंसान की भूख

दिलीप कुमार पाठक

विश्व खाद्य दिवस प्रत्येक वर्ष 16 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाते दशकों हो चुके हैं, परंतु दुनिया भर में भूखे पेट सोने वालों की संख्या में कमी नहीं आई है। यह संख्या आज भी तेजी से बढती जा रही है। विश्व में आज भी कई लोग ऐसे हैं, जो भूखमरी से जूझ रहे हैं। इस मामले में विकासशील या विकसित देशों में किसी तरह का कोई फर्क. नहीं है। विश्व की आबादी वर्ष 2050 तक नौ अरब होने का अनुमान लगाया जा रहा है और इसमें करीब 80 फीसदी लोग विकासशील देशों में रहेंगे। ऐसे में किस तरह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी, यह एक बड़ा प्रश्न है। दुनिया में एक तरफ तो ऐसे लोग हैं, जिनके घर में खाना खूब बर्बाद होता है और फेंक दिया जाता है। वहीं दूसरी ओर ऐसे लोगों की भी कमी नहीं है, जिन्हें एक समय का भोजन भी नहीं मिल पाता। खाद्यान्न की इसी समस्या को देखते हुए 16 अक्टूबर को हर साल विश्व खाद्य दिवस मनाने की घोषणा की गई थी। विश्व खाद्य दिवस का मकसद दुनिया से भूखमरी खत्म करना है। आज भी करोड़ों लोग भूखे पेट सोने को मजबूर हैं ' हमें आधुनिक तरीके से खेती करनी होगी ताकि ज्यादा अनाज पैदा हो। इस दिन का उद्देश्य विकासशील देशों में तकनीकी और वित्तीय मदद बढ़ाना है ताकि वे ज्यादा अनाज उगा सकें।अफ्रीका के कई देशों में यह समस्या बहुत गंभीर है, जैसे रवांडा, बुरुंडी, नाइजीरिया और सोमालिया। हमें इन देशों की मदद करनी होगी ताकि वे अपने लोगों को खाना दे सकें। भूख और कुपोषण मुक्त दुनिया के सपने को साकार करने में हम सभी की भूमिका है। हमें संकट के समय में स्थायी आदतों को दरकिनार नहीं करना चाहिए। हम स्वस्थ भोजन के विकल्प चुन सकते हैं और भोजन की बबार्दी को कम करने में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा, सरकारें, उद्यम और संगठन एवं अपनी समझ को साझा कर सकते हैं और स्थायी, लचीली खाद्य प्रणालियों और आजीविकाओं का समर्थन कर सकते हैं। हम सब मिलकर अपने विश्व का विकास, पोषण और स्थायित्व कर सकते हैं। कुछ जगहों पर, खाद्य असुरक्षा की गंभीरता बहुत ज्यादा है। अनुमान है कि 67.3 करोड़ लोग भूख से जूझ रहे हैं। दूसरी तरफ, मोटापे का बढ़ता स्तर और व्यापक खाद्य अपव्यय एक असंतुलित व्यवस्था की ओर इशारा करते हैं ' बढ़ती वैश्विक जनसंख्या की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सीमाओं, क्षेत्रों और पीढ़ियों के पार टीमवर्क की आवश्यकता है। भारत में भी खाद्यान्न की कमी नहीं है, लेकिन फिर भी लोगों को खाने के लिए पर्याप्त अनाज नहीं मिलता। इसकी वजह है खराब सार्वजनिक वितरण प्रणाली और भंडारण की समस्या। लाखों टन अनाज खुले में सड़ जाता है, जबकि करोड़ों लोग भूखे पेट सोते हैं। बच्चों में कुपोषण की समस्या भी गंभीर है। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है ताकि अनाज की बबार्दी रोकी जा सके और लोगों को उचित मात्रा में भोजन मिल सके।

भारत में शादी-विवाह जैसे समारोहों में बहुत सारा खाना बर्बाद होता है। एक शोध के अनुसार बेंगलुरु में शादियों में लगभग 950 टन खाना फेंका गया। समस्या सिर्फ खाने की बबार्दी नहीं है, बल्कि जरूरत से ज्यादा कैलोरी वाला खाना भी एक समस्या है। भारत में कुपोषण की समस्या गंभीर है, जबकि अनाज की बबार्दी हो रही है। विश्व खाद्य उत्पादन रिपोर्ट के अनुसार भारत में भुखमरी की समस्या से निपटने की गति धीमी है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया में सभी लोगों के लिए पर्याप्त अनाज है, लेकिन फिर भी कई लोग भूखे हैं और कुपोषण से जूझ रहे हैं। हमें इस समस्या का समाधान निकालने की जरूरत है। क्या सिर्फ कृषि उत्पाद बढ़ा कर और खाद्यान्न को बढ़ा कर हम भूख से अपनी लड़ाई को सही दिशा दे सकते हैं। चाहे विश्व के किसी कोने में इस सवाल का जवाब हाँ हो, लेकिन भारत में इस सवाल का जवाब ना है और इस ना की वजह है, खाद्यान्नों को रखने के लिए जगह की कमी। यूँ तो भारत विश्व में खाद्यान्न उत्पादन में चीन के बाद दूसरे स्थान पर पिछले दशकों से बना हुआ है, लेकिन यह भी सच है कि यहाँ प्रतिवर्ष करोड़ों टन अनाज बर्बाद होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार लगभग 58,000 करोड़ रुपये का खाद्यान्न भंडारण आदि तकनीकी के अभाव में नष्ट हो जाता है। कुल उत्पादित खाद्य पदार्थों में केवल दो प्रतिशत ही संसाधित किया जा रहा है। भारत में लाखों टन अनाज खुले में सड़ रहा है। यह सब ऐसे समय हो रहा है, जब करोड़ों लोग भूखे पेट सो रहे हैं और छह साल से छोटे बच्चों में से 47 फीसदी कुपोषण के शिकार हैं। भूख की वैश्विक समस्या को तभी हल किया जा सकता है, जब उत्पादन बढ़ाया जाए। साथ ही उससे जुड़े अन्य पहलुओं पर भी समान रूप से नजर रखी जाए। खाद्यान्न सुरक्षा तभी संभव है, जब सभी लोगों को हर समय, पर्याप्त, सुरक्षित और पोषक तत्वों से युक्त खाद्यान्न मिले, जो उनकी आहार संबंधी आवश्यकताओं को पूरा कर सके। साथ ही कुपोषण का रिश्ता गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, आदि से भी है। इसलिए कई मोर्चों पर एक साथ मजबूत इच्छाशक्ति का प्रदर्शन करना होगा।

(लेखक पत्रकार हैं)

इस्त्राइल-हमास युद्धविराम: आशा की किरण या अस्थायी विराम?

ललित गर्ग

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे।

गाजा की धरती लम्बे दौर से संघर्ष, हिंसा, विनाश और तबाही की त्रासदी की गवाह रही है, आज फिर एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है जहाँ शांति की एक हल्की किरण दिखाई तो देती है, परंतु उसके चारों ओर धुएँ और राख का अंधकार अब भी विद्यमान है। हाल ही में हुए युद्ध-विराम ने न केवल मध्यपूर्व बल्कि समूचे विश्व को राहत की एक साँस दी है। गाजा में अमन-चैन की ओर जो सुखद कदम बढ़े हैं, उनका स्वागत होना चाहिए। परंतु यह सवाल भी उतना ही प्रासंगिक है कि क्या यह शांति स्थायी होगी, या यह केवल अगली लड़ाई से पहले का ठहराव भर है? समूची दुनिया चाहती है कि यह युद्ध विराम स्थायी हो क्योंकि इस्त्राइल और हमास के संघर्ष ने करीब बाइस लाख से अधिक लोगों को बेघर करके भुखमरी के कगार पर पहुंचा दिया है। ऐसे में दोनों पक्षों के लिये समझौते के पहले चरण को पूरी तरह से लागू करना बेहद जरूरी होगा। जिसमें बंधकों व कैदियों की रिहाई, गाजा में मानवीय सहायता को अनवरत जारी रखना और इस्त्राइली सेनाओं की गाजा के मुख्य शहरों से आंशिक वापसी सुनिश्चित करना भी शामिल है। यह सब दूसरे चरण की बातचीत पर निर्भर हैं। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो इसके बाद ही दूसरे चरण की बातचीत की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। यह बेहद मुश्किल चुनौतियों वाला चरण होगा। इस दौरान कई संवेदनशील मुद्दे सामने होंगे। सबकी निगाह इस पर होगी कि शांति समझौते के अगले चरण कब पूरे होते हैं और वे सही तरह पूरे होते भी हैं या नहीं? इस पर संशय इसलिए है, क्योंकि यह स्पष्ट नहीं कि इजरायली सेना गाजा में कितना पीछे हटेगी और वहां के प्रशासन को संचालित करने का कैसा तंत्र तैयार होगा और क्या उस पर हमास सहमत होगा? इसके अतिरिक्त जहां हमास को हथियार छोड़ने हैं, वहीं इजरायल को स्वतंत्र फिलस्तीन देश की राह आसान करनी है। हमास का कहना है कि हथियार तब छोड़े जाएंगे, जब स्वतंत्र फिलस्तीन का रास्ता साफ होगा। इस पर इजरायल तैयार नहीं दिख रहा है। यह ठीक है कि स्वयं की ओर से प्रस्तावित गाजा शांति समझौते पर अमल शुरू होने के अवसर पर मिस्त्र जाने के पहले इजरायल पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति ने अपनी पहल को पश्चिम एशिया में शांति की स्थापना का पथ करार दिया और इजरायली प्रधानमंत्री से ईरान से समझौता करने को कहा। ऐसे किसी समझौते की सूरत तब बनेगी, जब ईरान इजरायल को मिटाने की अपनी जिद छोड़ेगा।

गाजा की वर्तमान स्थिति किसी एक राष्ट्र या एक नीति की देन नहीं है; यह दशकों से चली आ रही अविश्वास, असमानता और राजनीतिक स्वार्थों की परिणति है। इस बार के संघर्ष ने जिस तरह से निर्दोष नागरिकों, बच्चों और महिलाओं को अपना शिकार बनाया, उसने यह स्पष्ट कर दिया कि युद्ध चाहे किसी भी नाम पर लड़ा जाए, उसका परिणाम हमेशा मानवीय त्रासदी ही होता है। अस्पताल, विद्यालय, धार्मिक स्थल-कोई भी स्थान सुरक्षित नहीं रहा। अमेरिकी मध्यस्थता वाले युद्धविराम समझौते के बाद हमास ने आखिरकार शेष जीवित बचे बीस इस्त्राइली बंधकों को रिहा कर दिया। जिसके बाद इस्त्राइल में किसी बड़े उत्सव जैसा जश्न दिखा। बहरहाल, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि अभी भी इस्त्राइल-हमास जोखिमभरा युद्धविराम समझौता नाजुक बना हुआ है। इसकी वास्तविक परीक्षा आने वाले दिनों में होगी। इस संघर्षरत क्षेत्र में स्थायी शांति सुनिश्चित करने के लिये जरूरी है कि प्रमुख हितधारकों की ओर से गंभीर एवं ईमानदार प्रयास लगातार होते रहें। वर्तमान समय में सबसे बड़ी चुनौती भूतहा खण्डहर एवं तबाही में तब्दील हो चुके गाजा के पुनर्निर्माण की होगी। दो साल से लगातार जारी युद्ध के चलते यह इलाका मलबे के ढेर में तब्दील हो चुका है।

एक नाजुक समय में जब युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं है, बल्कि मानवीय विवेक का पुनर्जागरण भी है। यह समझना आवश्यक है कि शांति कोई समझौता नहीं, बल्कि एक अनिवार्य आवश्यकता है। यही कारण है कि यह युद्धविराम पूरी मानवता के लिए एक 'आशा की किरण' बनकर उभरा है। यह उस संभावना का प्रतीक है कि जब दुनिया के शक्तिशाली देश, विशेषकर अमेरिका, यूरोप, और अरब राष्ट्र अपनी राजनीतिक प्राथमिकताओं से ऊपर उठकर मानवीय सरोकारों को महत्व देते हैं, तो समाधान की दिशा में रास्ता बनता है। फिर भी इस शांति की वास्तविकता पर प्रश्नचिह्न बने हुए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भले ही इस युद्धविराम को अपने कूटनीतिक प्रयासों की उपलब्धि के रूप में प्रस्तुत किया हो, पर सच यह है कि युद्ध तब रुका जब उसकी भयावहता अपनी चरम सीमा पर पहुँच चुकी थी। यह विराम किसी की 'कूटनीति की जीत' से अधिक, मानवीय विवशता की उपज है। अंतरराष्ट्रीय दबाव, मानवीय संगठनों की सक्रियता और आम नागरिकों की पुकार ने मिलकर इस विराम को संभव बनाया। अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यह शांति टिके, युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला फैले। क्योंकि जब तक गाजा के लोगों को जीवन की मूलभूत सुविधाएँ-पानी, भोजन, दवा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन नहीं मिलते, तब तक शांति केवल कागजों पर दर्ज रहेगी। वास्तविक शांति केवल तब संभव है जब अन्याय, दमन और असमानता के ढाँचे टूटें। शांति का अर्थ केवल हथियारों का मौन नहीं, बल्कि हृदयों का परिवर्तन है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली संसद को संबोधित करते हुए गाजा शांति समझौते को पश्चिम एशिया की ऐतिहासिक सुबह की संज्ञा दी। वे कुछ भी दावा करें, फिलहाल यह कहना कठिन है कि प्रमुख मुस्लिम देश इजरायल को मान्यता देने के लिए तैयार होंगे। भले ही ट्रंप यह कह रहे हों कि गाजा शांति समझौते को सभी मुस्लिम देशों का समर्थन मिला, लेकिन वस्तुस्थिति इससे अलग है। जब यह समझौता सामने आया था, तब उसे समर्थन देने और ट्रंप की प्रशंसा करने वालों में पाकिस्तान भी था, पर अब वह इस समझौते को समर्थन देने से केवल पीछे ही नहीं हट गया, बल्कि उसने अपने यहां ऐसा माहौल बनाया कि उसके विरोध में कट्टरपंथी तत्व सड़क पर उतर आए। यह मानने के अच्छे-भले कारण हैं कि पाकिस्तान ने गाजा शांति समझौते को नकारने के लिए ही कट्टरपंथी तत्वों को सड़कों पर उतरने के लिए उकसाया और फिर उन पर गोलियां भी चलवाईं, ताकि दुनिया और विशेष रूप से अमेरिका को यह संदेश जाए कि उसके लिए गाजा शांति समझौते को स्वीकार करना संभव नहीं। यहां अमेरिका को पाक के दोहरे चरित्र को समझ लेना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र, यूरोपीय संघ, अरब लीग और विश्व की सभी बड़ी शक्तियों की जिम्मेदारी है कि वे इस युद्धविराम को केवल घोषणा भर न रहने दें। उसे स्थायी बनाने के लिए एक ठोस मानवीय पुनर्निर्माण योजना तैयार की जाए, जिसमें राजनीतिक समाधान, मानवीय सहायता और संवाद-तीनों को समान महत्व मिले। गाजा के बच्चे जब फिर से स्कूलों में लौटेंगे, जब शरणार्थी अपने घरों में बस सकेंगे, जब भय की जगह भरोसा जन्म लेगा, तभी यह कहा जा सकेगा कि गाजा में शांति आई है। इजरायल को यहां ज्यादा उदारता का परिचय देना होगा, क्योंकि इसमें कोई संदेह नहीं है कि वह बहुत ताकतवर है। हमास को भी हिंसा से बचना चाहिए। द्वि-राष्ट्रीय व्यवस्था को जमीन पर ठीक से साकार करना हमास का लक्ष्य होना चाहिए । हमास को अपनी छवि सुधारने की चिंता करनी चाहिए, अगर उस पर यकीन किया गया है, तो उसे खरा उतरना होगा। गाजा में किसी भी सूरत में हिंसा की वापसी नहीं होनी चाहिए। आज यह युद्धविराम भले ही 'एक आशा की किरण' बना हो, परंतु उसे स्थायी प्रकाश में बदलना विश्व समुदाय के विवेक, संवेदनशीलता और सतत प्रयास पर निर्भर करता है।
~~~~~~~~

जानकारी

खूबसूरत त्वचा और बेदाग निखार के लिए हींग से बनाएं स्पेशल फेस पैक

त्वचा पर निखार लाने, दाग-धब्बों को दूर करने और मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए घर पर ही हींग से स्पेशल फेसपैक बना सकते हैं। हींग आयुर्वेदिक औषधि है और एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर होती है, इसलिए इससे बने फेस पैक आपकी त्वचा की हर समस्या को दूर कर देगी। हींग का प्रयोग आमतौर पर खाने का स्वाद और सुगंध बढ़ाने के लिए किया जाता है। मगर क्या आप जानते हैं कि हींग को आप त्वचा पर निखार लाने और त्वचा की समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए भी कर सकते हैं? चेहरे की सामान्य समस्याएं जैसे- कील-मुंहासे, दाग-धब्बे, सन टैन, रूखापन, झाइयां, झुर्रियां आदि से छुटकारा पाने के लिए आप हींग के फेस पैक लगा सकते हैं। हींग से बना फेस पैक पूरी तरह नैचुरल होता है इसलिए ये बाजार में मिलने वाले फेस पैक से ज्यादा बेहतर और सुरक्षित होता है। इसके अलावा हींग में ढेर सारे पोषक तत्व भी मौजूद होते हैं, जो चेहरे की त्वचा के लिए अच्छे होते हैं। आइए आपको बताते हैं चेहरे की किस समस्या के लिए किस तरह बनाएं हींग का स्पेशल फेस पैक।

निखार पाने के लिए: रोजाना की धूल-मिट्टी और धूप के कारण आपका चेहरा चिपचिपा हो जाता है और चमक और निखार खो जाते हैं। इसे दोबारा पाने के लिए आप हींग से घर पर ही फेस पैक बना सकती हैं। इस फेस पैक को बनाने के लिए टमाटर को पीसकर एक बाउल में इसका पल्प निकाल लें और एक बाउल में रख लें। अब इस पल्प में 1/4 चम्मच हींग डालें और पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को अपने चेहरे पर लगाएं। टमाटर में लाइकोपिन होता है और विटामिन सी अच्छी मात्रा में होता है। विटामिन सी त्वचा के लिए नैचुरल क्लींजर की तरह है इसलिए ये चेहरे की अच्छी तरह सफाई करता है और आपके चेहरे पर निखार लाता है।

झुर्रियां और झाइयां मिटाने के लिए: उम्र बढ़ने के साथ चेहरे पर झुर्रियां आना लाजमी है। मगर कई बार प्रदूषण और गलत खानपान के कारण चेहरे पर उम्र से पहले ही झुर्रियां आने लगती हैं। इन्हें रोकने के लिए भी आप हींग का फेस पैक बना सकते हैं। इस फेस पैक के लिए एक बाउल में 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी लें और इसमें आधा चम्मच हींग, 10 बूंग गुलाबजल और थोड़ा सा पानी मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट बाद सादे पानी से धो लें। सप्ताह में 2 बार के प्रयोग से आपकी झुर्रियां कम हो जाएंगी।

मुंहासों की समस्या में: हींग में एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जिसके कारण ये मुंहासों और कील को आसानी से खत्म कर देता है। मुंहासों से छुटकारा पाने के लिए आप एक बाउल में 1 चम्मच मुल्तानी मिट्टी, 10 बूंद गुलाबजल और आधा नींबू का रस लें। इसमें 1/4 चम्मच हींग डालें और अच्छी तरह मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाने से चेहरे के पोर्स में जमा गंदगी बाहर निकल जाती है और त्वचा का अतिरिक्त तेल हट जाता है, जिससे मुंहासों की समस्या दूर हो जाती है।

रुखी त्वचा को दूर करने के लिए: चेहरे पर रुखेपन के कारण आपकी त्वचा का रंग, प्राकृतिक रंग से ज्यादा गहरा लगता है और त्वचा भी झुलसी हुई लगती है, जिससे आप दूर से ही थके हुए नजर आते हैं। रुखी त्वचा की समस्या दूर करने के लिए आप हींग से बने फेसपैक का प्रयोग कर सकते हैं। इसके लिए एक बाउल में 2 चम्मच दूध, 1 चम्मच शहद और आधा चम्मच हींग मिलाएं और इसका पेस्ट बनाकर 15 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें। अब ठंडा हो जाने के बाद पेस्ट को चेहरे या अन्य अंगों पर लगाएं, जो आपको रुखे लगते हैं। इसके 15 मिनट चेहरे को पानी से धो लें, आपकी त्वचा चमक उठेगी और रूखापन दूर हो जाएगा।

क्यों खतरनाक है रीढ़ की हड्डी की चोट?

कैसे करें इससे बचाव ?

स्पाइनल कॉर्ड यानी रीढ़ की हड्डी में चोट का प्रभाव पूरे शरीर, खासकर हाथ-पांव पर पड़ता है। इसके कारण व्यक्ति जीवनभर के लिए विकलांग हो सकता है। रीढ़ की हड्डियां छोटे छोटे हिस्सों में विभाजित होने के कारण लचीली होती है। इसकी वजह से हम इंसान झुक पाते हैं। इतना ही नहीं स्पाइनल कॉर्ड नसों का एक ऐसा समूह होता है, जो दिमाग के संदेश को शरीर के अन्य अंगों तक पहुंचाता है।

चोट लगने के बाद कई बार आपके दैनिक कार्यों में आपको समस्या आ सकती है। रीढ़ की हड्डी की जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है, वो हर रोज आपके शरीर और दिमाग के बीच लाखों संदेशों का आदान-प्रदान करने का माध्यम बनती है। इसलिए लोगों में स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से संबंधित जानकारी फैलाना जरूरी है, ताकि इस इंजरी को रोका जा सके। आइए आपको बताते हैं कि क्या है स्पाइनल कॉर्ड इंजरी के प्रमुख कारण और कैसे कर सकते हैं इनसे बचाव?

हमारे लिए कितना जरूरी है स्पाइनल कॉर्ड ?

रीढ़ की हड्डी का ठीक रहना हमारे लिए बहुत जरूरी है, क्योंकि उससे हमारा चलना-फिरना, उठना-बैठना सब कुछ जुड़ा हुआ होता है। इसी कारण, रीढ़ पर लगी चोट आपके लिए काफी नुकसानदायक साबित हो सकती है। रीढ़ की हड्डी की जिम्मेदारी बहुत बड़ी होती है, वो हर रोज आपके शरीर और दिमाग के बीच लाखों संदेशों का आदान-प्रदान करने का माध्यम बनती है। एक अनुमान के मुताबित हर साल लोगों को होने वाली रीढ़ की हड्डी की चोट में से 35प्रतिशत गाड़ियों के एक्सीडेंट्स से लगती है। वहीं, 65 साल की उम्र के बाद गिरने से भी रीढ़ की हड्डी की चोट सबसे ज्यादा लगती है।

स्पाइनल कॉर्ड में चोट लगने के कारण

रीढ़ की हड्डी में लगने वाली चोट के मामलों में 82प्रतिशत पुरुष होते हैं। एक्सपर्ट अभी तक ये मालूम नहीं लगा पाए हैं कि ऐसा क्यों होता है कि पुरुषों को रीढ़ की चोट लगने का जोखिम महिलाओं से अधिक होता है। रीढ़ की हड्डी में चोट के निम्न कारण प्रमुख हैं-

- रोड एक्सीडेंट
- गिरने के कारण चोट लगना
- खेल-कूद के दौरान चोट लगना
- लड़ाई-झगड़े या मार-पीट में रीढ़ की हड्डी पर चोट लगना
- अर्थराइटिस, ऑस्टियोपोरोसिस, टीबी और अन्य इंफेक्शन्स के कारण

बहुत लचीली होती है रीढ़ की हड्डी

मानव कंकाल द्वितरफा एक जैसा है और बीच में रीढ़ की हड्डियां है। रीढ़ की हड्डियां छोटे छोटे हिस्सों में विभाजित होने के कारण लचीली होती है। इसकी वजह से इंसान झुक पाते हैं। हमारी रीढ़ की हड्डी के लचीलेपन को हम इस तरह से समझ सकते हैं कि ये दो तिहाई गोला बना सकती है। बच्चों की रीढ़ की हड्डी में 33 जोड़ होते हैं। जैसे-जैसे इंसान उम्र में बढ़े होते हैं तो उनके रीढ़ की हड्डी के जोड़ मिलकर एक होने लगते हैं। हमारा सैक्रम बनाने वाले पांच जोड़ बाद में जाकर एक हड्डी बन जाते हैं और मूलाधार जोड़ जो तीन से पांच हड्डियों से मिलकर बनता है वो भी बाद में जुड़ जाती हैं।

स्पाइनल कॉर्ड इंजरी से बचाव

- कार ड्राइव करते समय हमेशा सीट बेल्ट का प्रयोग करें।
- दो पहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनें।
- शराब पीकर या नशे की स्थिति में गाड़ी न चलाएं।
- गाड़ी की स्पीड पर नियंत्रण रखें।
- घरों को भूकंप रोधी बनाएं।
- गंदे और कम पानी वाली जगह पर स्विमिंग न करें।
- मार-पीट और लड़ाई-झगड़े से दूर रहें।

सुझाव

सिर्फ त्वचा ही नहीं, मुंह में भी होता है सोरायसिस

जानें, क्या हैं इसके लक्षण?

आमतौर पर सोरायसिस को स्किन की समस्या माना जाता है, लेकिन सोरायसिस सिर्फ त्वचा पर ही नहीं, बल्कि आपके मुंह के अंदर भी हो सकता है। इसे ओरल सोरायसिस कहा जाता है।

ओरल सोरायसिस शब्द शायद कुछ लोगों के लिए बिल्कुल नया हो, क्योंकि ज्यादातर लोग सोरायसिस को एक त्वचा की समस्या के रूप में सोचते हैं, जो उन स्थानों पर दिखाई देती है, जो हर कोई देख सकता है, जैसे कि आपकी कोहनी, घुटने और खोपड़ी, लेकिन इस बीमारी के लक्षण उन जगहों पर हो सकते हैं, जिनकी आपको उम्मीद नहीं है, जैसे आपके मुंह के अंदर। मुंह के अंदर होने वाले सोरायसिस को ओरल सोरायसिस या मौखिक सोरायसिस कहा जाता है। यह एक गंभीर चिकित्सा समस्या नहीं है, लेकिन आपके लिए यह काफी असुविधाजनक हो सकता है। तो चलिए जानते हैं इसके बारे में-

पहचानें लक्षण

ओरल सोरायसिस को पहचानना थोड़ा कठिन हो सकता है, क्योंकि इसके लक्षण अक्सर हल्के होते हैं और यह जितना जल्दी आते हैं, उतनी ही तेजी से गायब भी हो जाते हैं। हालांकि इसके लक्षण मुंह के अंदर कहीं पर भी दिखाई दे सकते हैं। गालों के अंदर इसके लक्षण सबसे आम है। इसके अतिरिक्त घाव होने, मसूड़ों पर त्वचा छीलना, मवाद के साथ फफोले, दर्द या जलन का अहसास खासकर मसालेदार भोजन खाते समय एवं चीजों में स्वाद का बदलना आदि भी ओरल सोरायसिस के लक्षण ही हैं। जिन लोगों को मौखिक सोरायसिस होता है, उनकी त्वचा पर भी इसके लक्षण दिखाई देते हैं। आपके मुंह के लक्षण आपकी त्वचा पर लक्षणों के साथ-साथ बेहतर या बदतर हो जाएंगे।

उपचार

मौखिक सोरायसिस की स्थिति में अधिकतर लोगों को उपचार की आवश्यकता नहीं होती है, क्योंकि वे इससे परेशान नहीं होते हैं, लेकिन अगर आपको इसके कारण दर्द होता है तो आप कुछ आसान उपचार कर सकते हैं, जैसे-

- गुनगुने पानी और नमक के मिश्रण से कुल्ला करें।
- वहीं जब आपको इसके लक्षण नजर आएं तो मसालेदार भोजन न करें।
- यदि आप धूम्रपान करते हैं तो आज ही उसे बंद करें।
- अगर घरेलू उपचारों से राहत न मिले तो आप अपने डॉक्टर से बात करें।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर करेंगे। शुभांक-2-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधनों में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। शुभांक-2-5-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास सफल होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। आलस्य का त्याग करे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-1-4-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक-2-6-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-3-5-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि व अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। आगे से रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिलेगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): समाज में मान-सम्मान मिलेगा। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार होगा। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-1-3-5

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें। संतान की उन्नति के योग हैं। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रही अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। शुभांक-1-6-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): सुख-आनंददायी समय है। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य के लिए समय अच्छा रहेगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होंगी। मनोविनोद बढ़ेगे। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों से समागम होगा। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 3682

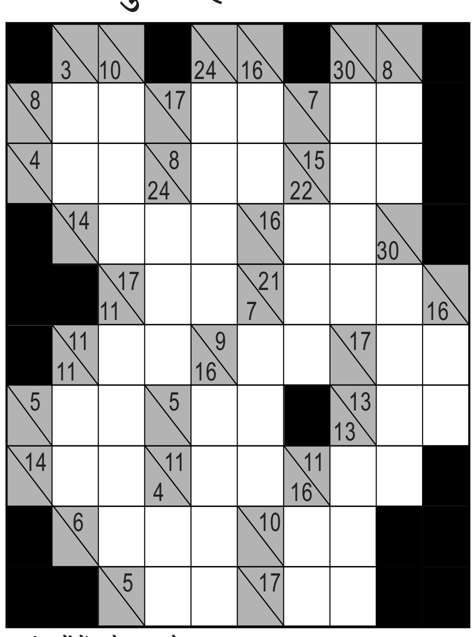

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

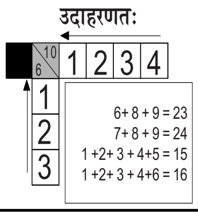

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो -3681 का हल

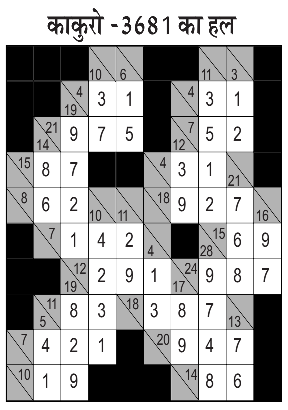

हंसी के फूव्वारें

मां: स्कूल कैसा लगा मुन्नी ?
मुन्नी: अच्छा तो लगा, पर वहां मास्टर साहब मुझसे वे ही सवाल पूछते हैं जिनका मुझे जवाब मालूम नहीं होता.

अध्यापक(राजेश से): गर्मियों में होने वाला कौन-सा फल खट्टा, मीठा और चटपटा होता है.
राजेश: सर, परीक्षाफल.

वकील: तो तुम जानते हो कि तुमने श्याम लाल के कान पर छुरा मारा था.
अभियुक्त: सरकार, कान पर तो भूल से लग गया मैं तो उसे उसके गले पर मारना चाहता था.

एक दोस्त: यार, इस मोटे लैंस के चश्में में तुम बिलकुल उल्लू दिखाई देते हो.
दूसरा: अगर मैं चश्मा उतार दूं तो तुम मुझे बिलकुल गधे दिखाई दोगे.

एक बच्चे ने अपनी मां से जाकर पूछा- आखिर तुम मुझे स्कूल क्यों भेजती हो ?
तुम जैसे नटखट बच्चों को इंसान बनाने के लिए, मां ने कहा.
बच्चा झट से बोला-लेकिन मास्टरजी तो मुर्गा बनाते हैं.

फिल्म वर्ग पहेली- 3682

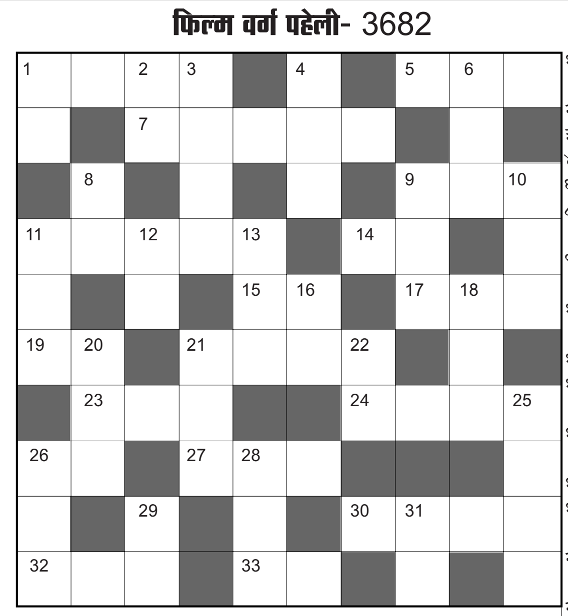

बायें से दायें:-

१. अजय, सुनील शेट्टी, प्रियंका, दीया की 'जाना नहीं था' गीत वाली फिल्म-२,२
५. अनिल, अक्षय, मनोज, करीना की 'मेरा दिल जिस' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चाँद को क्या मालूम' गीत वाली पृथ्वीराज, शेख मुख्तार की फिल्म-२,३
९. सनी देओल, अमीषा पटेल की 'मुसाफिर जाने वाले' गीत वाली फिल्म-३
११. 'जाओ जाओ हमसे क्या' गीत वाली जैकी श्रॉफ अमृतासिंह की फिल्म-२,३
१४. राजेश खन्ना, बबीता की 'अकेले हैं चले आओ' गीत वाली फिल्म-२
१५. गुड्डू धनोआ निर्देशित इमरान खान, शाहबाज खान, तब्बू की फिल्म-२
१७. करण दीवान, वैजयंतीमाला की 'दुनिया का मजा लेलो' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'तुम मुझे भूल भी जाओ' गीत वाली सुनीलदत्त, वहीदा रहमान की फिल्म-२
२१. जीतेंद्र, रेखा की 'गाँव में होते हँसते रोते' गीत वाली फिल्म-४
२३. प्रकाश झा निर्देशित मनोहरसिंह, अन्नूकपूर, सरला, दीप्ति नवल की फिल्म-३
२४. शशिकपूर, शर्मिला टैगोर की 'जिक्र होता है जब कयामत का' गीत वाली फिल्म-२,२
२६. 'दिल में जागी धड़कन ऐसे' गीत वाली लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२७. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
३०. फिल्म 'जबर्दस्त' में सनी देओल के साथ नायिक कौन थी-४
३२. जैकी, अमरीश, डिम्पल की 'हम न समझे थे' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, उर्मिला मातोंडकर की फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. रानी ने इसमें अंधी एवं गूंगी-बहरी लड़की की भूमिका की है-२
२. फिरोज, संजय खान, मुमताज की फिल्म-२
३. 'आज गालो मुस्करालो' गीत वाली फिल्म-४
४. शम्मीकपूर, सायरा की एक फिल्म-३
६. 'सनम तुम हम पे मरते' गीत वाली फिल्म-३
८. 'मैं तुझसे मिलने आई' गीत वाली सुनीलदत्त, आशा पारेख की फिल्म-२
९. धर्मेन्द्र, रेखा की 'ऐ हवा ये बता' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'संसार है एक नदिया' गीत वाली विनोद मेहरा, डैनी, मौसमी चटर्जी की फिल्म-३
११. 'तुम तो परदेसी हो' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'ना सतरा से ऊपर ना सोला से कम' गीत वाली नवीन निश्चल, रेखा की फिल्म-२
१३. अशोककुमार, मधुबाला की 'आयेगा आने वाला' गीत वाली फिल्म-३
१६. 'मैं इश्क उसका' गीत वाली फिल्म-२
१८. जिमी शेरगिल, इरफान, ऋषिता भट्ट की 'अब घर आजा' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'गोरी कँवारी सी हसीना का' गीत वाली अक्षयकुमार, करिश्मा की फिल्म-३
२१. शाहरूख, मनीषा, प्रीति की फिल्म-२,१
२२.फिल्म 'आरम्भ' में राकेश के साथ नायिका-२
२५. राजनीकांत, पद्मिनी, विजेयता की फिल्म-४
२६. 'ऐ यार सुन यारी' गीत वाली अमिताभ, शशिकपूरस रेखा, परवीन बाबी की फिल्म-३
२८. शॉवरअली, तरूण, मेघना नायडू कीफिल्म-३
२९. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
३१. ऋतिक रोशन, करीना कपूर की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3681

बा	ग	बा	न	■	खु	■	स	ल	मा
गी	■	द	■	आ	शी	र्वा	द	■	लि
■	स	ल	मा	न	■	■	मा	शू	क
खौ	फ	■	या	■	वा	दा	■	ल	■
■	र	न	■	पा	प	■	भू	■	प
का	■	या	दे	■	स	पू	त	■	रा
म	नो	ज	■	जीं	■	र्णि	■	छा	या
चो	■	मा	चि	स	■	मा	ला	■	ध
र	वी	ना	■	■	ब्लै	■	ड़	■	न
■	रू	■	न	म	क	ह	ला	ल	■

सूडोकु -3682

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3681 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 3682

बाएँ से दाएँ

1.पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5.मजार-4
8.बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9.तहजीब,तमीज-3
10.सत्य,तेज-2
11.पतंगा-4
12.ईसाई साध्वी-2
14.इंकार करना-4
16.उत्तम,आदर्शवादी-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
20.पागलपन,सनक-5
23.पालन-पोषण-5
26.आनंद लेना-2,2
27.बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29.अप्रधान,गौण-4
30.ठाठ-बाट-2
32.अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33.रहस्य-2
35.गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36.कमरा,रूम-2
37.जल में रहने वाला-4
38.धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1.पलायन करने वाला-6
2.जंगल-2
3.दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4.जिव्हा,जीभ-3
5.घर,भवन-3
6.यात्री गाड़ी-2
7.चौबीस घंटे का समय-4
11.परीक्षण करना-4
13.भीगा हुआ-2
15.खीजना-4
17.उपस्थिती-3
18.रोमांच,उद्वेग-4
19.संपत्ति-2
21.उचित,सही-3
22.पंख,पराया-2
24.देश निर्वासन-4
25.अंगरक्षक-3,3
27.हाथी-4
28.मद,सरूर-2
29.अनुसार,समान-4
31.निगाह,दृष्टि-3
32.हथियार-3
34.पानी,नीर-2
36.सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -3681 का हल

उ	प	चा	र	■	नि	■	वि	रा	स	त
■	र	■	घु	■	ग	द	र	■	ही	न
क	■	■	व	रा	ह	■	ह	■	■	हा
म	हा	वी	र	■	बा	ल	■	क	मा	ई
जो	■	रा	■	ना	न	■	श	■	ख	■
र	म	णी	य	ता	■	भा	व	ही	न	ता
■	न	■	म	■	ज	ल	■	ट	■	र
अ	का	ल	■	शू	ल	■	नी	र	व	ता
प	■	■	न	■	प्र	ख	र	■	■	र
रा	ल	■	म	हु	वा	■	स	■	मी	■
ध	ड़	क	न	■	ह	■	ता	र	त	म्य

रूस से तेल की आपूर्ति में 10 प्रतिशत की गिरावट होने के बाद भी सबसे बड़ा सप्लायर

नई दिल्ली

भारत के लिए होने वाले तेल की आपूर्ति में 10 प्रतिशत की गिरावट आई है इसके बाद भी रूस भारत का सबसे बड़ा कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बना हुआ है, लेकिन इस साल जनवरी से अगस्त 2025 के बीच रूस से भारत को तेल की आपूर्ति में पिछले साल की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत की कमी आई है। खबरों के मुताबिक कैपलर के आंकड़ों के मुताबिक, सितंबर 2025 में भारत ने औसतन 45 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल आयात किया, जो अगस्त की तुलना में करीब 70,000 बैरल अधिक था, हालांकि पिछले साल के मुकाबले लगभग समान रहा। इनमें रूस की हिस्सेदारी करीब 34 प्रतिशत यानी लगभग 16 लाख बैरल प्रतिदिन रही। इंडियन ऑयल कंपनी का कहना है कि भारत की तेल खरीद पूरी तरह आर्थिक गणना पर आधारित होती है, न कि किसी राजनीतिक दबाव पर। उन्होंने कहा कि भारत वही तेल खरीदता है जो कीमत और गुणवत्ता के लिहाज से लाभकारी हो। विशेषज्ञों का मानना है कि त्योहारी सीजन (अक्टूबर से दिसंबर) में ईंधन की मांग बढ़ने के साथ भारत फिर से रूसी तेल आयात बढ़ा सकता है, क्योंकि यह अब भी उच्च गुणवत्ता और बेहतर लाभ दर के चलते सबसे किफायती विकल्प बना हुआ है।

हालांकि अमेरिका लगातार भारत पर रूसी तेल की खरीद घटाने का दबाव बना रहा है, लेकिन भारत ने स्पष्ट किया है कि वह अपनी ऊर्जा जरूरतों के अनुसार निर्णय लेगा। बाजार विशेषज्ञों के मुताबिक, रूस से आयात में कमी अमेरिकी दबाव की वजह से नहीं, बल्कि रूसी डिस्काउंट घटने, वैश्विक तेल कीमतों में उतार-चढ़ाव, और अन्य देशों से सस्ता तेल मिलने के कारण हुई है। हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें घटी हैं, जिससे रूस की दी जाने वाली छूट घटकर सिर्फ 2 डॉलर प्रति बैरल रह गई है, जबकि पहले यह कहीं अधिक थी।

जापानी कंपनी निसान इंडिया की बढ़ती जा रही हैं मुश्किलें

नई दिल्ली

जापानी कंपनी निसान इंडिया की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। सितंबर 2025 में लगातार चौथे महीने एक्स-ट्रेल की एक भी यूनिट नहीं बिकी। यह स्थिति कंपनी के लिए गंभीर चिंता का विषय बन गई है। कंपनी की किफायती एसयूवी मैग्नाइट ही फिलहाल उसकी बिक्री को संभाले हुए है, जबकि प्रीमियम एसयूवी निसान एक्स-ट्रेल की स्थिति लगातार खराब हो रही है। करीब रुपए 49.92 लाख की एक्स-शोरूम कीमत पर पेश की गई यह 7-सीटर लग्जरी एसयूवी एडवांस्ड फीचर्स से लैस है, लेकिन ग्राहकों से इसे अपेक्षित प्रतिक्रिया नहीं मिल रही। बिक्री के आंकड़ों पर नजर डालें तो जनवरी और फरवरी 2025 में एक्स-ट्रेल की एक भी यूनिट नहीं बिकी थी, मार्च में 15 यूनिट, अप्रैल में 76 और मई में 20 यूनिट की बिक्री हुई। इसके बाद जून से सितंबर तक बिक्री का आंकड़ा फिर शून्य पर लौट आया। यानी पूरे साल में अब तक केवल 111 यूनिट ही बिक पाईं, जो भारतीय बाजार में इसके कमज़ोर प्रदर्शन को दर्शाता है। एक्स-ट्रेल डी1 सेगमेंट की प्रीमियम एसयूवी है, जिसमें 7 एयरबैग, 4 डब्ल्यूडी सिस्टम, पैनोरमिक सनरूफ और डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर जैसे फीचर्स मौजूद हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसका हाइब्रिड वर्जन लोकप्रिय है, लेकिन भारत में इसकी ऊंची कीमत, सीमित डीलर नेटवर्क और ब्रांड की कमजोर मौजूदगी इसके लिए बड़ी बाधाएं बनी हुई हैं। ऑटो एक्सपर्ट्स का मानना है कि निसान ने लंबे समय से भारतीय बाजार में नए मॉडल लॉन्च नहीं किए, जिससे ब्रांड कनेक्ट कमजोर हो गया है। साथ ही, कंपनी की मार्केटिंग और सर्विस रणनीति भी प्रतिस्पर्धियों की तुलना में कमजोर रही है।

यूएई का एमिरेट्स एनबीडी बैंक भारतीय प्राइवेट बैंक आरबीएल को खरीदेगा

इस रणनीति का उद्देश्य आरबीएल बैंक की पूंजी संरचना को मजबूत बनाना

नई दिल्ली

भारतीय बैंकिंग सेक्टर में एक बड़ा बदलाव आने वाला है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दूसरे सबसे बड़े बैंक, एमिरेट्स एनबीडी बैंक पीजेएससी, भारतीय प्राइवेट बैंक आरबीएल बैंक को खरीदने की प्रक्रिया में है। आर्थिक विशेषज्ञों के मुताबिक, एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल में करीब 15,000 करोड़ रुपए के निवेश के लिए अंतिम चरण की बातचीत कर रहा है। इस निवेश के पूरा होने पर यूएई बैंक आरबीएल बैंक का सबसे बड़ा शेयरधारक बन जाएगा और उसका नियंत्रण अपने हाथों में लेगा।

यह बड़ा निवेश प्रेफरेंशियल अलॉटमेंट के जरिए किया जाएगा, जिसमें एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक के शेयर और वॉरंट्स खरीदेगा। इसके बाद, अतिरिक्त 26फीसदी शेयरों के लिए एक ओपन ऑफर भी लाया जाएगा। इस रणनीति का उद्देश्य आरबीएल बैंक की पूंजी संरचना को मजबूत बनाना है ताकि बैंक की वित्तीय स्थिति में सुधार हो सके। वर्तमान में आरबीएल बैंक का मार्केट कैप करीब 17,786.8 करोड़ है। निवेश पूरा होने के बाद एमिरेट्स एनबीडी बैंक आरबीएल बैंक की कुल इक्विटी का 51 फीसदी अपने नाम कर लेगा, जिससे उसे बैंक के संचालन पर प्रभावी नियंत्रण मिल जाएगा। सूत्रों की माने तो भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआइ) ने हाल ही में इस सौदे के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है, जिससे एमिरेट्स एनबीडी बैंक की भारत में उपस्थिति और भी मजबूत होगी। यह डील न केवल बैंकिंग सेक्टर में यूएई बैंक की पकड़ बढ़ाएगी, बल्कि भारत और पश्चिम एशिया के बीच बढ़ते रेमिटेंस मार्केट में भी उसकी स्थिति को सशक्त करेगी। खाड़ी देशों में बसे भारतीय प्रवासी देश के कुल प्रवासी समुदाय का करीब आधा हिस्सा हैं। आरबीआइ आंकड़ों के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2024 में खाड़ी से भारत आए कुल 38.7 अरब डॉलर के रेमिटेंस में से आधा हिस्सा सिर्फ यूएई से आया था। यह भारत के लिए विदेशी मुद्रा का दूसरा सबसे बड़ा स्रोत है। ऐसे में एमिरेट्स एनबीडी बैंक का आरबीएल बैंक में निवेश, दोनों देशों के आर्थिक संबंधों को भी नई दिशा देगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने की सरकार से स्थायी प्रतिष्ठान नियमों की समीक्षा की मांग

मकसदः टैक्स प्रणाली को प्रतिस्पर्धी बनाना ताकि चीन जैसे देशों से मुकाबला कर सकें

नई दिल्ली

भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग ने सरकार से स्थायी प्रतिष्ठान नियमों की समीक्षा करने की मांग की है, ताकि टैक्स प्रणाली को प्रतिस्पर्धी बना सकें और देश चीन और वियतनाम जैसे देशों के साथ बेहतर मुकाबला कर सके। भारतीय सेल्युलर और इलेक्ट्रॉनिक्स संघ (आईसीईए) ने कहा है कि इन देशों ने पिछले दशक में अपने नियमों को इस तरह तैयार किया है कि विदेशी कंपनियों की मौजूदगी टैक्स योग्य बनी रहे, लेकिन वैश्विक प्रतिस्पर्धा पर असर न पड़े। आईसीईए में ऐपल, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, ओप्पो और डिक्सन जैसी प्रमुख कंपनियां शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक सरकार इसपर पहले से ही विचार कर रही है। नीति आयोग ने हाल ही में विदेशी निवेशकों के लिए भारत में स्थायी प्रतिष्ठान और लाभ आवंटन में निश्चितता, पारदर्शिता और एकरूपता बढ़ाना शीर्षक से एक रिपोर्ट जारी की है। आईसीईए के अध्यक्ष पंकज मोहिंद्रू ने कहा कि अब इलेक्ट्रॉनिक्स और स्मार्टफोन उत्पादन की ग्रोथ निर्यात पर आधारित है, इसलिए टैक्स नियमों को इस तरह से तैयार किया जाना चाहिए कि निर्यात पर बोझ न पड़े और भारतीय कंपनियां वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन सकें। आईसीईए के मुताबिक भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन अब 135 अरब डॉलर तक पहुंच गया है, जिसमें से 64 अरब डॉलर सिर्फ स्मार्टफोन उत्पादन का है। पिछले दशक में स्मार्टफोन निर्माण 20 गुना बढ़ा है और वित्त वर्ष 2024-25 में इसका निर्यात 24 अरब डॉलर तक पहुंच गया है।

टाटा संस आईपीओ लाती है तो ग्रुप की लिस्टेड कंपनियों को फायदा, बढ़ जाएगा निवेश का मूल्य

नई दिल्ली

अगर टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाती है तो समूह की प्रमुख सूचीबद्ध कंपनियों, जिनकी संख्या सात है, को बड़ा फायदा हो सकता है। इससे टाटा संस में उनके निवेश का मूल्य बढ़ जाएगा, जो वर्षों पहले टाटा संस के वर्तमान संभावित मूल्यांकन की तुलना में कम मूल्यांकन पर किया गया था। टाटा मोटर्स, टाटा स्टील, टाटा केमिकल्स और टाटा पावर जैसी सूचीबद्ध समूह कंपनियां टाटा संस में शेयरधारकों का तीसरा सबसे बड़ा समूह हैं। ये टाटा ट्रस्ट्स और शापूरजी पलोनजी समूह के बाद आती हैं। इसके अलावा ट्रेंट के पास इस साल मार्च के अंत में टाटा संस में लगभग 1,000 प्रति शेयर के सममूल्य वाले संचयी तरजीही शेयर हैं, जिनकी कीमत लगभग 15 करोड़ रुपये है। समूह की सात सूचीबद्ध कंपनियों की टाटा संस में कुल मिलाकर लगभग 12.1 प्रतिशत हिस्सेदारी है। टाटा संस में सूचीबद्ध कंपनियों की हिस्सेदारी उनका ऐसा बड़ा बिना वसूला लाभ है, जिसे टाटा संस के सूचीबद्ध होने पर 'उचित' बाजार मूल्यांकन मिलेगा। सात टाटा ट्रस्टों को संयुक्त रूप से प्रवर्तक के रूप में वर्गीकृत किया गया है और उनके पास टाटा संस की 65.3 प्रतिशत हिस्सेदारी है। सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट क्रमशः 27.98 प्रतिशत और 23.56 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ टाटा संस के दो सबसे बड़े

शेयरधारक हैं। दूसरी ओर, शापूरजी पलोनजी समूह अपनी दो निवेश फर्मों - स्टर्लिंग इन्वेस्टमेंट कॉरपोरेशन प्राइवेट लिमिटेड और साइरस इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से 18.4 प्रतिशत हिस्सेदारी का मालिक है।

भारत में 1.33 लाख करोड़ निवेश करेगी गूगल

–पहला एआई हब आंध्र प्रदेश में बनाएगी

नई दिल्ली गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। इस बातचीत के दौरान पिचाई ने पीएम मोदी को बताया कि उनकी कंपनी अगले पांच साल में भारत में 15 बिलियन डॉलर यानी लगभग 1.33 लाख करोड़ रुपए निवेश करेगी। इस बात की जानकारी पिचाई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट शेयर कर दी। पिचाई ने पीएम मोदी से बातचीत में आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में गूगल के पहले एआई हब का प्लान भी शेयर किया। गूगल ने विशाखापट्टनम में एक बड़ा डेटा सेंटर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस बेस शुरू करने का ऐलान किया है, जो अमेरिका के बाहर उसका सबसे बड़ा एआई हब होगा। देशभर में विकास को गति देंगे पिचाई ने इसे ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह हब गीगावाट-स्केल की कंप्यूटिंग कैपेसिटी, एक नए इंटरनेशनल सबमरीन केबल गेटवे और लार्ज स्केल एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर को जोड़ेगा। उन्होंने कहा कि इसके जरिए हम भारत में एंटरप्राइजेज और यूजर्स के लिए अपनी एडवांस टेक्नोलॉजी लाएंगे, एआई इनोवेशन को बढ़ावा देंगे और देशभर में विकास को गति देंगे।

लोगों को मिली खुशखबरी !घटी महंगाई, अमेरिका से ट्रेड डील में हुई प्रगति

आईएमएफ बोले- भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा

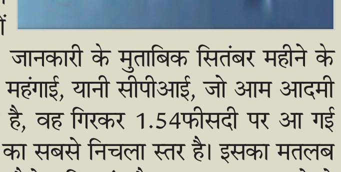

नई दिल्ली बीते दो दिनों में महंगाई में कमी से लेकर विदेशों में भारत की तारीफ की खबरों ने दिल को सुकून दिया। इससे भारत सरकार और देशवासियों को भी बहुत फायदा होगा। जानकारी के मुताबिक सितंबर महीने के आंकड़े बताते हैं कि खुदरा महंगाई, यानी सीपीआई, जो आम आदमी की जेब पर असर डालती है, वह गिरकर 1.54फीसदी पर आ गई है। ये जून 2017 के बाद का सबसे निचला स्तर है। इसका मतलब है कि खाने-पीने की चीजें, जैसे सब्जियां और अनाज, अब सस्ते हो रहे हैं। अगस्त में ये 2.07फीसदी थी, जो थोड़ा ज्यादा थी। अब बाजार में सामान सस्ता मिलेगा, तो घर चलाना आसान होगा. किसानों को भी खेती की लागत कम करने में मदद मिलेगी/। इसके अलावा थोक महंगाई जो बड़े व्यापारियों और फैक्टरियों के लिए मायने रखती है, वह भी सितंबर में घटकर 0.13फीसदी हो गई। अगस्त में ये 0.52फीसदी थी। सरकार ने बताया कि खाने का सामान, फैक्ट्री के प्रोडक्ट और अन्य चीजों के दाम कम होने से ये राहत मिली है। थोक में सामान सस्ता होने से दुकानों में भी कीमतें कम होंगी, जो अच्छी बात है। वहीं बात भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों की है। दोनों देशों के बीच जो ट्रेड डील रुकी हुई थी, अब उसमें प्रगति दिख रही है। हाल ही में अमेरिकी टीम दिल्ली आई थी, और अब भारतीय दल इसी हफ्ते अमेरिका जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक बातचीत सही रास्ते पर है और रुके हुए मुद्दे सुलझ सकते हैं। अगर ये डील हो गई, तो भारत का निर्यात बढ़ेगा, नौकरियां आएंगी और हमारी अर्थव्यवस्था को नया जोश मिलेगा। अमेरिका जैसे बड़े देश के साथ डील हमारे लिए मौका है। सबसे गर्व वाली खबर आईएमएफ से आई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की प्रमुख क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि भारत अब दुनिया की अर्थव्यवस्था का इंजन बन रहा है। आईएमएफ-वर्ल्ड बैंक की बैठक से पहले उन्होंने बताया कि भारत की आर्थिक नीतियों ने सबको गलत साबित किया, जो इसकी प्रगति पर शक करते थे। भारत की रफ्तार देखकर दुनिया हैरान है।

सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद सहारा समूह 88 संपत्तियां अडानी प्रॉपर्टीज को बेचेगा!

नई दिल्ली सहारा समूह की कंपनी सहारा इंडिया कमर्शियल कॉर्पोरेशन अपनी 88 संपत्तियां अडानी प्रॉपर्टीज को बेचने की तैयारी में है। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई में कंपनी की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सहारा और अडाणी समूह के बीच इस सौदे पर टर्म शीट पर हस्ताक्षर हो चुके हैं। यह दस्तावेज कोर्ट को सीलबंद लिफाफे में सौंपा है। सिब्बल ने कहा कि डील सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी मिलने के बाद ही आगे बढ़ेगी और इससे मिलने वाली रकम सहारा के बकायों से कहीं ज्यादा होगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह सौदा करीब एक लाख करोड़ का हो सकता है। यह रकम सहारा समूह पर निवेशकों के बकाए से कई गुना ज्यादा बताई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट ने 2012 में आदेश दिया था कि सहारा अपनी दो कंपनियों- सहारा हाउसिंग और सहारा रियल एस्टेट के जरिए जुटाई गई रकम को सेबी-सहारा खाते में जमा करे। यह राशि करीब 25,000 करोड़ रुपए थी, लेकिन अब तक समूह को करीब 9,481 करोड़ रुपए और जमा करने हैं। इस सौदे से सहारा को बकाया चुकाने और निवेशकों का पैसा लौटाने में बड़ी राहत मिल सकती है। अडाणी समूह की ओर से वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने कोर्ट को बताया कि समूह इन सभी 88 संपत्तियों को एकमुश्त खरीदने की योजना बना रहा है। उन्होंने कहा कि सौदे की सटीक रकम की जानकारी उन्हें नहीं है, लेकिन डील सुप्रीम कोर्ट की अनुमति के बाद ही आगे बढ़ेगी। सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सेबी-सहारा खाते से निवेशकों के पैसे की वापसी की प्रक्रिया पहले से चल रही है, इसलिए यह डील सरकार की जांच के बाद ही आगे बढ़नी चाहिए।

हरे निशान पर बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

सेंसेक्स 575 अंक चढ़ा, निफ्टी 25300 के पार

नई दिल्ली

एशियाई और यूरोपीय बाजारों में तेजी के बीच बैंकिंग और वित्तीय शेयरों में लिवाली से बुधवार को भारतीय बाजार हरे निशान पर बंद हुआ। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा इस महीने के अंत में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद के बीच यह तेजी आई। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में करीब एक प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 575.45 अंक या 0.70 प्रतिशत उछलकर 82,605.43 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान यह 697.04 अंक या 0.84 प्रतिशत बढ़कर 82,727.02 अंक पर पहुंच गया। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 178.05 अंक या 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,323.55 पर आ गया।

रुपये में आई 75 पैसे की तेजी

डॉलर के मुकाबले 75 पैसे की तेजी के साथ 88.06 (अनंतिम) पर बंद हुआ, जो कि लगभग चार महीनों में इसकी सबसे बड़ी इंट्राडे बढ़त है। ऐसा आरबीआई के संभावित हस्तक्षेप और घरेलू बाजारों में तेजी के कारण हुआ। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता को लेकर आशावाद के कारण घरेलू बाजार में लगभग 0.70 प्रतिशत की तेजी आई।

सेंसेक्स की कंपनियों का हाल

सेंसेक्स की कंपनियों में बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व सबसे ज़्यादा लाभ में रहीं। एशियन पेंट्स, लार्सन एंड टुब्रो, ट्रेंट, अल्ट्राटेक सीमेंट, इटरनल और अदानी पोर्ट्स भी लाभ में रहीं। वहीं, टाटा मोटर्स, इंफोसिस, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में दिखी बढ़त

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक, शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग तेजी के साथ बंद हुए। यूरोपीय बाजारों में सकारात्मक रुख रहा।

मंगलवार को अमेरिकी बाजार मिश्रित रुख के साथ बंद हुए। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि दो दिनों की बिकवाली के बाद राष्ट्रीय बाजार में थोड़ी तेजी आई; फेड अध्यक्ष द्वारा ब्याज दरों पर नरम रुख अपनाने तथा मात्रात्मक सख्ती समाप्त करने पर विचार करने से वैश्विक बाजार में धारणा मजबूत हुई।

सोने,चांदी की कीमतों मे आया अछाल

नई दिल्ली दिवाली करीब आते ही सोना-चांदी की कीमतें आकाश छू रही हैं। एमसीएक्स पर सोने की कीमत 1,26,697 रुपए प्रति 10 ग्राम जबकि चांदी की कीमत 1,60,131 रुपए प्रति किग्रा पर पहुंच गयी है। वहीं गत दिवस दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें 2,850 रुपए बढ़कर पहली बार 1.3 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर पहुंच गयीं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,850 रुपए बढ़कर 1,30,800 रुपए प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई, जबकि पिछली सत्र में यह 1,27,950 रुपए पर बंद हुई थी। 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना भी 2,850 रुपए बढ़कर 1,30,200 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। वहीं इसका पिछला बंद भाव 1,27,350 रुपए प्रति 10 ग्राम था। चांदी भी 6,000 रुपए के उछाल के साथ 1,85,000 रुपए प्रति किलोग्राम सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जो लगातार पांचवें दिन की बढ़त है। पिछले बाजार सत्र में यह 1,79,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। वहीं माना जा रहा है कि सर्राफा कीमतों में तेजी का कारण त्योहारी और शादी-ब्याह के मौसम से पहले मांग बढ़ना है। डॉलर के मुकाबले रुपए में आई कमजोरी भी इसका एक कारण है। ये 12 पैसे गिरकर 88.80 के अपने सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना रिकॉर्ड ऊंचाई से नीचे आया पर फिर भी ऊपर बना रहा। वहीं दिन में पहले 4,179.71 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्च स्तर तक पहुंचने के बाद, यह 0.72 फीसदी बढ़कर 4,140.34 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर सख्ती ''चीन बनाम दुनिया'' की लड़ाई बना

चीन ने सप्लाई चेन पर किया सीधा हमला, ट्रंप ने दी टैरिफ दोगुना करने की चेतावनी

वॉशिंगटन

अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव फिर बढ़ गया है। इसकी वजह चीन का रेयर अर्थ मिनरल्स के निर्यात पर सख्त नियम लागू करना। इन मिनरल्स के बिना इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर एयरक्राफ्ट तक का उत्पादन करना मुश्किल है। अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट ने चीन के इस कदम को उकसाने वाली कार्रवाई बताया है और कहा कि यह अब चीन बनाम बाकी दुनिया की लड़ाई बन गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने 9 अक्टूबर को नए नियम लागू किए हैं, जिनके तहत कोई भी कंपनी चाहे वह चीनी हो या विदेशी यदि उसके उत्पाद में 0.1 फीसदी से ज्यादा रेयर अर्थ मैटेरियल है, तो वह सरकार की अनुमति के बिना निर्यात नहीं करेगी। सैन्य इस्तेमाल के लिए इन खनिजों पर पूरी तरह रोक लगा दी गई है। चीन इस समय वैश्विक स्तर पर इन खनिजों के 70 फीसदी खनन और 90 फीसदी प्रोसेसिंग करता है। बेसेन्ट ने कहा कि ये खनिज छोटे मात्रा में इस्तेमाल होते हैं, लेकिन इनके बिना उत्पादन असंभव है। उन्होंने कहा कि चीन ने सप्लाई चेन पर सीधा हमला किया है, जिसे अमेरिका स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका भारत, यूरोप और एशिया के लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर इसका जवाब देगा। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने चीनी सामानों पर टैरिफ दोगुना करने की धमकी दी है, जो नवंबर से 130

फीसदी तक बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि चीन की नीतियां बेहद आक्रामक हैं और अमेरिका अपने उद्योगों की रक्षा करेगा। हालांकि बाद में ट्रंप ने सोशल मीडिया पर लिखा- सब ठीक होगा। शी जिनपिंग और मैं दोनों अपने देशों के लिए स्थिरता चाहते हैं। बेसेन्ट ने कहा कि चीन की यह रणनीति उसकी आर्थिक कमजोरी को दर्शाती है। हालांकि उम्मीद है कि जल्द चर्चाओं से तनाव कम होगा।

इलेक्ट्रिक एसयूवी आयोनिक 5 की बिक्री में लगातार गिरावट

नई दिल्ली कार निर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया की प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी आयोनिक 5 की बिक्री लगातार गिरावट पर है। इस गिरावट के पीछे क्रेटा इलेक्ट्रिक की मजबूत डिमांड है, जिसने आयोनिक 5 की मार्केट पॉपुलैरिटी पर सीधा असर डाला है। सितंबर 2025 में इस एसयूवी की केवल 6 यूनिट बिकीं, जो इस साल की सबसे कमजोर मासिक बिक्री रही। बिक्री आंकड़े बताते हैं कि जनवरी से सितंबर 2025 के बीच आयोनिक 5 की कुल 135 यूनिट ही बिकी हैं। जनवरी और फरवरी में 16-16 यूनिट, मार्च में 19, अप्रैल में 16, मई में 11, जून में 12, जुलाई में 25, अगस्त में 14 और सितंबर में सिर्फ 6 यूनिट बिकीं। यह आंकड़े साल की दूसरी छमाही में मांग में तेज गिरावट को दिखाते हैं। कई डीलर अब स्टॉक क्लियर करने के लिए 5 लाख से 7 लाख रुपये तक का डिस्काउंट दे रहे हैं। आयोनिक 5 की एक्स-शोरूम कीमत रुपए 45.95 लाख है और यह प्रीमियम इलेक्ट्रिक एसयूवी सेगमेंट में आती है। इसमें 12.3-इंच की दो डिजिटल स्क्रीन, 6 एयरबैग्स, लेवल-2 एडीएएस और 21 एडवांस सेफ्टी फीचर्स शामिल हैं। इंटीरियर में ईको-फ्रेंडली मटेरियल और रीसायकल प्लास्टिक का इस्तेमाल किया गया है। परफॉर्मेंस के लिहाज से 72.6 केडब्ल्यूएच बैटरी, 631 किलोमीटर की रेंज और 217 एचपी इलेक्ट्रिक मोटर इसे आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल एसयूवी बनाती है।

राशिद खान ने रचा इतिहास, बने दुनिया के नंबर 1 वनडे गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान के स्टार लेग-स्पिनर राशिद खान ने बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईसीसी वनडे गेंदबाज़ी रैंकिंग में पहला स्थान हासिल कर लिया है। राशिद ने सीरीज में कुल 11 विकेट झटके, जिसमें एक पांच विकेट हॉल (फाइव-विकेट हॉल) भी शामिल था।

इस प्रदर्शन के दम पर उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज, श्रीलंका के महेश थीक्षाना, इंग्लैंड के जोफ्रा आर्चर, भारत के कुलदीप यादव और नामीबिया के बर्नार्ड स्कॉल्ट्ज को पछाड़कर शीर्ष स्थान अपने नाम किया।

राशिद खान का प्रदर्शन

अफग़ानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान अबू धाबी में बांग्लादेश पर 3-0 की जीत के बाद वनडे में नंबर 1 गेंदबाज बन गए हैं। राशिद ने सीरीज में 6.09 की औसत और 2.73 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट लिए।

अफगान खिलाड़ियों का दबदबा

राशिद के साथी अजमतुल्लाह ओमरजई ने भी सीरीज़ में 7 विकेट झटके और आईसीसी ऑलराउंडर रैंकिंग में पहला स्थान हासिल किया। वहीं इब्राहिम जद्रान, जिन्होंने लगातार दो मैचों में 95-95 रन की शानदार पारियां खेलीं, वनडे बल्लेबाज़ी रैंकिंग में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं।

जद्रान को सीरीज में 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा, 'सेंचुरी से चूकना थोड़ा दुखद था, लेकिन मैं टीम के लिए 100त्न देने पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। राशिद और पूरी टीम ने इस जीत को खास बना दिया।'

भारत के लिए अच्छी खबर

वहीं भारतीय क्रिकेटरों की रैंकिंग में भी सुधार देखने को मिला है। कुलदीप यादव सात स्थान की छलांग लगाकर आईसीसी टेस्ट गेंदबाज़ी रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं।

वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में इंपेक्ट प्लेयर रहे सिराज

नई दिल्ली ।वेस्टइंडीज के खिलाफ भारतीय टीम की टेस्ट सीरीज में 2-0 से जीत के बाद इंपैक्ट प्लेयर का अवार्ड तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को मिला है।बीसीसीआई ने इस पदक समारोह का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में पोस्ट किया है।सिराज इस वीडियो में कह रहे हैं, 'यह सीरीज बहुत अच्छी रही क्योंकि हम अहमदाबाद में खेले थे, जहां तेज गेंदबाज़ों को काफी मदद मिली थी पर फिर हम दिल्ली आ गए, और हमें यहां काफी ओवर फेंकने पड़े।हर विकेट 5 विकेट जैसा लगा।एक तेज गेंदबाज के तौर पर, जब आपको अपनी मेहनत का फल मिलता है, तो आपको काफी अच्छा अनुभव होता है।आप रेसिंग रूम के प्रभावशाली खिलाड़ी भी होते हैं, इसलिए ये सब बहुत अच्छा लगता है।

उन्होंने आगे कहा, जब आप कुछ हासिल करते हैं, तो आपको अपने बारे में बहुत अच्छा लगता है।मुझे अपने पर बहुत गर्व है।मैं इसी तरह अपना प्रदर्शन जारी रखूंगा, क्योंकि मेरा पसंदीदा प्रारुप टेस्ट क्रिकेट है।इसमें कई चुनौतियां होती हैं।आपको पूरे दिन शारीरिक और मानसिक रूप से मैदान पर टिके रहना होता है।मुझे योगदान देने में सक्षम होने पर बहुत गर्व है।सिराज अब ऑस्ट्रेलिया दौरे में खेलते नजर आयेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में रोहित और विराट के खेल का जादू देखना चाहते हैं सभी : शुभमन

मुम्बई ।अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली करीब सात महीने के बाद मैदान पर खेलते नजर आयेंगे।ये दोनो ही भारतीय टीम के साथ ऑस्ट्रेलिया रवाना हुए हैं।टीम के रवाना होने से पहले एकदिवसीय प्रारुप के नये कप्तान बने शुभमन गिल ने कहा कि सभी लोग इन दोनो अनुभवी खिलाड़ियों के कौशल को देखना चाहते हैं।शुभन ने कहा कि टीम चाहती है कि दोनों खिलाड़ी अपने खेल का जादू सभी को दिखाएं।गिल ने कहा, ये दोनो ही पिछले एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम को जीत दिलाते रहे हैं।साथ ही कहा कि उनका अनुभव हर कप्तान और हर टीम के लिए बेहद अहम होता रहा है।ऐसे में हम बस यही चाहते हैं कि वो जाएं और अपना कमाल दिखाएं।साथ ही कहा कि भारतीय टीम पिछले दो-तीन साल से एकदिवसीय प्रारुप में बेहतरीन खेल दिखा रही है। इसी लय में वह बनाये रखना चाहती है।उन्होंने कहा, हमने पिछले कुछ सालों में काफी अच्छा क्रिकेट खेला है।टीम लगभग वही है, इसलिए किसी प्रकार के बदलाव की जरूरत नहीं है।ऑस्ट्रेलिया में खेलना हमेशा ही रोमांचक होता है और इसी को लेकर हम सब बेहद उत्साहित हैं।भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 19 अक्टूबर से शुरू होगी।वहीं कई दिग्गज को मानना है कि इस सीरीज के आधार पर ही रोहित और विराट का आगे का करियर निर्भर करेगा।

मैक्सवेल की ऑलटाइम एकदिवसीय टीम में छह भारतीय और पांच ऑस्ट्रेलियाई

-इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को नहीं मिली जगह

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने एक ऑलटाइम एकदिवसीय टीम चुनी है।इसमें सबसे अधिक छह भारतीय और पांच ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों को शामिल किया गया है पर हैरानी की बात है कि इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को इसमें जगह नहीं मिल है।मैक्सवेल की इस टीम में सचिन तेंदुलकर और विराट सहित छह भारतीय खिलाड़ियों को लिया गया है।वहीं रिकी पोंटिंग, माइकल बेवन, शेन वॉटसन सहित पांच ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी शामिल हैं।टीम में इंग्लैंड के एक भी खिलाड़ी को जग नहीं मिलना उसकी बेइज्जती माना जा रहा है।सलामी बल्लेबाज के लिए मैक्सवेल ने तेंदुलकर और रोहित को शामिल किया है।वहीं हैरानकी की बात है कि डेविड वॉर्नर, मैथ्यू हेडन और एडम गिलक्रिस्ट को इस टीम में जगह नहीं मिली है।तीसरे नंबर पर मैक्सवेल ने विराट कोहली को शामिल करते हुए उन्हें अपनी पीढ़ी का सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज करार दिया।

मैक्सवेल की टीम में पोंटिंग चौथे जबकि माइकल बेवन पांचवें नंबर पर हैं।इस नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के इयोन मोर्गन और बेन स्टोक्स जैसे खिलाड़ियों को जगह नहीं दी है।ऑलराउंडर के लिए मैक्सवेल ने शॉन वॉटसन को रखा है।

वहीं विकेट कीपर के रूप में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी को रखा है।इंग्लैंड के जोस बटलर और ऑस्ट्रेलिया से एडम गिलक्रिस्ट को भी टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं मैक्सवेल ने अपने गेंदबाजी आक्रमण में ब्रेट ली, ग्लेन मैक्ग्रा और जसप्रीत बुमराह को रखा है।स्पिनर के तौर पर अनिल कुंबले को रखा गया है।

कप्तान शुभमन सहित भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई, विराट और रोहित भी थे टीम के साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रवाना हुई। इसमें नये एकदिवसीय कप्तान शुभमल गिल के अलावा अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली सहित कई अन्य खिलाड़ी शामिल थे। भारत के ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 अक्टूबर से सीरीज शुरु होगी। इस दौरे पर भारत और ऑस्ट्रेलिया की टीमें तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज के अलावा 5 मैच की टी20 सीरीज भी खेलेगी। इस दौरे पर एकदिवसीय टीम की कप्तानी शुभमन गिल करेंगे जबकि टी20 की कप्तानी सूर्यकुमार यादव के पास रहेगी। रोहित और विराट एकदिवसीय सीरीज से सात माह बाद मैदान में वापसी करेंगे।

रवाना होने वाले खिलाड़ियों में कप्तान शुभमन , रोहित, विराट, श्रेयस अय्यर, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल, हर्षित राणा,

केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा आदि थे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला एकदिवसीय मुकाबला पर्थ में खेला जाएगा। चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद से ही ये भारतीय टीम की पहली एकदिवसीय सीरीज होगी।

भारत की एकदिवसीय टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (वीसी), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेटकीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल।

भारत की टी20 टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

एकदिवसीय सीरीज कार्यक्रम-

पहला एकदिवसीय- 19 अक्टूबर; सुबह 9 बजे
दूसरा एकदिवसीय- 23 अक्टूबर; सुबह 9 बजे
तीसरा एकदिवसीय- 25 अक्टूबर; सुबह 9 बजे

टी20 कार्यक्रम

पहला टी20- 29 अक्टूबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
दूसरा टी20- 31 अक्टूबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
तीसरा टी20- 2 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
चौथा टी20- 6 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से
पांचवां टी20- 8 नवंबर; दोपहर 1 बजकर 45 मिनट से

महिला विश्व कप : ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के लिए भारत पर जुर्माना

नई दिल्ली (एजेंसी)। विशाखापत्तनम में रविवार (12 अक्टूबर) को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप मैच के दौरान धीमी ओवर गति बनाए रखने के लिए भारत पर मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। गत चैंपियन टीम ने भारत के 330 रनों के लक्ष्य को एक ओवर और तीन विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। समय सीमा को ध्यान में रखते हुए पाया गया कि भारत अपने लक्ष्य से एक ओवर पीछे था। यह जुर्माना एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी के मिशेल पेरेरा ने लगाया। खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहयोगी स्टाफ के लिए आईसीसी आचार संहिता की धारा 2.22 के अनुसार - जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है - खिलाड़ियों पर निर्धारित समय में गेंदबाजी न करने पर प्रत्येक ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है।

भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड स्वीकार कर लिया, जिसका अर्थ है कि किसी औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं थी। यह आरोप मैदानी अंपायर सू रेडफर्न और निमाली परेरा, तीसरे अंपायर किम कॉटन और चौथे अंपायर जैकलीन विलियम्स द्वारा लगाया गया था।

आईसीसी टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग में रुट , एकदिवसीय में शुभमन व टी20 में अभिषेक शीर्ष पर

दुबई (एजेंसी)। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को तीनों प्रारूपों टेस्ट, एकदिवसीय और टी20 के लिए खिलाड़ियों की रैंकिंग जारी की। इसमें टेस्ट बल्लेबाजी में इंग्लैंड के जो रुट शीर्ष पर है। वहीं एकदिवसीय बल्लेबाजी में भारत के शुभमन गिल जबकि टी20 में अभिषेक शर्मा शीर्ष पर हैं। गेंदबाजों में भारत के जसप्रीत बुमराह टेस्ट जबकि अफगानिस्तान के राशिद खान एकदिवसीय में नंबर एक पर हैं। भारत के ही वरुण चक्रवर्ती टी20 रैंकिंग में नंबर एक पर हैं। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल लंबी छलांग लगाकर जहां टेस्ट फॉर्मेट में पांचवें स्थान पर पहुंचे हैं, वहीं अफगानिस्तान के इब्राहिम जादरान आठ स्थान की छलांग लगाते हुए एकदिवसीय रुप में दूसरे नंबर के बल्लेबाज बने हैं। शीर्ष पर शुभमन हैं। टी20 में भारत के अभिषेक शर्मा तो गेंदबाजी में वरुण चक्रवर्ती शीर्ष पर हैं।

टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग

1. जो रूट (इंग्लैंड), 2. हैरी ब्रूक (इंग्लैंड), 3. केन विलियमसन (न्यूजीलैंड), 4. स्टीव स्मिथ (ऑस्ट्रेलिया), 5. यशस्वी जायसवाल (भारत), 6. टेंबा बवुमा (दक्षिण अफ्रीका), 7. कामिंदु मेंडिस (श्रीलंका), 8. ऋषभ पंत (भारत), 9. डेरिल मिचेल (न्यूजीलैंड), 10. बेन डकेट (इंग्लैंड)

एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग

1. शुभमन गिल (भारत), 2. इब्राहिम जादरान (अफगानिस्तान), 3. रोहित शर्मा (भारत), 4. बाबर आजम (पाकिस्तान), 5. विराट कोहली (भारत), 6. डेरिल मिचेल (भारत), 7. चरिथ असालंका (श्रीलंका), 8. हैरी टैक्टर (आयरलैंड), 9. श्रेयस अय्यर (भारत), 10. शाई होप (वेस्टइंडीज)

टी20 बल्लेबाजी रैंकिंग

1. अभिषेक शर्मा (भारत), 2. फिल साल्ट (इंग्लैंड), 3. तिलक वर्मा (भारत), 4. जोस बटलर (इंग्लैंड), 5. पथुम निसांका (श्रीलंका), 6. ट्रेविस हेड (श्रीलंका), 7. टिम सिफर्ट (न्यूजीलैंड), 8. सूर्यकुमार यादव (भारत), 9. कुसाल परेरा (श्रीलंका), 10. मिशेल मार्श (ऑस्ट्रेलिया)

टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग

1. जसप्रीत बुमराह (भारत), 2. कगिसो रबाडा (दक्षिण अफ्रीका), 3. मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), 4. पैट कमिंस (ऑस्ट्रेलिया), 5. जोश हेजलवुड (ऑस्ट्रेलिया), 6. नोमान अली (पाकिस्तान), 7. स्कॉट बोलैंड (ऑस्ट्रेलिया), 8. नाथन लियोन (ऑस्ट्रेलिया), 9. मार्को यानसेन (दक्षिण अफ्रीका), 10. मिचेल स्टॉर्क (ऑस्ट्रेलिया)

एकदिवसीय गेंदबाजी रैंकिंग

1. राशिद खान (अफगानिस्तान), 2. केशव महाराज (दक्षिण अफ्रीका), 3. महिश तिक्षाणा (श्रीलंका), 4. जोफ्रा आर्चर (इंग्लैंड), 5. कुलदीप यादव (भारत), 6. बर्नार्ड स्कोल्ट्ज (नामीबिया), 7. मिचेल सेंटनर (न्यूजीलैंड), 8. आदिल राशिद (इंग्लैंड), 9. मैट हेनरी (न्यूजीलैंड), 10. रवींद्र जडेजा (भारत)

टी20 गेंदबाजी रैंकिंग

1. वरुण चक्रवर्ती (भारत), 2. अकील हुसैन (वेस्टइंडीज), 3. राशिद खान (अफगानिस्तान), 4. एडम जांपा (ऑस्ट्रेलिया), 5. जैकब डफी (न्यूजीलैंड), 6. आदिल रशीद (इंग्लैंड), 7. वानिंदु हसरंगा (श्रीलंका), 8. अबरार अहमद (पाकिस्तान), 9. नुवान तुषारा (श्रीलंका), 10. कुलदीप यादव (भारत)

नीतीश को लेकर अश्विन ने चयन समिति पर निशाना साधा

-बोले, गेंदबाजी नहीं करानी थी तो किसी और को रखते

नई दिल्ली । भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के मामले को लेकर चयन समिति पर निशाना साधा है।अश्विन ने कहा कि जब नीतीश से गेंदबाजी ही नहीं करानी तो उन्हें टीम में शामिल ही क्यों किया गया था।अश्विन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ समाप्त हुई टेस्ट सीरीज में नीतीश को अंतिम ग्यारह में रखे जाने के कारणों पर भी सवाल उठये हैं।वहीं कप्तान शुभमन गिल ने कहा भी था कि इस ऑलराउंडर को इसलिए रखा गया जिससे कि उसे अभ्यास का अवसर मिले सकें क्योंकि विदेशी पिचों पर भारत को तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर की जरूरत होती है।वहीं कोच गौतम गंभीर ने भी कहा कि नीतीश को टीम में रहने से अनुभव तो हो रहा है।दूसरी ओर अश्विन का कहना है कि जब उसे गेंदबाजी ही नहीं दी गयी तो अंतिम ग्यारह में रहने से किस प्रकार से अनुभव मिलेगा।गौरतलब है कि नीतीश ऑलराउंडर के तौर पर दोनों ही मैचों में रखे गये थे।पहले टेस्टम में उन्होंने केवल 4 ओवर गेंदबाजी की, जबकि दूसरे टेस्ट में एक ओवर भी नहीं फेंका था।इसी को लेकर अश्विन ने कहा कि जब रेड्डी से गेंदबाज करानी ही नहीं थी तो उनकी जगह पर किसी विशेषज्ञ बल्लेबाज को खिलाया जा सकता था। या फिर अक्षर पटेल जैसे स्थापित ऑलराउंडर को रखा जा सकता था।अश्विन ने कहा, अगर नीतीश रेड्डी की यही भूमिका है तब तो मुझे लगता है कि आप एक विशेषज्ञ बल्लेबाज या गेंदबाज को खेला सकते हैं। आप अक्षर पटेल को खिला सकते थे।

एशिया कप तनाव के बाद भारत और पाकिस्तान के खिलाड़ियों ने मिलाया हाथ

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। मलेशिया के जोहोर बाहरू में सुल्तान ऑफ जोहोर कप में भारत और पाकिस्तान के बीच जूनियर हॉकी मैच मंगलवार को राष्ट्रगान के बाद दोनों पक्षों के खिलाड़ियों के बीच हाई-फाइव के साथ शुरू हुआ और 3-3 से ड्रॉ रहे कड़े मुकाबले के बाद हाथ मिलाने के साथ समाप्त हुआ।

यह घटनाक्रम पिछले महीने हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के विपरीत है, जहां भारतीय और पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने मैदान पर किसी भी तरह की बातचीत से परहेज किया था। एशिया कप में सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय क्रिकेट टीम ने ऑपरेशन सिंदूर के मद्देनजर अपने पाकिस्तानी समकक्षों के साथ पारंपरिक हाथ मिलाने से परहेज किया और अपनी जीत

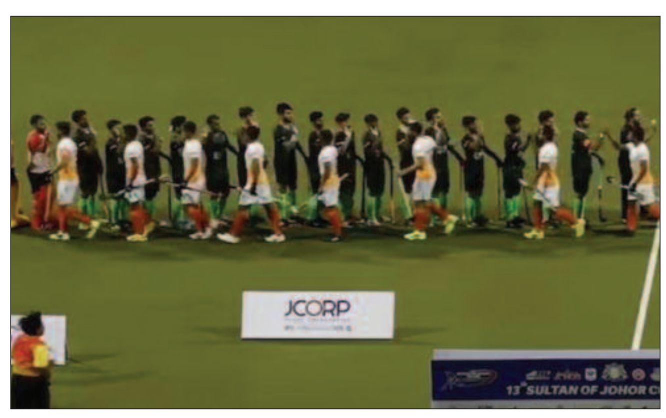

पहलगाम आतंकवादी हमले से प्रभावित परिवारों को समर्पित की। बाद में भारत ने PCB और ACC प्रमुख मोहसिन नकवी, जो पाकिस्तान के गृह मंत्री भी हैं, से ट्रॉफी लेने से इनकार कर दिया।

सूर्यकुमार ने कहा था, 'मुझे नहीं पता कि आगे क्या होगा। दिल्ली अभी बहुत दूर है। मुझे नहीं पता कि अगले मैच में पाकिस्तान के साथ क्या होगा। वैसे भी, हम सिर्फ बहु-राष्ट्रीय टूर्नामेंट में ही खेलते हैं, लेकिन उस समय जो भी होगा, हम देखेंगे। फिलहाल, यही वो पल है जिसका हम आनंद लेना चाहते हैं।'

इसके विपरीत भारत और पाकिस्तान की जूनियर टीमों के बीच सुल्तान जोहोर कप हॉकी मैच का माहौल हमेशा की तरह सामान्य था। राष्ट्रगान के बाद खिलाड़ियों ने एक-दूसरे को हाई-फाइव दिए और 3-3 से रोमांचक ड्रॉ के बाद हाथ मिलाए। मैच से पहले पाकिस्तान हॉकी महासंघ (PHF) ने कथित तौर पर अपने खिलाड़ियों को किसी भी तरह के टकराव से बचने और पूरी तरह से खेल पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया था - इस कदम से मैदान पर माहौल सम्मानजनक और खेल भावना से भरा रहा।

शुभमन गिल ने अभी तक कप्तानी के सबसे बुरे दिनों का सामना नहीं किया है: गंभीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने कहा कि शुभमन गिल के लिए कप्तानी के अभी शुरुआती दिन हैं और उन्होंने अभी तक अपने सबसे कठिन दिनों का सामना नहीं किया है। गंभीर ने गिल की दबाव और कठिन परिस्थितियों से निपटने की क्षमता की तारीफ़ की। गिल ने रोहित शर्मा के स्थान पर भारतीय टेस्ट टीम की कमान संभाली और इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला में 2-2 से ड्रॉ कर शानदार शुरुआत की।

कप्तानी की शुरुआत और दबाव

गिल का यह पहला पूर्णकालिक टेस्ट कप्तानी कार्यकाल चुनौतीपूर्ण रहा। दिल्ली में वेस्टइंडीज़ के खिलाफ दूसरे टेस्ट में सात विकेट से जीत के साथ उन्होंने भारतीय कप्तान के रूप में अपनी पहली टेस्ट श्रृंखला जीत दर्ज की। गंभीर ने बताया कि गिल ने अपनी टीम को दबाव में भी संभालने की क्षमता दिखाई और यह दिखाया कि वह मुश्किल हालात में भी शांत रह सकते हैं।

गंभीर का समर्थन और मार्गदर्शन

गंभीर ने कहा कि एक कोच के रूप में उनका कर्तव्य है कि वह गिल के कंधों से दबाव और आलोचना को कम करें, बशर्ते गिल टीम के लिए सही निर्णय लें और ड्रेसिंग रूम में ईमानदार और पारदर्शी रहें। उन्होंने कहा, 'अब तक, वह शानदार रहे, पारदर्शी, मेहनती और टीम के हित में निर्णय लेने वाले। एक कोच इससे अधिक क्या उम्मीद कर सकता है?'

इंग्लैंड दौरे में कठिन परीक्षा

गंभीर ने इंग्लैंड दौरे को गिल की कप्तानी की सबसे कठिन परीक्षा बताया। उन्होंने याद किया कि गिल को युवा टीम के साथ एक बेहतरीन इंग्लैंड टीम के सामने खड़ा किया गया। गंभीर ने कहा कि इंग्लैंड में बनाए गए रन महत्वपूर्ण नहीं थे, बल्कि दबाव में टीम का नेतृत्व करना असली परीक्षा थी। उन्होंने गिल की नेतृत्व क्षमता और मानसिक मजबूती की सराहना की।

सफलता के हकदार

गंभीर ने कहा कि गिल ने 25 दिनों के कड़े क्रिकेट के दौरान कभी निराशा या दबाव का संकेत नहीं दिखाया। उन्होंने मुस्कुराते हुए नेतृत्व किया और टीम को एकजुट रखा। गंभीर के अनुसार, गिल अब और भविष्य में हर सफलता के हक़दार हैं, क्योंकि उन्होंने कठिन परिस्थितियों में भी खुद को साबित किया।

आगामी वनडे श्रृंखला की तैयारी

वेस्टइंडीज़ पर टेस्ट सीरीज़ जीत के बाद, गिल अब ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू वनडे श्रृंखला की तैयारी कर रहे हैं। गंभीर ने उम्मीद जताई कि गिल आगामी सीरीज़ में भी दबाव में शांत और प्रभावशाली नेतृत्व दिखाएंगे। गिल के लिए यह नया अनुभव उनकी कप्तानी यात्रा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर होगा।

फीफा क्वालिफायर में रोनाल्डो ने रचा इतिहास, मेसी से आगे निकले

नई दिल्ली (एजेंसी)। फुटबॉल के महानतम गोलस्कोरर्स में शुमार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने एक बार फिर इतिहास रच दिया। हंगरी के खिलाफ फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर मुकाबले में उन्होंने दो गोल दागकर नया रिकॉर्ड बनाया। हालांकि मैच 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन रोनाल्डो की यह शानदार परफॉर्मेंस चर्चा में रही।

पहले हाफ के 22वें मिनट में रोनाल्डो ने क्लोज रेंज से गोल दागा और अपने वर्ल्ड कप क्वालिफायर करियर का 40वां गोल पूरा किया। इस गोल के साथ उन्होंने ग्वाटेमाला के पूर्व खिलाड़ी कार्लोस रुइज़ (39 गोल) को पीछे छोड़ दिया। पहले हाफ के इंजरी टाइम में उन्होंने एक और गोल कर रिकॉर्ड को 41 तक पहुंचा दिया।

इसके साथ ही रोनाल्डो के नाम अब सबसे ज़्यादा वर्ल्ड कप क्वालिफायर गोल (41) हैं – जो उन्हें लियोनेल मेसी (36) से काफी आगे ले जाता है। वहीं मेसी ने अब तक 72 क्वालिफायर मैचों में 36 गोल किए हैं।

रोनाल्डो के नाम अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में कई रिकॉर्ड

सबसे ज़्यादा अंतरराष्ट्रीय गोलः 143
सबसे ज़्यादा मैच (कैप्स)ः 215+
यूरोपीय चैम्पियनशिप में सबसे ज़्यादा गोलः 14

फीफा वर्ल्ड कप क्वालिफायर में सर्वाधिक गोल करने वाले टॉप-5 खिलाड़ी

क्रिस्टियानो रोनाल्डो - 41 गोल (51 मैच)
कार्लोस रुइज़ - 39 (47 मैच)
लियोनेल मेसी - 36 (72 मैच)
अली दाई - 35 (51 मैच)
रॉबर्ट लेवानडोव्स्की - 33 (42 मैच)

मैच में 78वें मिनट तक पुर्तगाल 2-1 से आगे था, लेकिन हंगरी के डोमिनिक स्जोबोज़लाइ ने इंजरी टाइम में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। मैच के बाद रोनाल्डो ने सोशल मीडिया पर लिखा – 'हम अपने लक्ष्य के करीब हैं! चलो पुर्तगाल!'

कोच रॉबर्टो मार्टिनेज ने माना कि टीम आखिरी 10 मिनट में मैच को सही तरह से मैनेज नहीं कर पाई। फिर भी, इस ड्रॉ के बावजूद पुर्तगाल ग्रुप एफ में 10 अंकों के साथ टॉप पर बना हुआ है।

अमृतसर लगभग साढे चार सौ वर्ष से अस्तित्व में है। सबसे पहले गुरू रामदास ने 1577 में 500 बीघा में गुरूद्वारे की नींव रखी थी। यह गुरूद्वारा एक सरोवर के बीच में बना हुआ है। यहां का बना तंदूर बड़ा लजीज होता है। यहां पर सुन्दर कृपाण, आम पापड, आम का आचार और सिक्खों की दस गुरूओं की खूबसूरत तस्वीरें मिलती हैं।

स्वर्ण मंदिर

सिक्खों की आस्था का केंद्र

अमृतसर में पहले जैसा आकर्षण नहीं रहा। अमृतसर के पास उसके गौरवमयी इतिहास के अलावा कुछ भी नहीं है। अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के अलावा देखने लायक कुछ है तो वह है अमृतसर का पुराना शहर। इसके चारों तरफ दीवार बनी हुई है। इसमें बारह प्रवेश द्वार हैं। यह बारह द्वार अमृतसर की कहानी बयान करते हैं। अमृतसर दर्शन के लिए सबसे अच्छा साधन साईकिल रिक्शा और ऑटो हैं। इसी प्रचालन को आगे बढ़ाने और विरासत को सँभालने के उद्देश्य से पंजाब पर्यटन विभाग ने फाजिल्का की एक गैर सरकारी संस्था ग्रेजुएट वेलफेयर एसोसिएशन फाजिल्का से मिलकर, फाजिल्का ईकोफ्रेंडली रिक्शा को नए रूप, 'ईको- कैब' अमृतसर में किया है। अब अमृतसर में रिक्शा की सवारी करते समय ना केवल पर्यटकों की जानकारी के लिए ईको- कैब में शहर का पर्यटन मानचित्र है, बल्कि पीने के लिए पानी की बोतल, पढ़ने के लिए अख़बार और सुनने के लिए एफएम रेडियो जैसे सुविधाए भी हैं।

स्वर्ण मंदिर अमृतसर का सबसे बड़ा आकर्षण है। इसका पूरा नाम हरमंदिर साहब है लेकिन यह स्वर्ण मंदिर के नाम से प्रसिद्ध है। पूरा अमृतसर शहर स्वर्ण मंदिर के चारों तरफ बसा हुआ है। स्वर्ण मंदिर में प्रतिदिन हजारों पर्यटक आते हैं। अमृतसर का नाम वास्वत में उस तालाब के नाम पर रखा गया है जिसका निर्माण गुरू रामदास ने अपने हाथों से कराया था।

सिक्ख भगवान में विश्वास नहीं करते। उनके लिए गुरू ही सब कुछ हैं। स्वर्ण मंदिर में प्रवेश करने से पहले वह मंदिर के सामने सर झुकाते हैं, फिर पैर धोने के बाद सीढ़ियों से मुख्य मंदिर तक जाते हैं। सीढ़ियों के साथ-साथ स्वर्णमंदिर से जुड़ी हुई सारी घटनाएं और इसका पूरा इतिहास लिखा हुआ है। स्वर्ण मंदिर बहुत ही खूबसूरत है। इसमें रोशनी की सुन्दर व्यवस्था की गई है। सिक्खों के लिए स्वर्ण

मंदिर बहुत ही महत्वपूर्ण है। सिक्खों के अलावा भी बहुत से श्रद्धालु यहां आते हैं। उनकी स्वर्ण मंदिर और सिक्ख धर्म में अटुट आस्था है।

हरमंदिर साहब परिसर में दो बड़े और कई छोटे-छोटे तीर्थस्थल हैं। ये सारे तीर्थस्थल जलाशय के चारों तरफ फैले हुए हैं। इस जलाशय को अमृतसर और अमृत झील के नाम से जाना जाता है। पूरा स्वर्ण मंदिर सफेद पत्थरों से बना हुआ है और इसकी दिवारों पर सोने की पत्तियों से नक्काशी की गई है। हरमंदिर साहब में पूरे दिन गुरु बानी की स्वर लहरियां गूंजती रहती हैं। मंदिर परिसर में पत्थर का स्मारक लगा हुआ है। यह पत्थर जांबाज सिक्ख सैनिकों को श्रद्धाजंलि देने के लिए लगा हुआ है।

जलियांवाला बाग

13 अप्रैल 1919 को इस बाग में एक सभा का आयोजन किया गया था। यह सभा ब्रिटिश सरकार के विरूद्ध थी। इस सभा को बीच में ही रोकने के लिए जनरल डायर ने बाग के एकमात्र रास्ते को अपने सैनिकों के साथ घेर लिया और भीड़ पर अंधाधुंध गोली बारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में बच्चों, बूढ़ों और महिलाओं समेत लगभग 300 लोगों की जान गई और 1000 से ज्यादा घायल हुए। यह घटना को इतिहास की सबसे दर्दनाक घटनाओं में से एक माना जाता है।

जलियां वाला बाग हत्याकांड इतना भयंकर था कि उस बाग में स्थित कुआं शवों से पूरा भर गया था। अब इसे एक सुन्दर पार्क में बदल दिया गया है और इसमें एक संग्राहलय का निर्माण भी कर दिया गया है। इसकी देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी जलियांवाला बाग ट्रस्ट की है। यहां पर सुन्दर पेड़ लगाए गए हैं और बाड़ बनाई गई है। इसमें दो स्मारक भी बनाए गए हैं। जिसमें एक स्मारक रोती हुई मूर्ति का है और दुसरा स्मारक अमर ज्योति है। बाग में घूमने का समय गर्मियों में सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक और सर्दियों में सुबह 10 बजे से शाम 5 तक रखा गया है।

अन्य दर्शनीय स्थल

गुरुद्वारे

अमृतसर की दक्षिण दिशा में संतोखसर साहब और बिबेसर साहब गुरूद्वार है। इनमें से संतोखसर गुरूद्वारा स्वर्ण मंदिर से भी बड़ा है। महाराजा रणजीत सिंह ने रामबाग पार्क में एक समर पैलेस बनवाया था। इसकी अच्छी देखरेख की गई जिससे यह आज भी सही स्थिति में हैं। इस महल की बाहरी दीवारों पर लाल पत्थर लगे हुए हैं। इस महल को अब महाराजा रणजीत सिंह संग्राहलय में बदल दिया गया है। इस संग्राहलय में अनेक चित्रों और फर्नीचर को प्रदर्शित किया गया है। यह एक पार्क के बीच में बना हुआ है। इस पार्क को बहुत सुन्दर बनाया गया है। इस पार्क को लाहौर के शालीमार बाग जैसा बनाया गया है। संग्राहलय में घूमने का समय सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक रखा गया है। यह सोमवार को बंद रहता है।

हाथी गेट मंदिर

प्राचीन हिन्दू मंदिर हाथी गेट क्षेत्र में स्थित हैं। यहां पर दुर्गीयाना मंदिर है। इस मंदिर को हरमंदिर की तरह बनाया गया है। इस मंदिर के जलाशय के मध्य में सोने की परत चढ़ा गर्भ गृह बना हुआ है। दुर्गीयाना मंदिर के बिल्कुल पीछे हनुमान मंदिर है। दंत कथाओं के अनुसार यही वह स्थान है जहां हनुमान अश्वमेध यज्ञ के घोड़े को लव-कुश से वापस लेने आए थे और उन दोनों ने हनुमान को परास्त कर दिया था।

खरउद्दीन मस्जिद

यह मस्जिद गांधी गेट के नजदीक हॉल बाजार में स्थित है। नमाज के समय यहां बहुत भीड़ होती है। इस समय इसका पूरा प्रागंण नमाजियों से भरा होता है। उचित देखभाल के कारण भारी भीड़ के बावजूद इसकी सुन्दरता में कोई कमी नहीं आई है। यह मस्जिद इस्लामी भवन निर्माण कला की जीती जागती तस्वीर पेश करती है मुख्य रूप से इसकी दीवारों पर लिखी आयतें। यह बात ध्यान देने योग्य है कि जलियांवाला बाग सभा के मुख्य वक्ता डॉ सैफउद्दीन किचलू और डॉ. सत्यपाल इसी मस्जिद से ही सभा को संबोधित कर रहे थे।

बाबा अटल राय स्तंभ- यह गुरु हरगोविंदसिंह के नौ वर्षीय पुत्र का शहादत स्थल है।

तरन तारन- अमृतसर से करीब 22 किलोमीटर दूर इस स्थान पर एक तालाब है। ऐसी मान्यता है कि इसके पानी में बीमारियों को दूर करने की ताकत है।

राम तीर्थ- यह भगवान राम के पुत्रों लव तथा कुश का जन्म स्थल माना जाता है।

बाघा बोर्डर- बाघा बोर्डर पर हर शाम भारत की सीमा सुरक्षा बल और पाकिस्तान रेंजर्स की सैनिक टुकड़ियां इकट्ठी होती है। विशेष मौकों पर मुख्य रूप से 14 अगस्त के दिन जब पाकिस्तान का स्वतंत्रता दिवस समाप्त होता है और भारत के स्वतंत्रता दिवस की सुबह होती है उस शाम वहां पर शांति के लिए रात्रि जागरण किया जाता है। उस रात वहां लोगों को एक-दुसरे से मिलने की अनुमति भी दी जाती है। इसके अलावा वहां पर पूरे साल कंटिली तारें, सुरक्षाकर्मी और मुख्य द्वार के अलावा कुछ दिखाई नहीं देता।

खानपान

अमृतसर के व्यंजन पूरे विश्व में प्रसिद्ध हैं। यहां का बना चिकन, मक्के की रोटी, सरसों का साग और लस्सी बहुत प्रसिद्ध है। अमृतसर पंजाब में स्थित है। खाने-पीने के शौकीन लोगों के लिए पंजाब स्वर्ग माना जाता है।

दरबार साहिब के दर्शन करने के बाद अधिकतर श्रद्धालु भीजे भठुर, रसीली जलेबी और अन्य व्यंजनों का आनंद लेने के लिए भरावन के ढाबे पर जाते हैं। यहां की स्पेशल थाली भी बहुत प्रसिद्ध है। इसके अलावा लारेंस रोड की टिक्की, आलू-पूरी और आलू परांठे बहुत प्रसिद्ध हैं। अमृतसर के अमृतसरी कुल्चे बहुत प्रसिद्ध है। अमृतसरी कुल्चों के लिए सबसे बेहतर जगह मकबूल रोड के ढ़ाबे हैं। यहां केवल दो बजे तक ही कुल्चे मिलते हैं।

पपड़ी चाट और टिक्की के लिए बृजवासी की दुकान प्रसिद्ध है। यह दूकान कपूर रोड पर स्थित है। लारेंस रोड पर बी.बी.डी.ए.वी. गर्ल्स कॉलेज के पास शहर के सबसे अच्छे आम पापड़ मिलते हैं। शाकाहारी खाने के साथ-साथ अमृतसर अपने मांसाहारी व्यंजनों के लिए भी प्रसिद्ध है। मासंहारी व्यंजनों में अमृतसरी मच्छी बहुत प्रसिद्ध है। इस व्यंजन को चालीस साल पहले चिमन लाल ने तैयार किया था। अब यह व्यंजन अमृतसर के मांसाहारी व्यंजनों की पहचान है। लारेंस रोड पर सूरजीत चिकन हाऊस अपने भूने हुए चिकन के लिए और कटरा शेर सिंह अपनी अमृतसरी मच्छी के लिए पूरे अमृतसर में प्रसिद्ध है।

बाजार-हाट

अमृतसर का बाजार काफी अच्छा है। यहां हर तरह के देशी और विदेशी कपड़े मिलते हैं। यह बाजार काफी कुछ लाजपत नगर जैसा है। अमृतसर के पुराने शहर के हॉल बाजार के आस-पास के क्षेत्र मुख्यतः कोतवाली क्षेत्र के पास परंपरागत बाजार हैं। इन बाजारों के अलावा यहां पर अनेक कटरे भी हैं। यहां पर आभूषणों से लेकर रसोई तक का सभी सामान मिलता है। यह अपने अचारों और पापड़ों के लिए बहुत प्रसिद्ध है। पंजाबी पहनावा भी पूरे विश्व में बहुत प्रसिद्ध है। खासकर लड़कियों में पंजाबी सूट के प्रति बहुत चाव रहता है। सूटों के अलावा यहां पर पगड़ी, सलवार-कमीज, रूमाल और पंजाबी जूतियों की बहुत मांग हैं।

दरबार साहब के बाहर जो बाजार लगता है। वहां पर स्टील के उच्च गुणवत्ता वाले बर्तन और कृपाल मिलते हैं। कृपाण को सिक्खों में बहुत पवित्र माना जाता है। तलवारों की कीमत 125 रू से शुरू होती है। इन सब के अलावा यहां पर सिक्ख धर्म से जुड़ी किताबें और साहित्य भी प्रचुर मात्रा में मिलता है।

कैसे जाएं

रेलमार्ग और सड़क मार्ग से 9 घंटे, वायुमार्ग से 1 घंटा। यह भारत के बिल्कुल पश्चिम छोर पर स्थित है। यहां से पाकिस्तान केवल 25 किमी. की दूरी पर स्थित है। राष्ट्रीय राजमार्ग 1 द्वारा करनाल, अम्बाला, खन्ना, जलंधर और लुधियाना होते हुए अमृतसर पहुंचा जा सकता है।

दूरी- यह दिल्ली से उत्तर पूर्व में 447 किमी. की दूरी पर स्थित है। अमृतसर जाने के लिए सबसे अच्छा समय अक्टूबर से मार्च है

वायु मार्ग- अमृतसर का राजा सांसी हवाई अड्डा दिल्ली से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है।

रेल मार्ग- दिल्ली से टाटानगर-जम्मूतवी एक्सप्रैस और गोल्डन टेम्पल मेल द्वारा आसानी

से अमृतसर रेलवे स्टेशन पहुंचा जा सकता है।

सड़क मार्ग- अपनी कार से भी ग्रैंड ट्रंक रोड द्वारा आसानी से अमृतसर पहुंचा जा सकता है। बीच में विश्राम करने के लिए रास्ते में सागर रत्ना, लक्की ढाबा और हवेली अच्छे रस्तरां है। यहां पर रूककर कुछ देर आराम किया जा सकता है और खाने का आनंद भी लिया जा सकता है। इसके अलावा दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से भी अमृतसर के लिए बसें जाती हैं।

'बंदर' की आलोचनाओं पर अनुराग ने तोड़ी चुप्पी

अपनी पिछली रिलीज फिल्म 'निशानची' को लेकर सुर्खियां बटोरने वाले अनुराग कश्यप अब अपनी आगामी फिल्म 'बंदर' को लेकर चर्चाओं में हैं। बॉबी देओल स्टारर इस फिल्म का हाल ही में टोरंटो अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रीमियर हुआ था। वहां प्रीमियर होने के बाद फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे काफी उत्तेजक और भड़काऊ फिल्म बता रहे हैं। जबकि कई लोग इसे मीटू मूवमेंट से जोड़कर मीटू विरोधी बता रहे हैं। अब इन आलोचनाओं के बीच निर्देशक अनुराग कश्यप ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और प्रतिक्रिया दी है।

मीटू से फिल्म का कोई लेना-देना नहीं

स्क्रीन के साथ बातचीत के दौरान अनुराग कश्यप ने फिल्म को लेकर हो रही आलोचनाओं पर रिएक्शन देते हुए कहा कि इसका मीटू से कोई लेना-देना नहीं है। निर्देशक ने कहा कि जब कोई फिल्म झूठे बलात्कार के आरोप के बारे में होती है, तो ऐसी बातें होती हैं। लेकिन 'मीटू' ताकत के बारे में है, किसी व्यक्ति द्वारा ताकत के पद का इस्तेमाल करके कुछ करने के बारे में। इस फिल्म का उस तरह के पावरप्ले या उस तरह के पहलू से कोई लेना-देना नहीं है। इसलिए इस फिल्म का मीटू अभियान से कोई लेना-देना नहीं है।

बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास नहीं रही 'निशानची'

वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित 'निशानची' पिछले महीने सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म को क्रिटिक्स ने सराहा था। लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई थी। वहीं बॉबी देओल आखिरी बार आर्यन खान के शो 'द बैड्स ऑफ बॉलीवुड' में नजर आए थे। अब बॉबी यशराज के स्पाई यूनिवर्स की फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगे।

हर कोई जवान दिखने की कोशिश कर रहा है, आपको भी करनी चाहिए

बॉलीवुड में अभिनेताओं की बढ़ती उम्र हमेशा से बहस का विषय रही है। पुरुष अभिनेता फिल्मों में अपने से काफी छोटी उम्र की अभिनेत्रियों के साथ रोमांस करते रहते हैं। ऐसे में क्या महिला अभिनेत्रियों को अपनी उम्र बढ़ने से रोकने का दबाव महसूस होता है? इस पर चित्रांगदा सिंह ने अपनी बात रखी है।

किरदार निभाना आना चाहिए

क्या महिला कलाकारों से वाकई जवान दिखने की उम्मीद की जाती है, इस बारे में बात करते हुए अभिनेत्री ने कहा यह सबके लिए है। अगर आप 70 साल की महिला का किरदार निभा रही हैं, तो आपको वैसा ही दिखना चाहिए। अगर आप 30 साल की उम्र की भूमिका निभाना चाहती हैं, तो आपको उसे निभाना आना चाहिए।

अक्षय कुमार फिटनेस पर ध्यान देते हैं

चित्रांगदा सिंह का कहना है कि निर्माताओं का ऐसा सोचना जायज है। पुरुष अभिनेताओं के लिए भी यही बात लागू होती है। अक्की (अक्षय कुमार) अपनी फिटनेस पर ध्यान देते हैं, अपने खान-पान पर ध्यान देते हैं। बेशक, जब किसी पुरुष अभिनेता का किरदार लिखा जाता है, तो महिला किरदार के बजाय ज्यादा लचीलापन होता है। मुझे नहीं लगता कि इसमें कोई पक्षपात है। वे फिल्म को आगे बढ़ाते हैं।

करीना और विद्या अच्छा कर रही हैं

चित्रांगदा सिंह ने आगे कहा समय बहुत बदल गया है। करीना कपूर कमाल का काम कर रही हैं। विद्या (बालन) बहुत काम कर रही हैं। ये सभी कलाकार अभी भी स्क्रीन पर अपनी अच्छी उपस्थिति बनाए हुए हैं। जहां तक एक खास तरह का दिखने के दबाव की बात है, निकोल किडमैन, डेमी मूर को ही देख लीजिए, हर कोई (जवान दिखने की) कोशिश कर रहा है, आपको भी यह कोशिश करनी होगी। बेशक कलाकारों को हर चीज में दबाव का सामना करना पड़ता है।

चित्रांगदा सिंह का वर्कफ्रंट

चित्रांगदा सिंह जल्द ही सलमान खान के साथ फिल्म बैटल ऑफ गलवां में नजर आने वाली हैं। सलमान खान इसमें आर्मी अफसर की भूमिका निभा रहे हैं। यह फिल्म अगले साल की शुरुआत में रिलीज हो सकती है।

अब दिल्ली की सत्ता में भूकंप लाएगी हुमा कुरैशी

ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर आने वाली बहुचर्चित सीरीज 'महारानी' के चौथे सीजन का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। निर्माताओं ने इसके चौथे सीजन की घोषणा कुछ समय पहले की थी। अब इसका ट्रेलर आते ही सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बार कहानी बिहार की सीमाओं को पार कर सीधे दिल्ली की सियासत में दस्तक दे रही है। सीरीज की नायिका हुमा कुरैशी, यानी रानी भारती, अब बिहार की नहीं बल्कि देश की राजनीति को हिला देने की तैयारी में हैं। ट्रेलर में रानी कहती हैं- अगर आपने हमारे दुश्मन से हाथ मिलाया तो सिंहासन खींच लेंगे आपका।

मेकर्स ने जारी किया ट्रेलर

ट्रेलर जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा- शेरनी लौटी है अपने घर की रक्षा करने! रानी तैयार है अपनी अब तक की सबसे बड़ी जंग के लिए। महारानी की स्ट्रीमिंग शुरू होगी 7 नवंबर से।

सीरीज की स्टारकास्ट

निर्देशक सुभाष कपूर ने इस बार भी सीरीज को अपने खास व्यंग्य और तीखे संवादों से भर दिया है। सीरीज में हुमा कुरैशी के साथ अमित सियाल, कनी कुसरुती, विपिन शर्मा, विनीत कुमार और प्रमोद पाठक जैसे अनुभवी कलाकार दिखाई देंगे। इन सभी ने अपने-अपने किरदारों से कहानी को और भी मजबूत बनाया है। खासतौर पर अमित सियाल का राजनीतिक प्रतिद्वंदी के रूप में अभिनय सीरीज की रीढ़ साबित हो रहा है।

इस सीजन की कहानी

पिछले सीजन तक रानी भारती बिहार की मुख्यमंत्री बन चुकी थीं, लेकिन अब कहानी वहां से आगे बढ़ती है। दिल्ली की सत्ता में एंट्री के साथ सीरीज और भी अधिक रोमांचक हो गई है। ट्रेलर में संसद की झलक, सत्ता के सौदे और राजनीतिक गठजोड़ों का खेल साफ तौर पर नजर आ रहा है।

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला ने अपनी नई फिल्म की शूटिंग की पूरी

रणवीर सिंह, बॉबी देओल और श्रीलीला की आने वाली फिल्म काफी चर्चा में है। सेट से झलकियां और लीक हुई तस्वीरें सामने आने के बाद से ही यह प्रोजेक्ट सुर्खियों में है। ऐसे में जब इस तिकड़ी को साथ में शूटिंग करते देखा गया, उसके बाद फैन्स के बीच इसे लेकर उत्सुकता बढ़ गई यह जानने के लिए कि आखिर यह टीम किस प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। अब सूत्र के मुताबिक, इस प्रोजेक्ट की शूटिंग आधिकारिक तौर पर पूरी हो गई है। टीम ने हाल ही में आखिरी शेड्यूल खत्म किया है, जिससे इस साल के सबसे बड़े और रोमांचक प्रोजेक्ट्स में से एक की शूटिंग पूरी हो गई है। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने कहा, शूटिंग आराम से पूरी हो गई है और मेकर्स जल्द ही कुछ बड़ा करने की सोच रहे हैं। इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक बड़ी खबर अगले हफ्ते आ सकती है। रणवीर और श्रीलीला की जोड़ी बहुत अच्छी लगी है, जो नई, जोश से भरी हुई और दर्शकों को जरूर पसंद आएगी। फिलहाल फिल्म से जुड़ी जानकारी गुप्त रखी गई है, लेकिन फैंस का उत्साह लगातार बढ़ता जा रहा है, क्योंकि आने वाले दिनों में एक बड़ी घोषणा होने की उम्मीद है।

बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं राजकुमार राव

अभिनेता राजकुमार राव अपने शानदार अभिनय के लिए जाने जाते हैं। अलग-अलग किस्म की भूमिकाएं निभाने में उनका कोई मुकाबला नहीं। फिलहाल राजकुमार राव को लेकर ऐसी अटकलें हैं कि वे तेलुगु फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में नजर आ सकते हैं। यह एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। इंडस्ट्री में चर्चा है कि राजकुमार राव तेलुगु हॉरर-कॉमेडी फिल्म बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी संस्करण में अभिनय कर सकते हैं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक तौर पर ऐसा कोई एलान नहीं किया गया है। लेकिन, सूत्रों का कहना है कि मुख्य भूमिका निभाने के लिए उनके नाम पर चर्चा चल रही है। 123 तेलुगु के अनुसार, राजकुमार राव बकासुरा रेस्टोरेंट के हिंदी रीमेक में मुख्य भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रशंसक यह देखने के लिए उत्सुक हैं कि इस सुपरनैचुरल फिल्म में वह किस तरह की भूमिका निभाएंगे।

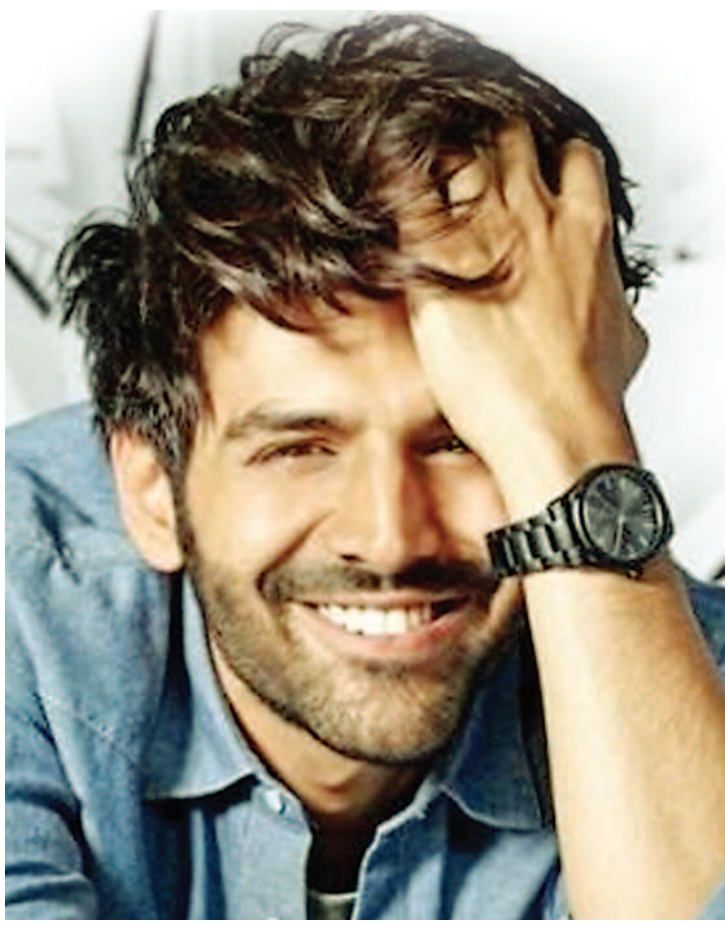

मेरा पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड वास्तविक हीरो मुरलीकांत पेटकर जी को समर्पित

कार्तिक आर्यन, भारतीय सिनेमा के सबसे पसंदीदा और भरोसेमंद सितारों में से एक हैं और हाल ही में उन्होंने अब आधिकारिक रूप से फ़िल्मफ़ेयर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है! सुपरस्टार ने कबीर ख़ान निर्देशित फ़िल्म चंदू चैंपियन में अपने दमदार और रूपांतरकारी प्रदर्शन के लिए अपना पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड अपने नाम कर लिया है। यह पल किसी जादू से कम नहीं था, लेकिन सच पूछिए तो उनके लिए यह सालों की मेहनत, अनुशासन और अटूट विश्वास का परिणाम था। चंदू चैंपियन में कार्तिक ने सिर्फ़ एक किरदार नहीं निभाया, बल्कि भारत के पहले पैरालंपिक गोल्ड मेडलिस्ट मुरलीकांत पेटकर की कहानी को जिया और उनकी हर शारीरिक और भावनात्मक सीमा को पार करते हुए इस किरदार को सच्चाई के साथ पर्दे पर उतारा। सोशल मीडिया पर अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कार्तिक ने लिखा, चैंपियन गिरता है, पर रुकता नहीं। कुछ पल सपने जैसे लगते हैं, और यह उनमें से एक था। मेरा पहला फ़िल्मफ़ेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड चंदू चैंपियन के लिए। टीवी पर सिर्फ़ 'ब्लैक लेडी' को देखा करता था, और आज उसे हाथों में थामना... यह उन सब सपने देखने वालों के लिए है जो कभी हार नहीं मानते।

कार्तिक ने अपने निर्देशक कबीर ख़ान के प्रति भी गहरी कृतज्ञता जताई, उन्हें सच्चाई, भावना और ताकत से भरे फ़िल्ममेकर बताते हुए कहा कि उन्होंने सिर्फ़ निर्देशन नहीं किया, बल्कि उन्हें एक कलाकार के रूप में बदल दिया। उन्होंने निर्माताओं साजिद नाडियाडवाला और वर्धा ख़ान नाडियाडवाला को भी उनके अटूट समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही सुदीप चटर्जी को हर फ़्रेम में भावना भरने के लिए और प्रीतम को फ़िल्म में आत्मिक संगीत देने के लिए शुक्रिया कहा। सबसे भावुक पल तब आया जब कार्तिक ने यह अवॉर्ड वास्तविक हीरो मुरलीकांत पेटकर जी को समर्पित किया, जिनकी प्रेरणादायक यात्रा आज भी लाखों लोगों को आगे बढ़ने की ताकत देती है। चंदू चैंपियन में कार्तिक ने एक ऐसा रूप दिखाया, जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा था और यह रूप था कोमल लेकिन जज़्बे से भरा, भावनात्मक लेकिन अडिग।

इस फ़िल्म ने उनके करियर में एक मील का पत्थर जोड़ा और यह साबित किया कि वे न केवल एक स्टार हैं, बल्कि एक ऐसे कलाकार हैं जो दर्शकों के दिलों तक पहुँचना जानते हैं। जब कार्तिक ने हाथों में प्रतिष्ठित 'ब्लैक लेडी' थामी, वह सिर्फ़ एक ट्रॉफी नहीं थी, बल्कि मेहनत, जुनून और पूरे हुए सपनों का प्रतीक थी। इस ऐतिहासिक जीत के साथ, कार्तिक आर्यन ने यह साबित कर दिया है कि वे अपनी पीढ़ी के सबसे प्रतिभाशाली और बहुमुखी अभिनेताओं में से एक हैं। साथ ही वे उन तमाम सपने देखने वालों के लिए प्रेरणा हैं, जो असंभव को संभव करने का हौसला रखते हैं। फिलहाल वे जल्द ही करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली रोमांटिक कॉमेडी तू मेरा मैं तेरी, मैं तेरा तू मेरी में नज़र आएंगे। इसके अलावा, उनकी आनेवाली फिल्मों में अनुराग बसु की एक अनटाइटल्ड लव स्टोरी और बहुप्रतीक्षित फ़िल्म नागज़िला भी शामिल है।

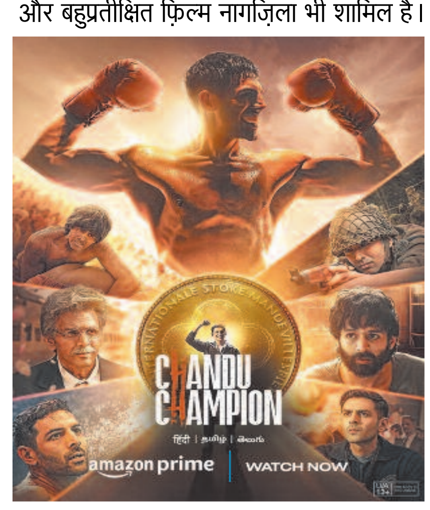

6 माह बाद सामने आया पत्नी के कातिल डॉक्टर का असली चेहरा, फॉरेंसिक साइंस रिपोर्ट से खुला सच

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में डॉक्टर दंपति की शादी के 11 महीने बाद एक दर्दनाक सच्चाई सामने आई है। अस्पताल के जनरल सर्जन डॉक्टर महेंद्र रेड्डी ने अपनी पत्नी डॉक्टर कृतिका रेड्डी की हत्या कर दी। कृतिका विक्टोरिया अस्पताल में डर्मेटोलॉजिस्ट थीं और बीते कुछ दिनों से बीमार थीं। घटना अप्रैल 2025 की है, जब कृतिका अपने पिता के घर रह रही थीं। तभी महेंद्र ने दो दिन तक उन्हें आईवी इंजेक्शन दिए जिसके बाद 23 अप्रैल को उनकी तबीयत बिगड़ी और अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। उस समय मराठाहल्ली पुलिस ने यूडीआर (अप्राकृतिक मृत्यु रिपोर्ट) दर्ज की थी। 6 महीने बाद फॉरेंसिक साइंस लैब की रिपोर्ट में कृतिका के शरीर में एनस्थीसिया ड्रग प्रोपोफोल मिला। यह दवा सिर्फ ऑपरेशन थियेटर में इस्तेमाल होती है। इसके बाद पुलिस ने मामला को हत्या में बदल कर आरोपी डॉक्टर महेंद्र रेड्डी को मणिपाल से गिरफ्तार कर लिया। कृतिका की बहन डॉक्टर निकिता रेड्डी ने ही शक जताया था और केस दर्ज कराया। जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी के परिवार पर पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज थे जिन्हें शादी के समय छुपाया गया था। कृतिका के पिता मुनी रेड्डी ने कहा कि उनकी बेटी ने अपने पति पर भरोसा किया था, लेकिन पति ने ही उसका विश्वास तोड़ा। परिवार ने सख्त सजा की मांग की है।

हाथियों की आबादी में 18 फ़ीसदी की गिरावट?

नई दिल्ली (एजेंसी)।जंगली हाथियों की डीएनए के आधार पर पहली बार गणना की गई है। गणना के जो परिणाम सामने आए हैं। उसके अनुसार हाथियों की संख्या 2017 में 27312 थी। वह 2021 की जनगणना में घटकर 22446 रह गई है। जो पिछली जनगणना के मुकाबले 18 फ़ीसदी कम है। यह रिपोर्ट 4 साल के बाद सार्वजनिक की गई है। वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने डीएनए आधारित गणना की जानकारी को गलत बताते हुए कहा है। इस बार की जनगणना वैज्ञानिक तरीके से की गई है। जिसके कारण हाथियों की जनसंख्या में कमी देखने को मिल रही है। इस बार की गणना पूरी तरीके से सही है। वही रिपोर्ट के अनुसार सड़क अतिक्रमण, रेल निर्माण और अन्य बुनियादी ढांचा की परियोजनाओं के चलते जंगल काटे जा रहे हैं।उसको लेकर मानवों और हाथियों के बीच लगातार संघर्ष बढ़ रहा है।इस संघर्ष में हाथियों की संख्या कम हो रही है। जो चिंता का विषय है।

'जिनका आंदोलन से कोई वास्ता नहीं वो आज ट्रस्टी'- जगदगुरु रामभद्राचार्य

अयोध्या (एजेंसी)। जगद्गुरू रामभद्राचार्य रामलला का दर्शन करने अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने अयोध्या में कौशल्या की गोद में बैठे लाडले राम के मंदिर का निर्माण कराए जाने की जानकारी दी है। उन्होंने हनुमान गढ़ी मंदिर में दर्शन किया। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास से भी मुलाकात की। उन्होंने मंदिर ट्रस्ट के सदस्यों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि यह जो आज ट्रस्टी बने हुए हैं, यह कभी भी संघर्ष के दौरान नहीं थे। सिर्फ मैं और महंत नृत्य गोपाल दास, अशोक सिंघल, महंत अवैद्यनाथ जी थे। हम लोग जानते हैं, संघर्ष की लीला। उन्होंने बताया कि ट्रस्ट को निरंकुश नहीं होना चाहिए। शास्त्रों के मर्यादा की रक्षा करनी चाहिए और यह ट्रस्टियों की जिम्मेदारी भी है। मथुरा और काशी विवाद रामभद्राचार्य ने कहा कि हमारी भूमिका वही रहेगी, जो अयोध्या में राम मंदिर को लेकर रही है। उन्होंने अयोध्या में भव्य दीपोत्सव के आयोजन पर कहा कि अयोध्या निरंतर सजती रहेगी। प्रभु रामलला के दर्शन की इच्छा हुई तो अयोध्या आ गए हैं, यहां बहुत ही अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री का आगमन बहुत ही हर्ष का विषय है। महंत नृत्य गोपाल दास से मुलाकात को लेकर रामभद्राचार्य ने कहा हमारी पुरानी मित्रता है। हम मित्रों की मुलाकात आनंद ही कुछ और होता है। वह अब बहुत कम पहचान पाते है, लेकिन मुझे पहचान लिया।

राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए खोला पैसा का पिटारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व सैनिकों और पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए वित्तीय सहायता योजनाओं में 100 प्रतिशत वृद्धि को मंजूरी दे दी है। बुधवार को इस बारे में जानकारी देकर रक्षा मंत्रालय ने बताया कि ये योजनाएं पूर्व सैनिक कल्याण विभाग द्वारा केन्द्रीय सैनिक बोर्ड के माध्यम से लागू होती हैं। वित्तीय सहायता में की गई प्रमुख बढ़ोतरी के तहत अनुदान 4,000 रुपए प्रति माह से बढ़ाकर 8,000 रुपए प्रति माह प्रति लाभार्थी किया गया है। यह सहायता 65 वर्ष से अधिक आयु वाले उन पूर्व सैनिकों के आश्रितों और विधवाओं को आजीवन मिलेगी, जिनकी कोई नियमित आय नहीं है और जो गैर-पेंशनभोगी हैं। वहीं शैक्षणिक अनुदान 1,000 रुपए से बढ़ाकर 2,000 रुपए प्रति माह प्रति विद्यार्थी किया गया है। यह सहायता अधिकतम दो आश्रित बच्चों को कक्षा 1 से स्नातक तक या दो वर्षीय परास्नातक कोर्स कर रही आश्रित विधवाओं को दी जाएगी। विवाह अनुदान में भी बढ़ोतरी की गई है। विवाह अनुदान को 50,000 रुपए से बढ़ाकर 1,00,000 रुपए प्रति लाभार्थी किया गया है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार यह अनुदान अधिकतम दो पुत्रियों के विवाह अथवा विधवा पुनर्विवाह के लिए लागू होगा, बशर्ते विवाह आदेश के जारी होने के बाद संपन्न हुआ हो। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मंजूरी की गई नई दरें 1 नवंबर 2025 से प्राप्त आवेदनों पर लागू होंगी। इससे प्रति वर्ष करीब 257 करोड़ रुपए का वित्तीय भार पड़ेगा, जो आर्म्ड फोर्सेस फ्लैग डे फंड से वहन किया जाएगा।

बारिश ने बढ़ाया चेन्नई के जलाशयों का जलस्तर, आपूर्ति होगी मजबूत

चेन्नई(एजेंसी)। बारिश और जलग्रहण क्षेत्रों से बढ़ते जलप्रवाह के साथ चेन्नई के प्रमुख पेयजल जलाशय पूरी क्षमता के करीब हैं। इससे आने वाले महीनों में शहर में जल आपूर्ति की मजबूत होगी। तमिलनाडु जल संसाधन विभाग के आंकड़ों के मुताबिक पूंडी, पुझल, चेम्बरमबक्कम, रेड हिल्स और चोलावरम जलाशय, जो मिलकर चेन्नई की पेयजल जरूरतों को पूरा करते हैं, उनमें अब 8.328 हजार मिलियन क्यूबिक फीट पानी है, जबकि उनकी संयुक्त क्षमता 11.757 टीएमसी फीट है, जो 70.9 फीसदी का एक स्वस्थ जल संग्रहण स्तर दर्शाता है।

महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार, कांग्रेस-राजद में 65-55 में फंसा पेंच

कांग्रेस ने 43 सीट पर किए उम्मीदवार चयनित, जल्द हो सकती है नामों की घोषणा

पटना(एजेंसी)। बिहार में चुनाव से पहले महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर रार खत्म नहीं हो रही है। कांग्रेस चुनाव में 65 सीटें चाहती है और राष्ट्रीय जनता दल 55 सीटें देने को तैयार है। इधर पार्टी सूत्रों के मुताबिक महागठबंधन में पहले चरण की जिन सीटों पर सहमति बनी है उनके नाम आज घोषित हो सकते हैं। कांग्रेस ने अब तक कुल 43 सीट पर उम्मीदवार चयनित किए हैं। महागठबंधन में कांग्रेस 65 सीटों की मांग पर अड़ी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीटों की अदला-बदली को देखते हुए पार्टी 74 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम को अंतिम रूप दे रही है। ऐसे कांग्रेस ने सभी 243 सीटों पर दावेदारों से आवेदन मंगाए थे। महागठबंधन समन्वय समिति के समन्वयक तेजस्वी यादव के साथ बातचीत में कोई फार्मूला तय नहीं होने से मंगलवार को दिल्ली में पार्टी ने उम्मीदवारों के नाम पर विचार किए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बैठक की अध्यक्षता की। कांग्रेस मंगलवार को भी सभी सीटों पर प्रत्याशियों के नाम को अंतिम रूप नहीं दे सकी है।

दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में मंगलवार को 18 नामों पर चर्चा हुई। 3 घंटे चली बैठक में इन सीटों पर प्रत्याशी के नाम को अंतिम रूप दिया गया। बैठक में 40 सीट की चर्चा हुई। शेष सीटों पर उम्मीदवार के नाम तय करने के लिए सब कमेटी का गठन किया गया है। बैठक के बाद प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि सभी मजबूत सीटों पर चर्चा हुई है। अब आगे की तैयारी कर रहे हैं।

कांग्रेस को डर सता रहा है। दिल्ली में केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक के बाद टिकट दावेदारों ने जमकर नारेबाजी भी की थी। इस कारण सदाकत आश्रम में हमेशा दिखने वाले नेताजी अब गायब हैं। दरअसल इस बार पार्टी ने सभी विधानसभा क्षेत्रों से आवेदन मंगाए थे। इस कारण दावेदारों की संख्या चार हजार से ज्यादा है। चुनावी साल में संगठन के अभाव में इन दावेदारों के सहारे ही पार्टी ने कार्यक्रमों और अभियान को सफल बनाया। कांग्रेस इन्हें आश्वस्त करती रही कि कार्यक्रमों में मेहनत के अनुसार ही टिकट मिलेगा। नई दिल्ली में दावेदारों ने डेरा जमा लिया है। केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में कांग्रेस मुख्यालय के बाहर कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी भी की। कार्यकर्ता हाल ही में पार्टी में शामिल हुए नेताओं को तवज्जो देने से नाराज हैं।

जैसलमेर बस अग्निकांड: 2 अफसर सस्पेंड, मृतकों की संख्या 21 पहुंची

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान के जैसलमेर में हुए भीषण बस अग्निकांड के बाद सरकार ने कड़ी कार्रवाई की है। बुधवार को परिवहन विभाग ने चित्तौड़गढ़ के कार्यवाहक डीटीओ सुरेंद्र सिंह और सहायक प्रशासनिक अधिकारी चुन्नी लाल को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। जांच में सामने आया कि हादसे का शिकार हुई बस की बॉडी को चित्तौड़गढ़ परिवहन विभाग से ही अनुमोदन (अप्रूवल) मिला था। इस बीच, हादसे को लेकर पहली एफआईआर दर्ज की गई है। मृत पत्रकार राजेंद्र चौहान के भाई ने बस मालिक और ड्राइवर के खिलाफ जैसलमेर सदर थाने में केस दर्ज कराया है। मृतकों की संख्या अब 21 हो गई है। बुधवार सुबह 10 वर्षीय यूनुस ने जोधपुर के महात्मा गांधी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, अभी भी चार घायल मरीज वेंटिलेटर पर हैं, जिनकी हालत गंभीर बनी हुई है। यह हादसा मंगलवार दोपहर करीब 3-30 बजे हुआ, जब जैसलमेर से जोधपुर जा रही प्राइवेट एसी स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। बस में सवार कई यात्री झुलस गए थे। शुरुआती जांच में संभावना जताई जा रही है कि बस के इंजन में शॉर्ट सर्किट के कारण आग फैली, जिसने देखते ही देखते पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। सरकार ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और परिवहन विभाग को बस बॉडी अप्रूवल की प्रक्रिया की समीक्षा करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपए मुआवजा और घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठाने की घोषणा की है।

दिल्ली में फिर हवा हुई जहरीली, एक्यूआई 206 पर पहुंचा, ग्रैप-1 लागू

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में हवा जहरीली हो गई है। करीब चार महीने के बाद दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है। बुधवार की सुबह दिल्ली और एनसीआर के कई इलाकों में धुंध की मोटी चादर छाई रही। प्रदूषण की बढ़ती स्थिति को देखते हुए मंगलवार को ही ग्रैप-1 लागू कर दिया गया था। इसके तहत प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए कई कड़े कदम उठाए गए हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के आंकड़ों के मुताबिक बुधवार सुबह 7-30 बजे तक दिल्ली का एक्यूआई 206 दर्ज किया, जो खराब श्रेणी में आता है। वहीं, एनसीआर के अन्य शहरों में भी स्थिति चिंताजनक है। फरीदाबाद में एक्यूआई 189, गुरुग्राम में 156, गाजियाबाद में 145, ग्रेटर नोएडा में 123 और नोएडा में 136 दर्ज किया गया।

अब पाकिस्तान के लिए आत्मघाती कदम होगा पहलगाम जैसा हमला करना

जम्मू (एजेंसी)। पाकिस्तान की ताकत नहीं है कि वो भारत से सीधे मुकाबला कर सके। यही वजह है कि वो आए दिन भारत के खिलाफ साजिश रचता रहता है। पश्चिमी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मनोज कुमार कटियार ने कुछ इसी तरह की साजिश वाली चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान एक बार फिर पहलगाम जैसी आतंकी साजिश रच सकता है, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे युद्ध करने की क्षमता और हिम्मत नहीं है। जनरल कटियार ने साफ कहा कि अगर पाकिस्तान कोई हरकत करता है तो भारत की जवाबी कार्रवाई और भी घातक होगी। उन्होंने कहा, अगर वे कुछ करते हैं तो हमारा जवाब पहले से कहीं ज्यादा घातक होगा। इसमें कोई शक नहीं। हम पूरी तरह तैयार हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि अगली कार्रवाई और निर्णायक होगी। जम्मू में पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने पाकिस्तान को भारी नुकसान पहुंचाया था। उन्होंने कहा, हमने उसकी चौकियों और हवाई ठिकानों को तबाह कर दिया। लेकिन हमें सतर्क रहना होगा, क्योंकि वह फिर कुछ करने की कोशिश कर सकता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपनी दुर्भावनापूर्ण नीतियों से बाज नहीं आएगा, क्योंकि उसके पास भारत से सीधे लड़ने की न तो क्षमता है और न ही साहस। उन्होंने कहा, भारतीय सेना पूरी तरह तैयार है और हमें जनता का पूरा समर्थन प्राप्त है। यही कारण है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हम पाकिस्तान को करारी हार देने में सफल रहे। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय व्यक्ति की मौत के बाद भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान-आधिकृत कश्मीर में आतंक ढांचे को तबाह किया गया।

तमिलनाडु में हिंदी पर बैन की तैयारी: सीएम स्टालिन की भाषाई स्वाभिमान नीति आई फिर चर्चा में

-हिंदी फिल्में, गाने, विज्ञापन बोर्ड्स और होर्डिंग्स पर रोक का प्रस्ताव

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन के नेतृत्व वाली द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) सरकार राज्य में हिंदी भाषा के इस्तेमाल पर बैन लगाने वाला विधेयक विधानसभा में पेश करने की तैयारी कर रही है। माना जा रहा है कि प्रस्तावित बिल में हिंदी फिल्मों, गानों, विज्ञापन बोर्डों और होर्डिंग्स में हिंदी भाषा के प्रयोग पर रोक लगाने का प्रावधान शामिल हो सकता है।

सूत्रों के अनुसार, सरकार ने मंगलवार देर रात कानूनी विशेषज्ञों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आपात बैठक बुलाई, जिसमें बिल के मसौदे पर विस्तार से चर्चा हुई। यह बिल 14 से 17 अक्टूबर तक चल रहे विधानसभा के विशेष सत्र में पेश किया जा सकता है। गौरतलब है कि तमिलनाडु में लंबे समय से हिंदी भाषा को लेकर विवाद चलता रहा है। डीएमके और अन्य द्रविड़ दल केंद्र की 'तीन-भाषा नीति' का विरोध करते रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने कई मौकों पर कहा है कि राज्य के लोगों पर हिंदी थोपने का कोई भी प्रयास स्वीकार्य नहीं होगा।

मार्च 2025 में पेश किए गए राज्य बजट के दौरान भी स्टालिन सरकार ने एक प्रतीकात्मक भाषाई कदम उठाते हुए बजट दस्तावेजों और सिंबल से रुपए का हिंदी प्रतीक हटाकर तमिल अक्षर का उपयोग किया था, जो ÷रुबाई (रुपया)÷ शब्द का पहला अक्षर है। यह निर्णय उस समय भी राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा में रहा था।

संभावित प्रभाव और राजनीतिक संदेश

प्रस्तावित बिल पारित होने के बाद राज्य में सार्वजनिक स्थलों, विज्ञापनों, सिनेमा हॉलों, रेडियो प्रसारणों और गानों में हिंदी के प्रयोग पर रोक लगाई जा सकती है। हालांकि, अभी तक आधिकारिक मसौदा सार्वजनिक नहीं किया गया है। यदि यह बिल लाकर पारित किया जाता है, तो तमिलनाडु देश का पहला राज्य बन जाएगा जहां हिंदी भाषा के सार्वजनिक उपयोग पर औपचारिक प्रतिबंध लागू होगा। सीएम स्टालिन का कहना है कि हम तमिलनाडु की सांस्कृतिक पहचान और भाषाई स्वतंत्रता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। किसी पर कोई भाषा थोपी नहीं जाएगी।

सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई 29 अक्टूबर को

नई दिल्ली (एजेंसी)। सामजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की हिरासत को चुनौती देने वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को सुनवाई टल गई। अब मामले की अगली सुनवाई 29 अक्टूबर को होगी। बात दें कि सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने याचिका में संशोधन करने की इजाजत मांगी है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ को सुनवाई करनी है। इससे पहले, केंद्र सरकार और अन्य प्राधिकारियों से जवाब मांगा गया था। लेह प्रशासन ने अपने हलफनामे में राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (एनएसए) के तहत वांगचुक की हिरासत का बचाव किया है। लेह के जिलाधिकारी रोमिल सिंह डोंक ने कहा कि हिरासत आदेश 26 सितंबर को पारित किया गया था। उन्होंने कहा कि वह इस बात से संतुष्ट थे और अभी भी संतुष्ट हैं कि व्यक्ति को हिरासत में रखा जाए। हिरासत का आधार राज्य की सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखने और समुदाय के लिए आवश्यक सेवाओं के लिए हानिकारक गतिविधियों को बताया गया है।

केरल में हिजाब विवाद छात्रा के पिता और स्कूल प्रबंधन ने बैठकर सुलझाया

-कुछ तत्व इसे लेकर सांप्रदायिक माहौल खराब करने की कर रहे थे कोशिश

एर्नाकुलम (एजेंसी)। केरल के एर्नाकुलम जिले में एक छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति न देने से उपजा विवाद सुलझ गया। छात्रा के पिता ने बातचीत के बाद स्कूल के ड्रेस कोड का पालन करने की बात कही। वहीं, शिक्षा विभाग की जांच रिपोर्ट ने छात्रा को धार्मिक स्वतंत्रता के तहत हिजाब पहनने की अनुमति देने की सिफारिश की है। मामला कैथोलिक चर्च द्वारा संचालित सेंट रीटा पब्लिक स्कूल पल्लुरुथी का है, जहां कक्षा 8 की छात्रा के पिता पीएम अनस ने अपनी बेटी को कक्षा में हिजाब पहनने की अनुमति देने की मांग की थी।

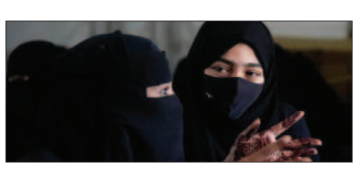

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक स्कूल प्रशासन ने इसे यूनिफॉर्म नीति का उल्लंघन बताते हुए अस्वीकार कर दिया था। सोमवार और मंगलवार को स्कूल में तनाव के बाद कक्षाएं निलंबित कर दी गई थीं। मंगलवार को कांग्रेस सांसद हिबी ईडन की मध्यस्थता में छात्रा के माता-पिता और स्कूल प्रबंधन के बीच बातचीत हुई, जिसके बाद अनस ने कहा कि वह और उसकी बेटी स्कूल प्रबंधन के निर्देशों का पालन करेंगे। वह नहीं चाहते कि यह मामला सांप्रदायिक रंग ले। हमें समाज में भाईचारा बनाए रखना है। हिबी ईडन ने कहा कि कुछ तत्व इस विवाद के बहाने सांप्रदायिक विभाजन पैदा करने की कोशिश कर रहे थे। उन्होंने कहा कि छात्रा के पिता का यह फैसला केरल की धर्मनिरपेक्ष परंपरा को मजबूत करने वाला है। इस बीच राज्य के सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी ने बताया कि जांच में स्कूल की ओर से गंभीर चूक पाई गई है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा- छात्रा को हिजाब पहनने के कारण कक्षा से बाहर करना संविधान द्वारा प्रदत्त धार्मिक स्वतंत्रता और शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन है। यह गंभीर अनुशासनहीनता है। जांच रिपोर्ट में अनुशंसा की गई है कि छात्रा को हिजाब पहनने की अनुमति दी जाए और स्कूल चाहें तो उसके रंग और डिजाइन तय कर सकता है। मंत्री ने कहा कि केरल की धर्मनिरपेक्ष पहचान के विपरीत कोई शैक्षणिक संस्था कार्य नहीं कर सकती। ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। इससे पहले केरल हाईकोर्ट ने स्कूल प्रबंधन को संभावित कानून-व्यवस्था की स्थिति को देखते हुए पुलिस सुरक्षा देने का आदेश दिया था।

चुनाव में धनबल, शराब, नशे व उपहारों के इस्तेमाल को लेकर आयोग सख्त

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने व्यय पर्यवेक्षकों को भी किया तैनात

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग ने चुनाव में धनबल, शराब, नशे और मुफ्त उपहारों के इस्तेमाल पर रोक लगाने के लिए सख्त कदम उठाया है। आयोग ने सभी प्रवर्तन एजेंसियों को सख्त निर्देश दिए हैं ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संपन्न हो सके। चुनाव आयोग ने 6 अक्टूबर को बिहार विधानसभा के आम चुनाव और 8 विधानसभा सीटों के उपचुनाव की घोषणा की थी। अब आयोग ने चुनाव खर्च और अवैध गतिविधियों पर नियंत्रण के लिए विशेष निगरानी की व्यवस्था की है।

चुनाव आयोग ने इस अभियान में कई एजेंसियों को शामिल किया है, जिनमें राज्य पुलिस विभाग, आबकारी विभाग, आयकर विभाग, एफआईयू-आईएनडी, आरबीआई, एसएलबीसी, डीआरआई, सीजीएसटी, एसजीएसटी, कस्टम्स, प्रवर्तन निदेशालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो, रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स, सीआईएसएफ, एसएसबी, बीसीएएस, एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया, डाक विभाग, वन विभाग और राज्य सहकारी विभाग शामिल हैं। इन सभी को निर्देश दिया है कि चुनाव के दौरान धन, शराब, ड्रग्स या अन्य प्रलोभनों के जरिए मतदाताओं को प्रभावित न किया जा सके।

आयोग ने चुनाव खर्च पर नजर रखने के लिए व्यय पर्यवेक्षकों को तैनात किया है। ये अधिकारी अधिसूचना जारी होते ही अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में पहुंच गए हैं और वहां व्यय निगरानी से जुड़ी टीमों से मिलकर नजर रख रहे हैं। आयोग ने कहा कि फ्लाइंग स्क्वॉड, सर्विलांस टीमें और वीडियो मॉनिटरिंग टीमें चौबीसों घंटे सक्रिय रहेंगी ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि या मतदाताओं को प्रभावित करने की कोशिशों पर तुरंत कार्रवाई की जा सके।

चीन ब्रह्मपुत्र बना रहा सबसे बड़ा बांध, पड़ोसी देशों पर बनाना चाहता है दबाव

-भारत ने जलविद्युत योजना का अनावरण का फैसला कर दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाकर मनमानी करने की सोच रहा है। इस बांध के जरिए वह अपने पड़ोसी देशों को रौंदकर अपना व्यापार बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहा है। अब भारत ने भी इसका जवाब देने का फैसला लिया है। दरअसल, भारत सरकार ने ब्रह्मपुत्र नदी पर ही 6.4 लाख करोड़ रुपए की जलविद्युत योजना का अनावरण किया। भारत के इस फैसले के पीछे रणनीति है जो कि भविष्य में भारत के कई राज्यों को फायदा पहुंचाने वाली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस जलविद्युत परियोजना के बनने से पूर्वोत्तर राज्यों की बिजली की जरूरत आसानी से पूरी होगी। इसके अलावा अन्य राज्यों को भी बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने कहा है कि केंद्र सरकार ने बढ़ती बिजली मांग को पूरा करने के लिए 2047 तक ब्रह्मपुत्र बेसिन से 76 गीगावाट से ज्यादा जलविद्युत क्षमता स्थानांतरित करने के लिए 6.4 ट्रिलियन रुपए की पारेषण योजना तैयार की है।

सोमवार को जारी रिपोर्ट में सीईए ने कहा कि इस योजना में पूर्वोत्तर राज्यों के 12 उप-बेसिनों में 208 बड़ी पनबिजली परियोजनाएं शामिल की गई हैं, जिनकी संभावित क्षमता 64.9 गीगावाट और पंप-स्टोरेज संयंत्रों से अतिरिक्त 11.1 गीगावाट है। बेसिन की सीमापारीय प्रकृति और चीन से निकटता के कारण जल प्रबंधन और बुनियादी ढांचे की योजना एक रणनीतिक मुद्दा बन गया है। चीन के ब्रह्मपुत्र पर बांध बनाए जाने के बाद भारत को डर सता रहा है कि यह बांध भारतीय क्षेत्र में पानी के प्रवाह को 85 फीसदी कम कर सकता है। इतना ही नहीं, कभी युद्ध की स्थिति आई तो चीन इस बांध का दुरुपयोग भी कर सकता है। इससे ब्रह्मपुत्र के निचले इलाके को नुकसान पहुंचने का खतरा है।

बता दें ब्रह्मपुत्र नदी, जो चीन के तिब्बत से निकलती है और भारत-बांग्लादेश से होकर बहती है, अपने भारतीय क्षेत्र में विशेषकर चीन सीमा के निकट अरुणाचल प्रदेश में, अहम जलविद्युत क्षमता रखती है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ब्रह्मपुत्र बेसिन अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मिज़ोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों को कवर करता है और भारत की अप्रयुक्त जलविद्युत क्षमता का 80 फीसदी से ज्यादा इसमें समाहित है। अकेले अरुणाचल प्रदेश में 52.2 गीगावाट की क्षमता है। बता दें चीन ने जुलाई में दक्षिण-पूर्वी तिब्बत में भारत की सीमा के पास ब्रह्मपुत्र पर एक बड़े बांध का निर्माण शुरू किया है। भारत ने इस साल की शुरुआत में

इस परियोजना को लेकर चिंता जताई थी। जनवरी में भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा था कि चीन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया है कि ब्रह्मपुत्र के निचले इलाकों के हितों को ऊपरी इलाकों में हो रही गतिविधियों से नुकसान न पहुंचे।

स्वामी, प्रकाशक, अनीता शर्मा द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी- मैसर्स साई प्रिंटिंग प्रेस D-85 सेक्टर-6 नोएडा, गौतमबुद्धनगर से मुद्रित एवं जी-271 एचआईजी, प्रताप विहार, सेक्टर-11, गाजियाबाद (उ०प्र०) से प्रकाशित। संपादक -अतुल शर्मा *
ईमेल-rashtriyashikhar@gmail.com (समस्त विवादों का क्षेत्र गाजियाबाद न्यायालय रहेगा) (* इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन तथा कानूनी मामलों हेतु उत्तरदायी)
समाचार संपादक-आरव शर्मा (एडवोकेट) 9310230557, 9625163807
(PRGI No. - UPHIN/25/A0086)